सेंसेक्स	~	83,442.50
निफ्टी	~	25,461.30
सोना	~	98,290
चांदी	~	1,10,000
डॉलर	~	85.76

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
मंगलवार 08 जुलाई 2025
आषाढ़ शुक्ल 11 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 283
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

देश के कई राज्यों में भारी बारिश का दौर जारी

बद्रीनाथ हाईवे बंद, शहडोल में 4 इंच बारिश : राजस्थान के सीकर में बारिश के कारण सड़कों पर पानी भरा

नई दिल्ली। उत्तराखंड में भारी बारिश का दौर जारी है। उत्तरकाशी में यमुनोत्री हाईवे पर ओजरी इलाके में पुल बहने से आसपास के इलाकों का सड़क संपर्क टूट गया है। वहीं, श्रीनगर में तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड से बद्रीनाथ हाईवे बंद हो गया है। वहीं मध्य प्रदेश के शहडोल में बीते 24 घंटे में 4 इंच बारिश हुई। आधी रात 3 हजार से ज्यादा घरों में पानी भर गया। यहां अस्पताल में पानी भर जाने पर मरीजों को शिफ्ट करना पड़ा। रेलवे ट्रैक डूब जाने से 4 घंटे तक ट्रेन रूट बंद रहा। राजस्थान में भी तेज बारिश का दौर जारी है। झुंझुनूं में बाघोली नदी के तेज बहाव के चलते नेशनल हाईवे-52 को जोड़ने वाली सड़क धंसकर पानी में बह गई। राजस्थान के सीकर में बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर गया। नाले उफान पर हैं। हिमाचल प्रदेश में 20 जून से 6 जुलाई के बीच बादल फटने की 19 घटनाएं हुईं। 23 बार बाढ़ और 19 बार लैंडस्लाइड हुए। 269 सड़कें बंद हैं। बारिश से जुड़े हादसों में अब तक 82 लोगों की जान जा चुकी है।

वहीं नोएडा में रातभर हुई तेज बारिश के बाद सर्विस रोड का एक हिस्सा धंस गया। यह घटना नोएडा सेक्टर-100 की है। प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच चुकी है और सुरक्षा के लिए इलाके को घेर लिया गया है। गाड़ियों की आवाजाही फिलहाल रोकी गई है। स्थानीय लोगों से सावधानी बरतने की अपील की गई है। प्रयागराज में गंगा और यमुना उफान पर है। नैनी का अरैल घाट डूब चुका है। घाट स्थित बारादरी पूरी तरह जलमग्न हो चुकी है। निचली बारादरी में बने विश्राम गृह की केवल छत दिखाई दे रही है। प्रयागराज में अभी गंगा का जलस्तर करीब 78 मीटर और यमुना 75.88 मीटर तक रिकॉर्ड किया गया है। नैनी के अरैल घाट और महेवा गांव के किनारे रहने वाले लोगों को सावधान किया गया है। बाढ़ चौकियां और शरणालय बनाए गए हैं। वहां खाने-पीने और दवाइयों की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। वहीं उमरिया के संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र के गेट नंबर तीन और चार को 1-1 मीटर खोलकर पानी छोड़ा जा रहा। मध्य प्रदेश के मंडला में पुलिस ने भीमा नाला में बहे बछड़े को बचा लिया। दरअसल, पुलिस टीम ने देखा कि एक गाय और उसका बछड़ा पुलिया पार करते समय तेज बहाव में फंस गए हैं। पानी का स्तर अधिक होने के कारण बछड़ा बहकर नीचे चला गया था।

मंदसौर के गांधी सागर डैम में दो युवक डूबे, सडक़ें धंसी, घरों में पानी घुसा

मंडला में खतरे के निशान के ऊपर नर्मदा

मंडला में बीते एक सप्ताह से बारिश लगातार जारी है। सोमवार सुबह तक 24 घंटे के दौरान जिले में 108 मिमी यानी 4.25 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई, जिससे नर्मदा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है और यह वार्निंग लेवल को पार कर गया। बता दें कि दोपहर 12 बजे नर्मदा नदी का जलस्तर 437.55 मीटर पर है, जबकि वार्निंग लेवल 437 मीटर और खतरे का निशान 437.80 मीटर है। वहीं कल नर्मदा का जल स्तर 435.69 मीटर था जिले की प्रमुख नर्मदा नदी के साथ-साथ मटियारी, सुरपन और बंजर सहित कई नदियां उफान पर हैं। नर्मदा नदी पर स्थित माहिष्मती घाट का छोटा पुल एक बार फिर पानी में डूब गया है। जलस्तर बढने से निचले इलाकों में खतरा मंडरा रहा है।

बालाघाट के कई गांवों का सडक़ संपर्क टूटा, जबलपुर, उमरिया, मंडला, डिंडौरी, बालाघाट और अनूपपुर में स्कूलों और आंगनबाडिय़ों की छुट्टी

मप्र के कई जिलों में लगातार तेज बारिश होने की वजह से हालात बिगडने लगे हैं। डिंडौरी के मेहदवानी जनपद पंचायत क्षेत्र में धमनी-कुसेरा मार्ग बारिश से क्षतिग्रस्त हो गया है। तीन साल पहले प्रधानमंत्री ग्राम सडक़ योजना से सडक़ बनी थी। सडक़ टूटने से इस रास्ते पर भारी वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। सीहोर जिले के पार्वती और पपनाश नदी भारी बारिश के चलते उफान पर हैं। पार्वती नदी पर हादसा होते-होते बचा। पानी पुल के ऊपर से बह रहा था। इस बीच कार चालक ने लोगों के मना करने के बाद भी कार नहीं रोकी और आगे जाकर वो फंस गई। लोगों ने कार सवार को बाहर निकाला। मंडला में पिछले 24 घंटे में हुई भारी बारिश से नर्मदा नदी का जलस्तर वॉर्निंग लेबल क्रॉस कर 437.40 मीटर पर पहुंच गया है। माहिष्मती घाट स्थित छोटा पुल फिर डूब गया है। साथ ही मटियारी, सुरपन, बंजर सहित कई नदियां उफान पर हैं। जबलपुर, उमरिया, मंडला, डिंडौरी, बालाघाट और अनूपपुर में स्कूलों और आंगनबाडिय़ों की छुट्टी कर दी गई है। शहडोल में बीते 24 घंटे में 4 इंच बारिश हुई। आधी रात 3 हजार से ज्यादा घरों में पानी भर गया। यहां अस्पताल में पानी भर जाने पर मरीजों को शिफ्ट करना पड़ा। रेलवे ट्रैक डूब जाने से 4 घंटे तक ट्रेन रूट बंद रहा।

खास खबर

इंदौर एयरपोर्ट से 1 अगस्त से नासिक, उदयपुर और जोधपुर के लिए सीधी उड़ानें बंद

इंदौर। इंदौर एयरपोर्ट से 1 अगस्त से नासिक, उदयपुर और जोधपुर के लिए सीधी उड़ानें बंद होने वाली हैं। इन तीनों फ्लाइट का संचालन इंडिगो द्वारा हो रहा था। कंपनी ने इन रूट्स की बुकिंग भी बंद कर दी है। इसके पहले कंपनी कोलकाता और जम्मू की उड़ानें भी बंद कर चुकी है। अब इन शहरों के लिए यात्रियों को कनेक्टिंग फ्लाइट्स का विकल्प तलाशना होगा, जिससे यात्रा का समय और खर्च बढ़ेगा।

गैंगस्टरों के निशाने पर सिंगर-एक्टर

चंडीगढ़। पंजाब में एक्ट्रेस तानिया कंबोज के पिता डॉ. अनिल जीत सिंह पर 4 जुलाई को उनके ही क्लीनिक में गोलियां मारी गईं। यह पहला मामला नहीं है कि किसी पंजाबी सिंगर, एक्टर या उसके परिवार को टारगेट किया गया है। 2018 में सिंगर और एक्टर परमीश वर्मा पर भी हमला हुआ था। उन्हें मोहाली में गोली मारी गई थी। इसी तरह बब्बू मान, करण औजला और गिप्पी ग्रेवाल जैसे सिंगरों को गैंगस्टरों की तरफ से धमकियां मिल चुकी हैं। 28 मई 2022 को सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या तक कर दी गई। हत्या का आरोप लॉरेंस गैंग पर है। अभी तक 10 से अधिक ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें पंजाबी म्यूजिक और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को सोशल मीडिया और फोन पर फिरौती की धमकियां मिली हैं या फिर उन पर हमले कराए गए हैं। इस वजह से सिंगर और एक्टर्स में डर का माहौल है।

म.प्र. की खदानें 5-स्टार

जयपुर/इंदौर। अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड की तेरह लाइमस्टोन खदानों को वित्त वर्ष 2023-24 के लिए इंडियन ब्यूरो ऑफ माइन्स, खनन मंत्रालय द्वारा सस्टेनेबल माइनिंग में उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार समारोह सोमवार, 7 जुलाई को जयपुर, राजस्थान में हुआ। सम्मानित खदानों में मध्य प्रदेश की विक्रम सीमेंट वर्क्स (नीमच) और धार सीमेंट वर्क्स (सीतापुरी) की लाइमस्टोन खदानें प्रमुख हैं। धार सीमेंट वर्क्स को यह सम्मान लगातार दूसरे साल मिला है। इन इकाइयों ने जल संचयन, हरित पट्टी विकास और सामुदायिक भागीदारी जैसे प्रयासों में खुद को उत्कृष्ट साबित किया है। अल्ट्राटेक की बारह लाइमस्टोन खदानों को 5-स्टार रेटिंग मिली है, जबकि एक खदान को ग्रीन माइनिंग में असाधारण कार्य के लिए 7-स्टार रेटिंग का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त हुआ है। यह देश की एकमात्र लाइमस्टोन खदान है जिसे यह रेटिंग मिली है। केंद्रीय कोयला और खनन मंत्री जी. किशन रेड्डी ने इस समारोह में अल्ट्राटेक को उसकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा भी उपस्थित थे। अल्ट्राटेक के ये प्रयास इंडियन ब्यूरो ऑफ माइन्स के स्थायी और हरित खनन के लक्ष्यों के अनुरूप हैं। अल्ट्राटेक को लगातार दूसरे साल सभी खनिज श्रेणियों में सबसे अधिक 5-स्टार रेटिंग प्राप्त करने का गौरव हासिल है।

8 लाख का इनामी नक्सली ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के नेशनल पार्क एरिया में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। जिसमें 8 लाख का इनामी डिप्टी कमांडर और स्नाइपर सोढ़ी कन्ना मारा गया। सर्चिंग के दौरान उसका शव और 303 राइफल बरामद हुआ है।

बिहार में वोटर लिस्ट को लेकर सिब्बल ने दी दलील, सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को राजी

नई दिल्ली। बिहार में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले चुनाव आयोग की ओर से वोटर लिस्ट के पुनरीक्षण अभियान को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट 10 जुलाई को सुनवाई करेगा। इसको लेकर कपिल सिब्बल ने चुनाव आयोग के इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट से जल्द सुनवाई करने की मांग की थी। सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि चुनाव आयोग का यह फैसला न केवल समय के लिहाज से संवेदनशील है, बल्कि इसकी कानूनी वैधता भी शक के दायरे में है। कोर्ट ने पूछा कि बिहार में विधानसभा चुनाव कब होने वाले हैं, जिसके जवाब में कहा गया कि चुनाव इसी साल के अंत में होना है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई 10 जुलाई तय की।

बिहार की मुख्य विपक्षी पार्टी आरजेडी, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा, सामाजिक कार्यकर्ता योगेंद्र यादव और चुनाव सुधारों के लिए काम करने वाले संगठन एडीआर ने इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि चुनाव आयोग का यह फैसला लाखों गरीब, महिला और प्रवासी मतदाताओं को वोटिंग प्रक्रिया से बाहर कर सकता है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यह फैसला मनमाना और असंवैधानिक है, जिससे मताधिकार से वंचित होने का खतरा है।

विपक्षी दलों के गठबंधन ने भी इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया और चुनाव आयोग से मुलाकात कर इस फैसले को वापस लेने की मांग की। हालांकि आयोग ने उनकी मांगों को ठुकरा दिया था और कहा था कि पुनरीक्षण प्रक्रिया चुनावी पारदर्शिता के लिए जरूरी है। इस बीच वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर निर्वाचन आयोग ने 11 दस्तावेजों की सूची जारी की है, जिनमें से कोई एक दस्तावेज बीएलओ को देना है।

बिहार पीआईबी ने एक्स पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें कहा गया है कि लोगों को सोचने से तो रोक नहीं सकते हैं, लेकिन लोगों की सोच बदलने की कोशिश जरूर कर सकते हैं।

पुणे स्टेशन पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर कुल्हाड़ी से हमला, आरोपी गिरफ्तार

कांग्रेस ने जताया विरोध, शहर में आक्रोश का माहौल

पुणे। पुणे शहर के मुख्य रेलवे स्टेशन के सामने स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर रविवार मध्य रात्रि एक व्यक्ति द्वारा कुल्हाड़ी जैसे धारदार हथियार से हमला किए जाने की घटना से हड़कंप मच गया। आरोपी की पहचान सूरज शुक्ला, निवासी वाराणसी, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है, जो पिछले डेढ़ महीने से पुणे में रह रहा था और रुद्राक्ष की माला बेचकर जीविकोपार्जन कर रहा था।

पुलिस के अनुसार, घटना के समय आरोपी के हाथ में एक कुल्हाड़ी जैसी कोई चीज थी, जिससे उसने प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सूरज शुक्ला अचानक प्रतिमा वाले चबूतरे पर चढ़ गया और उसे क्षतिग्रस्त करने लगा। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। इस मामले पर पुणे पुलिस उपायुक्त (जोन-2) मिलिंद मोहिते का कहना था कि शुरुआती जांच में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि आरोपी की मानसिक स्थिति सामान्य नहीं है। हालांकि, उसने जानबूझकर प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की है। पुलिस अब आरोपी की मानसिक स्थिति की जांच के लिए मेडिकल परीक्षण कराने की प्रक्रिया में है।

पुलिस ने सूरज शुक्ला के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। कुल्हाड़ी जब्त कर ली गई है और उससे पूछताछ की जा रही है। वहीं, शहर में सामाजिक संगठनों और गांधीवादी विचारधारा से जुड़े लोगों में रोष है और उन्होंने कड़ी कार्रवाई की मांग की है। महात्मा गांधी की प्रतिमा पर किए गए हमले की कांग्रेस पार्टी ने कड़ी निंदा की है। पुणे कांग्रेस के अध्यक्ष अरविंद शिंदे ने कहा कि यह हमला राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सम्मान और मूल्यों पर सीधा हमला है।

26/11 के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा ने किए कई खुलासे, कहा

हां, मैं पाकिस्तानी आर्मी का एजेंट था...

मुंबई। 26/11 मुंबई आतंकी हमले में अहम भूमिका निभाने वाले तहव्वुर हुसैन राणा ने मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच की पूछताछ में कई बड़े खुलासे किए हैं. राष्ट्रीय जांच एजेंसी की कस्टडी में हुई पूछताछ के दौरान राणा ने माना कि वह पाकिस्तानी सेना का भरोसेमंद एजेंट था, जिसे खलीज युद्ध के दौरान सऊदी अरब भी भेजा गया था। राणा ने बताया कि लश्कर-ए-तैयबा सिर्फ एक आतंकी संगठन नहीं, बल्कि जासूसी नेटवर्क की तरह काम करता है. उसने यह भी कबूला कि उसका दोस्त और सहयोगी डेविड हेडली लश्कर के लिए कई बार ट्रेनिंग ले चुका था।

आईएसआई ने की थी मदद

राणा ने बताया कि मुंबई में अपने इमिग्रेशन फर्म का सेंटर खोलने का विचार उसका ही था, और उससे जुड़ी फाइनेंशियल डीलिंग को बिजनेस खर्च बताया गया. लेकिन उसने यह भी स्वीकार किया कि 2008 में जब 26/11 हमला हुआ, तब वह मुंबई में मौजूद था और वह पूरी तरह से आतंकी साजिश का हिस्सा था।

8वें वेतन आयोग में तीन गुना बढ़ जाएगी कर्मचारियों की सैलरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा इस वर्ष की शुरुआत में अप्रूव्ड 8वें केंद्रीय वेतन आयोग (सीपीसी) के 2027 के आसपास लागू होने की उम्मीद है। इससे पूरे भारत में केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के वेतन स्ट्रक्चर में बड़ा बदलाव होगा। हालांकि, आधिकारिक टर्म्स ऑफ रेफरेंस, अध्यक्ष और आयोग के सदस्यों की घोषणा अभी तक नहीं की गई है। केंद्र सरकार के कर्मचारी और पेंशनभोगी 8वें वेतन आयोग के चेयरमैन की नियुक्ति और टर्म्स ऑफ रेफरेंस (टीओआर) को अंतिम रूप दिए जाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 1.2 करोड़ से अधिक केंद्र सरकार के कर्मचारी और पेंशनभोगी अपने वेतन और पेंशन में संशोधन का इंतजार कर रहे हैं। वेतन कितना बढ़ेगा इसे उदाहरण से समझा जा सकता है, वेतन लेवल 1 के कर्मचारी, जो वर्तमान में रु 18,000 का मूल वेतन कमा रहे हैं, उन्हें रु 51,480 तक का लाभ हो सकता है। वहीं, लेवल 2 के कर्मचारियों को रु 19,900 से ?56,914 तक का लाभ हो सकता है। लेवल 3 के कर्मचारियों को रु 21,700 से बढ़कर रु 62,062 मिल सकते हैं। लेवल 6 पर, मूल वेतन रु 35,400 से बढ़कर रु 1 लाख से अधिक हो सकता है, जबकि एंट्री लेवल के आईएएस और आईपीएस अधिकारियों सहित स्तर 10 के अधिकारियों को रु 56,100 से रु 1.6 लाख तक का लाभ हो सकता है।

शेयर सूचकांकों में हेराफेरी पर राहुल गांधी का हमला, कहा...

अमीरों को और अमीर बना रही सरकार

दिल्ली। शेयर सूचकांकों में कथित रूप से हेराफेरी करने के मामले में सेबी की कार्रवाई के बाद राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को घेरा है। राहुल गांधी ने का कि शेयर बाजार में बड़े खिलाड़ी हेरफेर कर रहे हैं और सरकार चुप्पी साधे है। इससे साफ है कि सरकार अमीरों को और अमीर बना रही है। जबकि आम निवेशकों को बर्बादी के कगार पर धकेल रही है। बता दें कि सेबी ने हाल ही में अमेरिकी ट्रेडिंग कंपनी जेन स्ट्रीट समूह पर हेराफेरी मामले में प्रतिबंध लगाया है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि मैंने पहले ही वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) बाजार में खामियों की भविष्यवाणी की थी। मैंने 2024 में स्पष्ट रूप से कहा था कि एफएंडओ बाजार बड़े खिलाडिय़ों के लिए खेल का मैदान बन गया है और छोटे निवेशकों की जेबें लगातार खाली हो रही हैं। अब सेबी खुद मान रही है कि जेन स्ट्रीट ने हजारों करोड़ रुपये की हेराफेरी की। सेबी इतने समय तक चुप क्यों रही? उन्होंने केंद्र सरकार की चुप्पी को लेकर सवाल दागा कि क्या बाजार में हेराफेरी करने वाले और भी खिलाड़ी हैं? किसके इशारे पर मोदी सरकार आंखें मूंदकर बैठी थी? कितने बड़े शार्क अभी भी खुदरा निवेशकों को धोखा दे रहे हैं? राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि हर मामले में यह स्पष्ट है कि मोदी सरकार अमीरों को और अमीर बना रही है तथा आम निवेशकों को बर्बादी के कगार पर धकेल रही है। राहुल गांधी ने 2024 की एक पोस्ट को भी साझा किया। इसमें उन्होंने लिखा था कि अनियंत्रित एफएंडओ ट्रेडिंग पांच साल में 45 गुना बढ़ गई है। 90 प्रतिशत छोटे निवेशकों ने 3 वर्षों में 1.8 लाख करोड़ रुपये खो दिए हैं। सेबी को उन तथाकथित बड़े खिलाडिय़ों के नाम उजागर करने चाहिए जो उनके खर्च पर मुनाफा कमा रहे हैं।

सेबी ने लगाया था प्रतिबंध

डेरिवेटिव सेगमेंट में पोजिशन लेकर शेयर सूचकांकों में कथित रूप से हेरफेरी करने के मामले में बाजार नियामक सेबी ने अमेरिकी ट्रेडिंग कंपनी जेन स्ट्रीट समूह को प्रतिभूति बाजारों से प्रतिबंधित कर दिया था। जेन स्ट्रीट समूह ने जनवरी, 2023 से मई, 2025 के बीच 21 से अधिक एक्सपायरी डे में नकदी में कई बड़े ट्रेड किए थे। इंडेक्स को प्रभावित कर मुनाफा कमाने के लिए बाजार में अपने भारी पोजिशन का इस्तेमाल किया था।

किसान-जवान-संविधान सभा में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खडग़े ने कहा...

नीतीश-नायडू की टांगों पर चल रहे मोदी

रायपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने रायपुर के साइंस कॉलेज में आयोजित किसान-जवान-संविधान सभा को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, रायपुर में मेरी अध्यक्षता में महाधिवेशन हुआ था, जब भूपेश बघेल सीएम थे। रायपुर से सामाजिक न्याय का जो नारा बुलंद हुआ उसने 2024 में मोदी सरकार के अहंकार को तोड़ दिया। बीजेपी ऐसे हालात में है कि खुद की सरकार भी नहीं बना सकी। मोदीजी सिर्फ दो टांग लेकर चल रहे हैं, एक टांग नीतीश बाबू और एक टांग टीडीपी है। एक ने भी लात मार दी तो मोदीजी हार जाएंगे।

अपने संबोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष खडग़े ने सभा में पहुंचे लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि इतनी बारिश में आपका यहां आना यह बताता है कि आप हमारे साथ हैं। आप सभी साथ हैं तो हमें कोई नहीं हरा सकता। खडग़े ने कहा, मोदी ने छत्तीसगढ़ के लोगों के जीवन को तबाह करने का काम किया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को लेकर उन्होंने कहा, शाह को यहां बार-बार क्यों आना, क्या उनका घर है या ससुराल है? यहां के मुख्यमंत्री को तो बैठो कहने पर बैठ जाते हैं, उठो बोलो तो उठ जाते हैं। इतना अपमान सह रहे हैं, लेकिन पद नहीं छोड़ रहे।

झूठों के सरदार हैं भाजपा सरकार

कांग्रेस अध्यक्ष खडग़े ने कहा, भाजपा सरकार ने हमारे छत्तीसगढ़ के जवानों और किसानों को धोखा दिया, क्योंकि ये झूठ बोलते हैं। ये लोग कैसे जीत जाते हैं समझ नहीं आता। ये इतना झूठ बोलते हैं इसीलिए मैं कहता हूं कि ये झूठों के सरदार हैं। ये लोग डबल इंजन की बात करते हैं, ये कैसा डबल इंजन हैं। एक छोटा और एक बड़ा है तो गाड़ी कैसे चलेगी। जो गुलामगिरी करते हैं वही लोग ये सब करते हैं। खडग़े ने कहा, भाजपा के लोग ऐसा क्या कर रहे हैं कि 2025-26 में इन्होंने 47 हजार करोड़ कर्ज लिया। हमारे जमाने में एक रुपए भी कर्ज बढ़ता था तो लोग रास्ते पर आते थे। कहां है वो लोग, अब क्यों नहीं आते। 11 सालों में जो काम इन्हें ठीक से करना था वो नहीं किया। अब फिर प्रदेश का कर्ज बढ़ा रहे।

कलेक्टर ने टीएल बैठक में की समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीणा ने 07 जुलाई को टीएल बैठक में विभिन्न विभागों के समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, एसडीएम गोपाल सोनी, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती राजनंदनी शर्मा, डिप्टी कलेक्टर राहुल नायक एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सर्वप्रथम जिले में उर्वरक की उपलब्धता एवं उसके वितरण की समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि जिले में नैनो डीएपी सहकारी समितियों एवं प्राईवेट दुकानों में उपलब्ध है, लेकिन किसानों द्वारा इसके प्रति अधिक रूचि नहीं दिखाई जा रही है। किसानों को नैनो डीएपी के उपयोग के प्रति जागरूक किया जा रहा है। वर्तमान में जिले में 4870 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है। जिले को ईफको कम्पनी के खाद की एक रेक शीघ्र मिलने वाली है। यह रेक पारादीप बंदरगाह से आएगी। इसी प्रकार एनएफएन कम्पनी की गुना प्लांट से यूरिया की एक रेक शीघ्र बालाघाट आने वाली है।

किसानों के लिए उर्वरक की कमी नही होना चाहिए

कलेक्टर श्री मीणा ने उपसंचालक कृषि को निर्देशित किया कि वे जिला विपणन अधिकारी एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अधिकारी के साथ समन्वय कर समितियों के माध्यम से उर्वरक वितरण की कार्ययोजना तैयार करे। जिले में कहीं पर भी उर्वरक की कमी नहीं होना चाहिए। किसानों को उनकी मांग के अनुरूप समय पर उर्वरक उपलब्ध हो जाना चाहिए। उपसंचालक कृषि को निर्देशित किया गया कि किसानों को उनके रकबे के अनुसार उर्वरक क्रय करने की सीमा निर्धारित करे।

पुल-पुलियों और तालाबों पर साईन बोर्ड लगाने के निर्देश

जिले में हो रही भारी वर्षा की चर्चा करते हुए कलेक्टर श्री मीणा ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि जिले में स्थित सभी पुल-पुलियों पर पानी होने की स्थिति में उन्हें पार न करने की सूचना वाले साईन बोर्ड अनिवार्य रूप से लगे होने चाहिए। पुल-पुलियों पर पानी होने की स्थिति में बैरियर लगाकर मार्ग को बंद करने कहा गया। जिससे कोई भी व्यक्ति बाढ़ की स्थिति में नदी नालों को पार न कर सके। साईन बोर्ड एवं बैरियर लगाने की जिम्मेदारी सड़क जिस विभाग की है उसके अधिकारी की रहेगी। मौके पर साईन बोर्ड एवं बैरियर नहीं पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की चेतावनी दी गई। इसी प्रकार जिले में स्थित तालाबों में भी बोर्ड लगाने के निर्देश दिए गए कि उनमें वर्षा के दिनों में नहाने पर प्रतिबंध है। कलेक्टर श्री मीणा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने मुख्यालय पर रहे और अपने अधीनस्थ कर्मचारियों का भी मुख्यालय पर रहना सुनिश्चित करे। आवश्यकता के समय यदि कोई मुख्यालय पर उपस्थित नही पाया जाएगा तो उसके विरूद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

उपस्वास्थ्य केंद्र स्तर पर भी एंटीस्नैक वेनम उपलब्ध रखने के निर्देश

कलेक्टर श्री मीणा ने होमगॉर्ड कमाण्डेंट को निर्देशित किया कि सर्पदंश एवं उसके उपचार के प्रति जागरूकता के लिए जिले के विभिन्न स्थानों पर निरंतर शिविरो का आयोजन करे। इन शिविरों में राजस्व के साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अमले को शामिल करने कहा गया। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया गया कि वे उपस्वास्थ्य केंद्र स्थल पर भी एंटीस्नैक वेनम की उपलब्धता सुनिश्चित करे। जिससे सर्पदंश की स्थिति में मरीज को निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में उपचार की सुविधा मिल सके।

जिला परियोजना समन्वयक का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश

बैठक में एक बगियॉ मॉ के नाम योजना की तैयारी के संबंध में चर्चा की गई। इस दौरान सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक श्री बर्मन के बिना सूचना के अनुपस्थित रहने पर उनका एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए है। शालाओं द्वारा किये गए पौधारोपण की फोटो अंकुर एप्प पर अपलोड नहीं करने के कारण जिला परियोजना समन्वयक श्री बर्मन को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान निर्देशित किया गया कि एक बगियॉ मॉ के नाम योजना के अंतर्गत पौधारोपण के लिए कार्य योजना शीघ्र तैयार करे। इसी प्रकार उपसंचालक पशु चिकित्सा को वृंदावन ग्राम योजना की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए।

झींगा उत्पादन दोगुना करने के निर्देश

बैठक में धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत लगाए जा रहे शिविरों में अधिक से अधिक पात्र लोगो को शासन की योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए गए। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से आमजन को जोड़ने के लिए लगाए जा रहे शिविरों में बैंक बीसी की उपस्थिति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को सुकन्या समृद्धि योजना के लक्ष्य के अनुरूप बालिकाओं का पंजीयन कराने एवं उनके डाक घर में खाते खुलवाने के निर्देश दिए गए। जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि कक्षा 01 से 12 तक के बच्चों को नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक का वितरण करने के साथ ही पोर्टल पर उसकी एंट्री की जाए। जिले को प्राप्त पुस्तकों का शत प्रतिशत वितरण हो जाना चाहिए। सहायक संचालक मत्स्योद्योग को निर्देशित किया गया कि जिले में झींगा उत्पादन को प्रोत्साहित करे और गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष दोगुना झींगा उत्पादन करे। बैठक में सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की समीक्षा की गई और अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि इनका संतुष्टि के साथ निराकरण करे।

नांदगांव में आवारा श्वान का आतंक तीन व्यक्ति घायल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत नांदगाव में आवारा श्वान के द्वारा ग्राम के तीन व्यक्तियों को काटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। जिनका उपचार सिविल अस्पताल में करवाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार की सुबह से ग्राम में एक आवारा श्वान भ्रमण कर रहा था जिसके द्वारा दोपहर करीब ढाई बजे घर के सामने खेल रही आरुषि पिता संजु करकड़े उम्र ८ वर्ष को घर के सामने काटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। तो वहीं शाम करीब ५.३० बजे ग्राम के हरिकिशन पिता केशवराव ब्रम्हे ६० वर्ष गेट के पास खड़ा था तभी उक्त श्वान के द्वारा उन्हें भी घायल कर दिया गया। इसी प्रकार आराध्या पिता मनीराम नान्हे उम्र ढाई साल की बच्ची भी अपने घर के दरवाजे के पास खड़ी थी जो खेल रही थी। शाम करीब ६.३० बजे अज्ञात श्वान के द्वारा उसके चेहरे पर बुरी तरह से काट लिया गया। उक्त घटना में घायल तीनों व्यक्तियों को सिविल अस्पताल में लाया गया जहां उनका उपचार कर उन्हें वापस कर दिया गया। उक्त घटना से ग्राम नांदगाव में दहशत का माहौल व्याप्त है सभी लोग अपने अपने दरवाजे बंद कर घरों में सुरक्षित रहने का प्रयास कर रहे हैं। जिनके द्वारा पंचायत से उक्त आवारा श्वान पर कार्यवाही करने की मांग की गई है।

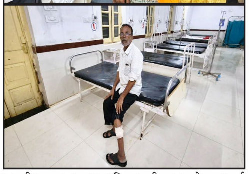

नैनपुर थाने तैनात बालाघाट के पुलिस कर्मचारियों ने भीमा नाला में बह रहे बछड़े की बचाई जान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मंडला जिले के नैनपुर पुलिस थाना में पदस्थ बालाघाट के पुलिस कर्मचारियों ने एक सराहनीय कार्य को अंजाम देते हुए अपनी जान जोखिम में डालकर भीमा नाला के तेज बहाव में फंसे एक बछड़े को सुरक्षित बाहर निकाल कर उसकी जान बचाकर मानवता का परिचय दिए। हुआ यूं कि 7 जुलाई को दोपहर में जब नैनपुर थाने की पुलिस टीम भीमा नाला के समीप से गुजर रही थी। तब एक गाय और उसका बछड़ा पुलिया पार करने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन पानी के तेज बहाव में फंस गए। पानी का स्तर इतना अधिक था कि बछड़ा बहकर नाले में नीचे चला गया और गाय नाला पार हो गई। बछड़ा नाला में बहने से उसकी जान को खतरा पैदा हो गया था।पुलिस कर्मचारियों ने इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए तत्काल बचाव अभियान शुरू किये। उप निरीक्षक विनोद साव , उप निरीक्षक जैनेंद्र उपराड़े उपनिरीक्षक रमेश इंगले, प्रधान आरक्षक जगदीश मसराम आरक्षक सजल, आरक्षक रंजीत, और आरक्षक सुरेश जैतवार, ने बिना देरी किये अपनी सूझबूझ और तत्परता का परिचय देते हुए, नाला के तेज बहाव के बह रहे बछड़े को सुरक्षित बाहर निकालने में कामयाब रहे। नैनपुर पुलिस के इस कार्य की स्थानीय लोगों ने जमकर सराहना की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नैनपुर पुलिस का यह रूप न केवल पुलिस के कर्तव्यों के प्रति समर्पण को दर्शाती है, बल्कि बेजुबान जानवरों के प्रति उनके मानवीय दृष्टिकोण और संवेदनशीलता को भी उजागर करती है।

रात्रि 10:30 बजे हुई सड़क दुर्घटना में घायलों को दी तत्काल सहायता

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। दिनांक 06 जुलाई 2025 को खंड चिकित्सा अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किरनापुर, डॉ.वर्ष चौबे अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर ड्यूटी समाप्ति उपरांत किसी आवश्यक कार्य हेतु बालाघाट जा रहे थे। रात्रि लगभग 10:30 बजे जब वे रजेगांव के समीप टोल टैक्स के पास पहुँचे, तभी एक डस्टर वाहन जो बालाघाट से ग्राम भुआ (किरनापुर) की ओर जा रही

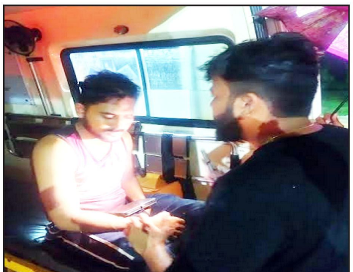

थी, अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई।उक्त दुर्घटना में वाहन की कंडक्टर सीट पर बैठे रवि ठाकरे गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर उपस्थित डॉ. वर्ष चौबे ने मानवीय संवेदनाएं दर्शाते हुए तुरंत अपनी निजी कार रोकी एवं घायल को तत्काल प्राथमिक उपचार प्रदान किया। तत्पश्चात उन्होंने 108 एम्बुलेंस सेवा को बुलाकर घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, किरनापुर भेजा।सीएचसी किरनापुर में ड्यूटी पर तैनात डॉ. कीर्तिबाला बांगरे, नर्सिंग ऑफिसर अर्चना खोबरागड़े एवं नर्सिंग ऑफिसर नीता बघेल द्वारा घायल का समुचित एवं तत्परतापूर्वक उपचार किया गया।डॉ. वर्ष चौबे द्वारा प्रदर्शित संवेदनशीलता, त्वरित निर्णय क्षमता एवं सेवा भावना न केवल विभागीय जिम्मेदारी का उत्कृष्ट निर्वहन है, बल्कि यह समाज में चिकित्सकों की मानवीय भूमिका का भी श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत करता है।डॉ वर्ष चौबे द्वारा इस तरह के कार्यों की सर्वत्र प्रशंसा की जा रही है।

नांदी से सुंदर के बीच सड़क का मामला

प्राकल्लन में नहीं थी सीसी सड़क, 200 मीटर सड़क नही बनने से गांव में हो रहा जलभराव

नांदी(पद्मेश न्यूज)। विकासखंड कटंगी के अंतर्गत1 साल पहले ही लोक निर्माण विभाग की निगरानी में निर्मित मुख्य संड़क मार्ग से नांदी-मोहगांव से सुंदर के बीच बनने वाली सड़क में नांदी गांव के भीतर 200 मीटर की सीसी सड़क को प्राकल्लन में शामिल नहीं किया गया.जिसकी वजह से 200 मीटर सड़क नहीं बन पाई थी जिस कारण बारिश के बाद गांव के भीतर जल जमाव हो रहा है. सोमवार को जब क्षेत्र में बारिश हुई तो नांदी गांव के भीतर सड़क में बड़ी मात्रा में जलभराव हो गया. जिस कारण ग्रामीणों और राहगीरों को आवाजाही में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा और रास्ता बदलकर दूसरी सड़क से जाना पड़ा. वहीं नांदी से सुंदर के बीच सड़क का तो निर्माण किया गया लेकिन नाली नहीं बनाई गई. इस वजह से भी सड़क में जलभराव हो रहा है. इस सड़क का ठेकेदार द्वारा निर्माण तो कर दिया गया परंतु नाली नहीं बनाई गई. मौजूदा वक्त में नांदी के भीतर महेश अग्रवाल के घर से लेकर खुश्याल भूरे के घर तक की सड़क में पानी भरा हुआ है. ग्रामीणों ने बताया कि काफी परेशानी हो रही है. वहीं जब इस संबंध में संबंधित विभाग से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि प्राकल्लन में गांव के भीतर 200 मीटर की सीसी सड़क दर्ज ही नहीं की गई तो वह निर्माण कराने में अक्षम है. ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण के बाद अगर नाली का निर्माण कर दिया जाता तो शायद सड़क में इतना अधिक पानी जमा नहीं होता।

विधायक पारधी से इस संबंध में चर्चा करने के बाद भी नहीं हो रहा समाधान

नांदी के कुछ ग्रामीणजन ने जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्र के विधायक गौरव सिंह पारधी से जलभराव की समस्या को लेकर चर्चा की गई

थी और उन्होंने भी संबंधित विभाग से बात की लेकिन विभाग के कर्मचारी विधायक को दूरभाष पर आश्वाशन दे देते है फिर भी कोई मौके पर आकर नही देखता है।

200 मीटर छूटी हुई सड़क बनने की आश में ग्रामीण

ग्रामीणों ने जानकारी दी की जो 200 मीटर सड़क नही बनी है वो बन जाए तो जलभराव की होने वाली समस्या से छुटकारा पाया जाता है कुछ ग्रामीणों ने बताया कि महेश अग्रवाल के घर के पास जो जलभराव की स्थिति बनी हुई है उसको देखते हुए पंचायत ने नाली खुदवाई है लेकिन नाली खुदवाने के बाद भी जलभराव की स्थिति बनी हुई है ग्रामीणों ने बताया कि जो 200 मीटर सड़क बची हुई है उसके बन जाते के बाद सड़क का दोनो साइड का लेवल बराबर हो जायेगा तो जलभराव की स्थिति से छुटकारा पाया जा सकता है.

इनका कहना है

गांव के अंदर की करीब 200 मीटर सड़क नहीं बनी है जिसकी वजह से बारिश होने पर जलभराव की समस्या बनती है अधिकारी इस ओर ध्यान देकर जो सड़क छूटी हुई है उसको बना देंगे तो समस्या हल हो जाएगी.क्षेत्र के विधायक से भी इस संबंध में चर्चा की गई वो भी लगातार विभाग के अधिकारियों से बात करते है उसके बाद भी किसी प्रकार की सुनवाई नहीं होती है.

महेश अग्रवाल
ग्रामीण नांदी

लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। जिले भर में बीते दो दिनों से हो रही लगातार एवं मूसलाधार बारिश से समूचा जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। चारों तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा है। लगातार बारिश होने के कारण क्षेत्र के नदी नाले भी लबालब भर गए हैं। वही निचले स्थानों में बरसात का पानी भर जाने से सभी को सतर्कता बरतने की सलाह प्रशासन द्वारा जारी की गई है। किरनापुर तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत पौनी में नदी मे बाढ़ आ जाने के कारण गांव के आसपास चारों ओर पानी ही पानी दिखाई दे रहा है। ग्राम पंचायत पौनी से लगे ग्राम खोलमारा का नाला उफान पर है। यह नाला दर्जन से ऊपर नक्सल प्रभावित ग्रामों को जोड़ता है जो लगातार बारिश होने से उफान पर आ गया है जिससे आवागमन बाधित हो गया है लोग जान को जोखिम में डालकर नाला पार कर रहे हैं। ग्राम पंचायत पौनी के रोजगार सहायक फेकू लाल मात्रे के द्वारा अकेले ही देखरेख की जा रही है। क्षेत्र के निचले स्थानों के पुल पुलियों एवं सड़कों पर से बाढ़ का पानी बह रहा है। वही क्षेत्र के ग्राम पंचायत जामडी में ढोरिया परसवाड़ा से पानगांव पहुंच मार्ग पर बने नाले के ऊपर से पानी बहने से मार्ग को सुरक्षा के मद्देनजर बंद कर दिया गया है। ग्राम पंचायत जामड़ी के जामडी से ढोरिया परसवाड़ा पीडब्ल्यूडी मार्ग के पुलिया के ऊपर पानी होने से मार्ग अवरूद्ध हो गया है ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए ग्राम पंचायत सरपंच गुणिराम बोहरे सहायक सचिव धनंजय नागवंशी, सचिव मारुति मिसारे, पटवारी संजय सिंह भदौरिया, कोटवार पति नीलकंठ देशाभरतार ,मेट राधेश्याम निखाड़े के द्वारा एसडीएम साहब के निर्देशानुसार पुलिया के दोनो तरफ बास बल्ली से बेरीगेट्स लगा दिया गया और सावधान खतरा का बोर्ड भी लगा दिया गया है साथ ही मुनादी के माध्यम से ग्रामीण जनों को बाढ़ और अधिक वर्षा होने की स्थिति में सावधान रहने तथा आकस्मिक स्थिति में महत्व पूर्ण सामग्री लेकर सुरक्षित स्थान पर जाने संबंधित कर्मचारियों से संपर्क करने सूचित कर दिया गया है। वही लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से आगामी दिनों मे बांधों के गेट खोलने से बाढ़ का खतरा और अधिक बने रहने की संभावना जताई जा रही है। जिसको देखते हुए प्रशासन द्वारा बाढ़ नियंत्रण सहायता कक्ष बनाकर हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं।

समर्थन मूल्य पर मूंग एवं उड़द की खरीदी के लिए गोंगलई मंडी में बनाया गया केंद्र

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शासन के निर्देशों के अनुरूप वर्ष 2025 में ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द की समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए बालाघाट जिले में कृषि उपज मंडी समिति गोंगलई में गोदाम स्तर पर खरीदी केंद्र बनाया गया है। इस केंद्र पर पंजीकृत किसानों से 07 जुलाई से खरीदी प्रारंभ कर दी गई है। समर्थन मूल्य पर ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द की खरीदी 08 अगस्त 2025 तक की जाएगी। शासन द्वारा अच्छी गुणवत्ता की ग्रीष्मकालीन मूंग का समर्थन मूल्य 8682 रुपये प्रति क्विंटल तथा उड़द का मूल्य 7400 रुपये प्रति क्विंटल रखा गया है। जिले के पंजीकृत किसान इस केंद्र पर ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द का विक्रय कर समर्थन मूल्य का लाभ ले सकते है। खरीदी के दौरान किसानों को अपनी समग्र आईडी, आधार नम्बर, बैंक खाता, मोबाईल नम्बर की जानकारी देना होगा। गोंगलई केंद्र में समर्थन मूल्य पर मूंग एवं उड़द के उपार्जन के लिए कृषि विस्तार अधिकारी अभिलाष सूर्यवंशी को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

आम सूचना

मेरे पक्षकार अर्चित पिता हितेश अग्रवाल एवं श्रीमती शिल्पा पति हितेश अग्रवाल, निवासी वार्ड नं. 28 बालाघाट, तह. व जिला बालाघाट के द्वारा अब्दुल वासिद कुरैशी पिता स्व. अब्दुल अजीज निवासी वार्ड नं. 06 ग्राम मेहंदीवाडा, तहसील वारासिवनी, जिला बालाघाट के कब्जे व मालकी की जमीन जिसका खसरा नंबर 672/5, 663/32, 660/4, 660/5, 664, 666/5 रकबा 6.23 एकड को क्रय करने का सौदा दिनांक 04.07.2025 को गवाहों के समक्ष कर उसी दिनांक को अनुबंध पत्र निष्पादित किया गया था तथा अनुबंध अनुसार उक्त भूमि को मेरे पक्षकार अर्चित पिता हितेश अग्रवाल एवं श्रीमती शिल्पा पति हितेश अग्रवाल, निवासी वार्ड नं. 28 बालाघाट, तह. व जिला बालाघाट के द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के जरिये पंजीयन किया जाना है। इस संबंध में उपरोक्त वर्णित भूमि के पंजीयन कराने में यदि किसी व्यक्ति का कोई हित, अधिकार अथवा आपत्ति हो, तो वह मुझसे जिला न्यायालय बालाघाट अथवा मेरे निवास वार्ड नं. 26, गली नंबर-6 प्रेम नगर बालाघाट में सात दिनों के भीतर आकर अपनी आपत्ति दस्तावेजों सहित कर सकता है। उक्त सूचना के पाँच दिनों के बाद मेरे पक्षकार उक्त भूमि का पंजीयन अपने पक्ष में करवा लेगें तथा उक्त अवधि के बाद किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नही होगी।

अत: आम सूचना प्रकाशित है।

महेन्द्र देशमुख अधिवक्ता
वार्ड नं. 26, गली नंबर-6 प्रेम नगर
बालाघाट, तह. व जिला बालाघाट
मो.नं.-7974875239, 9406751331

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

लगातार हो रही बारिश से शहर के कई वार्डों में बनी जल भराव की स्थिति

पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने से वार्ड वासियों के घरों में घुसा पानी, वार्ड वासियों ने नपा पर जाहिर की नाराजगी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। लगातार हो रही बारिश ने जिले के अलग-अलग क्षेत्र में अपना खलल उत्पन्न कर दिया है । जिला मुख्यालय की बात करें तो शहर के 33 वार्डों में भी बारिश ने अपना अच्छा खासा प्रभाव दिखाया है, यहां कई वार्डों में पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण शहर के कई वार्डों में जल भराव की स्थिति निर्मित हुई । कई वार्ड वासियों के घरों तक भी पानी घुस चुका है । जबकि देखा जाए तो नगर पालिका द्वारा बरसात के पहले शहरों के बड़े नालों सहित पानी निकासी की व्यवस्था किए जाने की बात कही जा रही थी। किंतु हो रही लगातार बारिश ने नगर पालिका के सारे वादे की पोल खोल कर रख दी। शहर के वार्ड नंबर एक और दो स्थित नाग मंदिर गली में भटेरा रेलवे क्रॉसिंग का नाला बंद होने की वजह से वार्ड में घुटनों तक पानी भर गया । घोड़ा गली स्थित सड़क पर भी सड़कों से पानी बहता दिखाई दिया । शहर के वार्ड नंबर 6 चित्रगुप्त नगर में भी हो रही बारिश से पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने से लोगों के घरों में पानी घुस गया । जबकि कई वार्ड वासी बता रहे की उनके वार्डों में भी पानी निकासी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से वार्डों में पानी भरा है और आवागमन में वार्ड वासियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

आपको बता दे की जुलाई सप्ताह के शुरुआत से ही लगातार बारिश शुरू हो गई है। बारिश होने से जिले के कई क्षेत्रों में बारिश ने अपना कहर दिखाया है। साथ ही नगरीय क्षेत्र में बारिश का अच्छा खासा प्रभाव भी देखने को मिला है। यहां पानी निकासी नहीं होने के कारण वार्ड वासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई निचले क्षेत्रों में जल भराव से आवागमन तक बाधित हो चुका है। ऐसा ही कुछ नजारा 6 और 7 जुलाई की दरमियानी रात से शुरू हुई बारिश से देखने को मिल रहा है जो 6 जुलाई की रात्रि के साथ-साथ 7 जुलाई के दिन भर होती रही । बारिश ने जिला मुख्यालय में अच्छा खासा प्रभाव डाला। यहां कई वार्डों में जल भराव हुआ तो कई क्षेत्रों में कुछ वार्ड वासियों के मकान में भी पानी घुसा है। साथ ही शहर के वार्ड नंबर एक, दो , भटेरा चौकी में नाग मंदिर गली में पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने से घुटनों तक पानी आ गया। जिसके बाद नगर पालिका ने मठ पंप लगाकर यहां पर व्यवस्था बनाई तो वहीं घोड़े वाली गली में भी जल भराव देखने को मिला । हनुमान चौक , वार्ड नंबर 6 ,वार्ड नंबर 11 सहित शहर के कैसे कई निचले वार्डों में जल भराव देखने को मिला । इस जल भराव से वार्ड वासी काफी अधिक परेशान नजर आए तो वहीं रेलवे स्टेशन कॉलोनी में भी जल भराव देखने को मिला और यहां रहने वाले कर्मियों के घरों में भी पानी घुस गया ।

नाग मंदिर गली में भरा घुटनों तक पानी

7 जुलाई को हो रही बारिश से भटेरा चौकी स्थित नाग मंदिर गली में पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण घुटनों तक पानी भर गया। यहां से लोगों को आवागमन करने में काफी दिक्कत होने लगी , लोग घुटनों तक पानी भरा होने के बाद भी अपने वाहनों से निकलते हुए नजर आए । नगर पालिका द्वारा मठ पंप लगाकर यहां का पानी निकाल कर व्यवस्था बनाई गई । पूर्व पार्षद अनिल सोनी द्वारा बताया गया कि बीते दिनों भी यहां बारिश के दौरान जल भराव हुआ था, रेलवे क्रॉसिंग पर बने नाले से पानी निकासी नहीं होने के कारण यहां घुटनों तक पानी भरा है। वह मांग करेंगे की नाले को क्लियर कर पानी निकासी की उचित व्यवस्था की जाए।

वार्ड क्रमांक 10 घोड़ा गली में वर्षों से भरता है पानी

लगातार हो रही बारिश से वार्ड क्रमांक 10 में भी जल भराव के हालात बने। यहां वार्ड वासियों द्वारा बताया गया कि वह बीते कई वर्षों से वार्ड क्रमांक 10 में रह रहे हैं । हर वर्ष यहां जल भराव होता है। उनके घरों के अंदर तक पानी चले जाता है । इस बार भी जल भराव के दौरान उनके घर तक पानी पहुंचा है। हालांकि अभी उनका सामान खराब नहीं हुआ है, किंतु लगातार हो रही बारिश और ऐसे ही हालात रहे तो निश्चित ही उनके घरों तक पानी प्रवेश कर जाएगा। एक वार्ड वासी ने यह भी बताया कि उनके निजी भूमि से नगर पालिका पानी निकाल रही है किंतु यदि इसकी उचित व्यवस्था नहीं की जाती तो वार्ड वासियों को इससे काफी परेशानी होगी।

हनुमान चौक में भी हुआ जल भराव

हनुमान चौक को लेकर प्रशासन सहित नगर पालिका कई बार यहां से पानी निकासी की व्यवस्था को लेकर प्रयास कर रहे हैं। किंतु अभी तक हनुमान चौक में होने वाले जल भराव की समस्या खत्म नहीं हुई है। इस बार भी हुई लगातार बारिश में हनुमान चौक में भी जल भराव की स्थिति निर्मित हुई। हालांकि इस बार माना जा रहा था कि नगर पालिका यहां व्यवस्था बनाएगी और इस बार हनुमान चौक में जल भराव नहीं होगा किंतु पुनः हनुमान चौक में भी जल भराव की स्थिति देखने मिला

रेलवे स्टेशन कॉलोनी में भी भरा पानी

लगातार हो रही बारिश के कारण रेलवे स्टेशन परिसर में रेलवे अधिकारियों के बनाए गए आवास में भी पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण जल भराव के हालात बने। यहां पर कई रेलवे अधिकारियों द्वारा अनौपचारिक चर्चा में बताया गया कि पानी इतना अधिक उनकी कालोनी में भर गया था कि उनके घरों तक पानी पहुंच गया ,हालांकि अभी किसी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ है । किंतु यदि शीघ्र यहां व्यवस्था नहीं बनाई गई तो उनके घरों के अंदर तक भी पानी प्रवेश कर जाएगा।

चित्रगुप्त नगर में भी हुआ जल भराव

वार्ड क्रमांक 6 चित्रगुप्त नगर में भी जल भराव की समस्या देखने को मिली । यहां पर पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण सड़कों से पानी बहता हुआ नजर आया। कई वार्ड वासियों के घरों में भी यहां पानी प्रवेश कर गया। आक्रोशित वार्ड वासियों ने बताया कि नगर पालिका द्वारा पर्याप्त व्यवस्था नहीं किए जाने के कारण आज उनके घरों में पानी भर रहा है। जबकि उन्होंने बारिश के पहले ही नगर पालिका को पानी निकासी की व्यवस्था बनाए जाने को लेकर बात कही थी। किंतु किसी ने भी उनकी समस्या पर ध्यान नहीं दिया ।

बगदरा आयुष्मान आरोग्य उपस्वास्थ्य केंद्र हॉस्पिटल में भरा पानी

महिला स्वास्थ्य कर्मी को एसडीआरएफ और होमगार्ड की टीम ने किया रेस्क्यू , सुरक्षित निकाला गया बहार

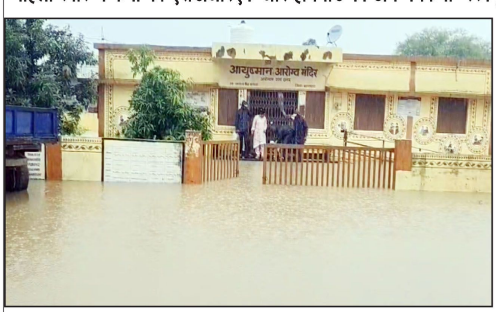

लगातार बारिश होने से आयुष्मान आरोग्य उपस्वास्थ्य केंद्र बगदरा में पानी घुस गया। जहां एसडीआरएफ एवं होमगार्ड की संयुक्त टीम ने आयुष्मान आरोग्य उपस्वास्थ्य केंद्र बगदरा की स्वास्थ्यकर्मी का रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया । उपस्वास्थ्य केंद्र की कर्मचारी ने बताया कि लगातार बारिश होने की वजह से आरोग्य उपस्वास्थ्य केंद्र में बाढ़ जैसे हालात बन गए थे। जिसकी सूचना उन्होंने 181 पर दिया और उन्हें एसडीआरएफ और होमगार्ड की टीम ने रेस्क्यू कर बाहर निकाल दिया हैं । आपको बता दे की लगातार हो रही बारिश के कारण जिले के अलग-अलग क्षेत्र में बाढ़ जैसे हालात बन रहे हैं । कई गांव एवं शहरों के निचले क्षेत्रों में पानी भी भर रहा है । ऐसे में एसडीआरएफ और होमगार्ड की टीम भी सूचना मिलते ही रेस्क्यू कर रही है । जिला मुख्यालय से लगे ग्राम बगदरा के आयुष्मान आरोग्य उपस्वास्थ्य केंद्र के हॉस्पिटल में तीन से चार फीट पानी भरने पर यहां की महिला कर्मी ने केंद्र में पानी भरने की शिकायत 181 पर की थी । जिसके बाद एसडीआरएफ और होमगार्ड की संयुक्त टीम ने बगदरा आरोग्य उपस्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर महिला कर्मी का रेस्क्यू करते हुए, उन्हें सुरक्षित उनके घर भरवेली पहुंचा दिया है । जिसमें एएनएम महिला कर्मी डोंगरे ने बताया कि उनके केंद्र में पानी भरने के बाद वह घबरा गई थी। इसके बाद उन्होंने तुरंत ही 181 पर शिकायत की और उन्हें तुरंत ही सहायता मिली । जिसके बाद उन्हें सुरक्षित उनके घर भरवेली पहुंचा दिया गया है। इस रेस्क्यू टीम में एसडीआरएफ और होमगार्ड से प्रभारी श्याम सिंह धुर्वे प्लाटून कमांडर होमगार्ड एवं सैनिक विशेष ,आशीष खारोल ,विशाल रजक ,कमलेश मरावी , हीरालाल टेकाम , वाहन चालक देवेंद्र गेडाम उपस्थित रहे।

पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने पर वार्ड वासियों ने किया सड़क पर चक्का जाम, वार्ड क्रमांक 4 कन्हारटोला का मामला

वार्ड क्रमांक 4 कन्हारटोला के वार्ड वासियों ने पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण अचानक बैहर बालाघाट मार्ग को बंद कर दिया। पानी निकासी की व्यवस्था बनाए जाने की मांग की जाने लगी। चक्का जाम की स्थिति निर्मित होते ही एसडीएम बालाघाट गोपाल सोनी और नगर पालिका का अमला चक्का जाम स्थल पहुंचा और तुरंत जेसीबी के माध्यम से पानी निकासी की व्यवस्था बनाई गई। आपको बता दे की लगातार हो रही बारिश से वार्डों में पानी घुस रहा है। तो वही वार्ड वासियों के घरों तक पानी चले जाने से, अब वार्ड वासियों का आक्रोश भी नगर पालिका के प्रति बढ़ता जा रहा है। वार्ड वासियों का कहना है कि नगर पालिका द्वारा समय पर पानी निकासी की व्यवस्था बना दी जाती तो आज वार्डों में जल भराव की स्थिति नहीं होती। इन सब विषय को लेकर वार्ड क्रमांक 4 कन्हारटोला के वार्ड वासियों ने बैहर रोड कब्रिस्तान के आगे अचानक से पानी निकासी की व्यवस्था बनाए जाने को लेकर चक्का जाम कर दिया। चक्का जाम की जानकारी लगते ही नगर पालिका का अमला और बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी घटना स्थल पर पहुंचे और तुरंत ही वार्ड वासियों की मांग के अनुसार वार्डों से निकल रहे पानी की निकासी की व्यवस्था बनाई गई। जेसीबी से नाले का चौड़ीकरण किया गया। यह प्रदर्शन लगभग आधा घंटे तक रहा ,उसके बाद प्रशासन की समझाइश पर वार्ड वासियों ने रास्ते को खोल दिया।

लगातार हो रही बारिश से वैनगंगा नदी का बढ़ा जलस्तर

बालाघाट, मण्डला और सिवनी में लगातार हो रही झमाझम बारिश के बाद अब बालाघाट वैनगंगा नदी का जलस्तर बढ़ने लगा है। जहां अभी 2 से 3 दिन पहले ही सिवनी में हुई झमाझम बारिश के बाद बालाघाट वैनगंगा नदी का जलस्तर बढ़ गया था । 6 और 7 जुलाई से हो रही बारिश के बाद एक बार फिर बालाघाट वैनगंगा नदी का जलस्तर बढ़ गया है। आपको बता दे कि जुलाई सप्ताह की शुरुआत से ही जिले में लगातार बारिश का दौर शुरू हो गया है। इसके बाद से नदी ,नाले धीरे-धीरे ऊफान पर आना शुरू हो गए हैं। उसके बाद में फिर एक बार 7 जुलाई को वैनगंगा नदी का जलस्तर बढ़ गया। जिसे देखने के लिए देर शाम स्थानीय वैनगंगा नदी के बड़े पुल पर लोगों का जमावड़ा देखने मिला तो वहीं कुछ लोग वैनगंगा नदी के बढ़े जलस्तर को देखने के लिए वैनगंगा नदी के किनारे पहुंचे और इस पूरे नजारे को अपने मोबाइल में कैद करते हुये दिखाई दिये , कुछ वरिष्ठों ने तो वैनगंगा नदी पर सुरक्षा के इंतजाम किए जाने की बाद भी कही है।

घर में घुसकर महिला से बलात्कार

वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने का आरोप

आरोपी युवक संतोष पटले गिरफ्तार-न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया जेल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । मलाजखंड थाना क्षेत्र में रहने वाली एक 25 वर्षीय महिला ने अपने ही गांव के एक युवक के विरुद्ध घर में घुसकर जबरदस्ती बलात्कार करने और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाई । इस महिला द्वारा की गई रिपोर्ट मलाजखंड पुलिस ने संतोष पिता शिवलाल पटले 36 वर्ष को गिरफ्तार कर लिये। जिसे न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भिजवा दिया गया है। ज्ञात हो कि 25 दिसंबर 2024 को इस महिला का पति ड्यूटी चला गया था और उसका ससुर गांव चला गया था । यह महिला अपने घर में बच्चों के साथ थी। रात्रि 8:00 बजे बच्चे सो गए थे तब संतोष पटले इस महिला के घर पानी पीने के बहाने आया और इस महिला को कमरे में ले जाकर उसके साथ जबरदस्ती बलात्कार किया और वीडियो बना लिया। विरोध करने पर संतोष पटले ने इस महिला को वीडियो वायरल करने की धमकी देने लगा। उसके बाद संतोष पटले इस महिला को वीडियो दिखा कर डरा धमकाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने लगा था। डर के कारण यह महिला किसी को संतोष पटले द्वारा किये जा रहे देहशोषण के सम्बंध में बता नहीं सकी और यह महिला संतोष पटले द्वारा किए जा रहे शोषण को सहती रही। संतोष पटले ने इस महिला को अपने पति को छोड़कर कोर्टअपने साथ मैरिज करने दबाव देने लगा था। 30 मई की रात्रि में दरवाजा नही खोलने पर संतोष पटेल ने इस महिला को बहुत परेशान किया। 31 मई को संतोष पटले इस महिला को बार-बार फोन करके परेशान करने लगा था। तब इस महिला ने अपने पति और भाई को घटना के सम्बंध में बताई। महिला के पति ने संतोष पटले को घर बुलाकर काफी समझाया। किंतु वह नहीं समझा।आखिर इस महिला ने संतोष पटले के कृत्य से परेशान होकर मलाजखंड पुलिस थाना की शरण ली। मलाजखंड पुलिस ने इस महिला द्वारा की गई रिपोर्ट पर संतोष पटले के विरुद्ध धारा 66(ई),332(3)64(2)(एम) भारती न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है। अपराध दर्ज होने के बाद संतोष पटले फरार हो गया था।हाल ही में सूचना मिली कि संतोष पटले घर मे है। तब मलाजखंड पुलिस ने संतोष पटले को उसके घर से गिरफ्तार करके बैहर की अदालत में पेश कर दिए जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भिजवा दिये।

जिले में बारिश का कहर, स्कूली विद्यार्थियों के लिए दो दिनो का अवकाश घोषित, जिले में पुलो में बढ़ा पानी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । जिले में जून सप्ताह के अंतिम और जुलाई में पूरे दिन लगातार हो रही बारिश से जिले में बारिश का कहर बरप रहा है, जहां गत दिवस एक शिक्षक की नाले में बहने से मौत की घटना हो चुकी है, वहीं रविवार की रात्रि और सोमवार से लगातार हो रही बारिश के चलते शहरी क्षेत्र से अलावा ग्रामीण क्षेत्रो के नालो से ऊपर पानी बह रहा है, जिससे क्षेत्र में ग्राम कोटवारो को तैनात कर नजर रखी जा रही है। कृषि विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक धर्मेन्द्र अगासे ने मौसम पूर्वानुमान के अनुसार जिले में 07 जुलाई को भारी वर्षा की संभावना जताई है। बीते 24 घंटे में लगभग तीन इंच, 84 मिलीमीटर वर्षा हो गई है। वहीं जिले 7 जुलाई तक, 300 मिलीमीटर औसत वर्षा हो चुकी है। जिले में भारी वर्षा के कारण विद्यार्थियों की सुरक्षा को देखते हुए 7 एवं 8 जुलाई को सभी शासकीय, अशासकीय, अनुदान प्राप्त, सीबीएसई, केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए अवकाश घोषित किया जाता है। जिले में रविवार की रात से हो रही लगातार बारिश के चलते, अतिवर्षा से लांजी के शांतीबाई का मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया है। बात करें बिरसा तहसील की तो यहां ग्राम जानपुर से करहू मार्ग हो गया है, इन मार्गो को जोड़ने वाले पुल पर पानी है। इसी तरह से ग्राम भण्डारपुर से चारटोला मार्ग भी बंद हो गया है, यहां भी पुल पर पानी भरा है। ग्राम पल्हेरा से कटंगी मार्ग बंद हो गया है। यहां के पुल से भी पानी बह रहा है। इसी तरह ग्राम हर्राभाट से जैरासी मार्ग भी बंद हो गया है, यहां भी पुल पर पानी है। ग्राम रमगढ़ी से बीजाटोला मार्ग पर पड़ने वाले पुल पर पानी होने से यह मार्ग भी आवागमन की दृष्टि से बंद हो गया है। जिससे ग्रामीण क्षेत्रो में मुख्यालय और गांवो के बीच संपर्क पूरी तरह से टूट गया है। परसवाड़ा क्षेत्र के डोरा से चिंखलाझोडी सड़क नाहरा नाला के ऊपर से 3 फिट पानी जा रहा है। बासी से आमवाही के पुल के ऊपर से 4 फिट पानी बह रहा है।

24 घंटे में यहां गिरा इतना पानी

भू-अभिलेख से मिली जानकारी अनुसार 24 घंटे के दौरान बालाघाट तहसील में 145 मिलीमीटर, वारासिवनी में 155 मिलीमीटर, बैहर में 87 मिलीमीटर, लांजी में 20 मिलीमीटर, कटंगी में 27 मिलीमीटर, किरनापुर में 112 मिलीमीटर, खैरलांजी में 48

मिलीमीटर, लालबर्रा में 107 मिलीमीटर, बिरसा में 87 मिलीमीटर, परसवा?ा में 85 मिलीमीटर एवं तिरोड़ी तहसील में 52 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है। जिसमें सबसे अधिक 155 मिलीमीटर वर्षा वारासिवनी तहसील में रिकॉर्ड की गई है।

जिले में सबसे ज्यादा बालाघाट में हुई बारिश

चालू वर्ष सत्र में 01 जून से 07 जुलाई तक बालाघाट तहसील में 484 मिलीमीटर, वारासिवनी में 400 मिलीमीटर, बैहर में 407 मिलीमीटर, लांजी में 145 मिलीमीटर, कटंगी में 96 मिलीमीटर, किरनापुर में 388 मिलीमीटर, खैरलांजी में 112 मिलीमीटर, लालबर्रा में 379 मिलीमीटर, बिरसा में 361 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 388 मिलीमीटर तथा तिरोड़ी तहसील में 143 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है । इस प्रकार जिले में चालू वर्षा सत्र में अब तक कुल 300 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। चालू वर्ष सत्र में जिले में सबसे अधिक 484 मिलीमीटर वर्षा बालाघाट तहसील में और सबसे कम 96 मिलीमीटर वर्षा कटंगी तहसील में रिकॉर्ड की गई है।

भारी वर्षा के कारण कलेक्टर ने स्कूलों के लिए 02 दिन का अवकाश घोषित किया

जिले में हो रही भारी वर्षा के कारण विद्यार्थियों की सुरक्षा को देखते हुए कलेक्टर मृणाल मीणा ने दिनांक 07 एवं 08 जुलाई को जिले के सभी शासकीय, अशासकीय, अनुदान प्राप्त, सीबीएसई, केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए अवकाश घोषित किया है। यह अवकाश केवल विद्यार्थियों के लिए है, शिक्षक एवं कर्मचारीगण विद्यालय में उपस्थित रहेंगे।

एक 17 वर्षीय लड़की सहित चार लोगों को सांप ने काटा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । जिले के अलग-अलग क्षेत्र में सर्पदंश से पीड़ित एक लड़की सहित चार लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया।जिनमे सविता पिता धीर सिंह पन्द्रे 17 वर्ष ग्राम डोंगरगांव थाना वारासिवनी, लोकेश पिता डोलीराम चौड़े 35 वर्ष ग्राम बिरसोला थाना लालबर्रा, पंकज पिता अमरलाल पटले 29 वर्ष ग्राम परासपानी थाना हट्टा और मुकेश पिता दुर्जन लाल टेम्भरे 37 वर्ष ग्राम ओरमा थाना ग्रामीण नवेगांव निवासी का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सविता ने कक्षा 12वीं तक पढ़ाई की है। 6 जुलाई को सविता अपनी बड़ी मां लक्ष्मी पन्द्रे के साथ ग्राम मंगेझरी के एक किसान के खेत में परहा लगाने गई थी। 1:30 बजे करीब जब सविता खेत में परहा लगा रही थी तभी उसके दाहिने हाथ के अंगूठे में किसी सांप ने काट दिया। सांप के काटने के संबंध में सविता ने अपनी बड़ी माँ लक्ष्मी पन्द्रे को बताई ।जिसके बाद खेत के मालिक ने सविता को मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया। 7 जुलाई को 3:00 बजे मुकेश टेम्भरे ग्राम ओरमा निवासी अपने खेत गया था ।उसी समय उसके दाहिने पैर के पंजे में किसी सांप ने काट दिया। जिसके बाद मुकेश टेम्भरे अपने घर वापस लौटा। जिसे उसके भाई धनराज टेम्भरे ने मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया। 6 जुलाई की शाम 6-30 बजे लोकेश चौड़े ग्राम बिरसोला निवासी अपने खेत में काम कर रहा था। तभी उसके दाहिने हाथ की छोटी अंगुली में सांप ने काट दिया। सांप के काटने के बाद लोकेश चौड़े को हाथ में तेज दर्द और खून निकलने लगा था। जिसे उसके पड़ोसी कमलेश बंधे ने मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया। पंकज पटले ग्राम परासपानी निवासी खेती किसानी करते हैं। 6 जुलाई को दोपहर करीब 3:00 बजे पंकज पटले अपने खेत जाकर खांड बांध रहा था। खांड बांधते समय अचानक पंकज पटले के दाहिने हाथ की कलाई में किसी सांप ने काट दिया। जिसने घर आकर अपने पिता अमरलाल को बताया। तब पंकज को उसके पिता अमरलाल पटले ने मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया।

प्रशासन की उदासीनता के चलते फिर बंद हो सकता हैं लालबर्रा से बोरी पहुंच मार्ग

धीरे धीरे धसक रही मिट्टी, अनवरत बारिश से पुल के बहने की बनी संभावना, जिम्मेदार मौन, जिला पंचायत सभापति डुलेंद्र ठाकरे और कुछ सरपंचों के जनसहयोग से किया गया था मरम्मत कार्य

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के तहसील कार्यालय के समीप से होकर गुजरे लालबर्रा से बोरी पहुंच मार्ग पर सर्राटी नदी में बना पुल दो वर्ष पूर्व तेज बारिश एवं नदी में बाढ़ आने से पुल बहने के साथ ही क्षतिग्रस्त हो चुका है। जिसके कारण आवागमन पुरी तरह से बंद हो गया था। ऐसी स्थिति में दर्जनों ग्रामों के ग्रामीणजनों, स्कूली ब%चों व राहगीरों को आने-जाने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। साथ ही कुछ लोग जान जोखिम में डालकर नदी के अंदर से आना-जाना कर रहे थे। वहीं पुल क्षतिग्रस्त होने से आने-जाने में हो रही परेशानियों से राहगीर व ग्रामीणों के द्वारा अनेक बार शासन-प्रशासन को अवगत भी करवाया गया लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा था। जिसके बाद जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे के द्वारा विगत 6 माह पूर्व वैकल्पिक व्यवस्था के लिए क्षेत्र के कुछ सरपंचों की मदद से जनसहयोग से क्षतिग्रस्त पुल के दोनों साईड से मिट्टी डलवाकर मरम्मत कार्य करवाया गया था। जिसके बाद से इस क्षतिग्रस्त पुल से आवागमन शुरू हो गया था एवं क्षेत्रीयजन आवागमन भी कर रहे है। लेकिन गत दिवस से रूक-रूक कर हो रही बारिश के कारण सर्राटी नदी में जल का स्तर बढने लगा है। जिसके चलते धीरे-धीरे मिट्टी बहने के साथ ही वह धसकने लगी है। इस बार तेज बारिश के साथ ही बाढ़ आती है तो पुल का जो हिस्सा सुरक्षित बचा हुआ है वह भी ढहने के साथ ही पानी के साथ बह सकता है जिससे शासन-प्रशासन को लाखों रूपयों का नुकसान हो सकता है। साथ ही क्षतिग्रस्त पुल से कोई आवागमन करता है तो बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। लेकिन पुल क्षतिग्रस्त हुए दो वर्ष बीत जाने के बाद भी प्रशासन के द्वारा निर्माण कार्य या फिर गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कार्य नही करवाया गया है। इस तरह से प्रशासन की उदासीनता के चलते जल्द लालबर्रा से बोरी पहुंच मार्ग पूरी से बंद हो जायेगा। क्षेत्रीयजनों ने शासन-प्रशासन से क्षतिग्रस्त पुल के दोनों छोर में जल्द पक्का मरम्मत या फिर नवीन पुल का निर्माण करवाने की मांग की है।

दो वर्ष बीत जाने के बाद भी सर्राटी नदी पर बने क्षतिग्रस्त पुल का नही हुआ निर्माण कार्य, लोगों में आक्रोश व्याप्त

शासन-प्रशासन की सुस्त कार्यप्रणाली के चलते अब तक नहीं हो पाया नवीन पुल का निर्माण

आपकों दे कि लालबर्रा से बोरी पहुंच मार्ग स्थित सर्राटी नदी पर विगत वर्ष पूर्व मंडी निधि बोर्ड से लाखों रूपयों की लागत से पुल का निर्माण किया गया था परन्तु यह निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण पुल क्षतिग्रस्त हो गया है और पुल क्षतिग्रस्त हुए दो साल से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी अब तक पुल का निर्माण या फिर मरम्मत कार्य नही करवाया गया है जिससे सभी में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। वहीं पुल क्षतिग्रस्त होने से आने-जाने वालों को हो रही परेशानियों को देखते हुए जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे एवं क्षेत्र के कुछ सरपंचों के जनसहयोग से वैकल्पिक व्यवस्था हेतु क्षतिग्रस्त स्थान पर मिट्टी व मुरूम डालकर मरम्मत कार्य करवाया गया था और शासन-प्रशासन से बरसात के पूर्व पक्का मरम्मत या नवीन पुल का निर्माण करवाने की मांग की गई थी। लेकिन प्रशासन के द्वारा किसी प्रकार का कोई काम नही किया गया है और क्षेत्रीयजनों की समस्या को नजर अंदाज कर लापरवाही बरत रहा है जिसका खामियाजा दर्जनों ग्रामों के ग्रामीणजन, स्कूल के छात्र-छात्राओं व राहगीरों को भुगतना पड़ेगा। इस तरह से शासन-प्रशासन की सुस्त कार्यप्रणाली के चलते इस वर्ष भी नवीन पुल का निर्माण या मरम्मत कार्य होता नहीं दिखाई पड़ रहा है। वहीं सर्राटी नदी के ऊपर बने पुल का क्षतिग्रस्त हिस्सा बह जाता है तो लालबर्रा से बोरी पहुंच मार्ग का संपर्क टूट जायेगा और अधिक दुरी तय कर लोगों को लालबर्रा मुख्यालय पहुंचना पड़ेगा।

स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों को होगी सबसे अधिक परेशानी

लालबर्रा से बोरी पहुंच मार्ग सर्राटी नदी पर बने पुल से दर्जनों ग्रामों के ग्रामीणजन आवागमन करते है और यह मार्ग नगर मुख्यालय से जुड़ा हुआ है। जिसका उपयोग ग्रामीणजनों के साथ ही स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों के द्वारा किया जाता है। जिनके द्वारा ट्राफिक से भरे हाईवे मार्ग को छोड़कर इस मार्ग का उपयोग किया जाता है। साथ ही इस मार्ग से छोटे-बड़े बच्चें आसानी से आवागमन कर लेते है। लेकिन इस बरसात में उनका यह सुविधाजनक मार्ग बंद होता दिखाई दे रहा है। शासन प्रशासन की लापरवाही के कारण ऐसी स्थिति में स्कूल व कालेज में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को मरम्मत वाले स्थान से पुल बह जाने पर हाईवे मार्ग से अधिक दूरी तय करते हुए अपने स्कूल-कॉलेज की ओर जाना पड़ेगा। जिससे उन्हे परेशानियों का सामना करना. पड़ेगा।

बड़े वाहनों पर लगे रोक, बेरीकेट लगाये प्रशासन

लालबर्रा से बोरी पहुंच मार्ग सर्राटी नदी पर बना पुल दो छोर से क्षतिग्रस्त हो चुका है। जिसका विगत माह पूर्व कच्चा मरम्मत कार्य करवाया गया था। लेकिन गत दिवस से हो रही अनवरत बारिश के चलते मिट्टी धीरे-धीरे बहने के साथ ही धसकने लगा है। उसके बाद भी उक्त स्थान से चौपहिया वाहन गुजर रहे है। साथ ही सर्राटी में पानी बह रहा है। इस दौरान अगर वाहन अनियंत्रित होता है तो बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है इसलिए प्रशासन को इस मार्ग से बड़े वाहनों के आवागमन में प्रतिबंध एवं सुरक्षा की दृष्टि से बेरीकेट लगाना चाहिए।

पुल बह जाने से अधिक दुरी तय करना पड़ेगा - विजय

विजय धुर्वे ने बताया कि लालबर्रा से बोरी पहुंच मार्ग सर्राटी नदी पर बना पुल दो वर्ष पूर्व क्षतिग्रस्त हो चुका है। जिससे आवागमन बंद हो गया था जिससे सभी को परेशानियों हो रही थी। जिसके बाद वैकल्पिक व्यवस्था के लिए कच्चा मरम्मत कार्य करवाया गया था। लेकिन बारिश होने के कारण मिट्टी धीरे-धीरे धसकने लगी है, अगर पुल बह जाता है तो अधिक दुरी तय कर लालबर्रा मुख्यालय जाना पड़ेगा। जिससे सबसे अधिक परेशानी स्कूल व कालेज पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को होगी।

आवागमन में होगी परेशानी - मनीष

मनीष (गोलू) ब्रम्हे ने बताया कि पुल क्षतिग्रस्त हुए दो वर्ष हो गये है जिसका अब तक पक्का मरम्मत या फिर नवीन पुल का निर्माण कार्य नही करवाया गया है। क्षतिग्रस्त पुल के कारण आने-जाने में हो रही परेशानियों को देखते हुए जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे के द्वारा 6 माह पूर्व वैकल्पिक व्यवस्था के तहत मरम्मत कार्य करवाया गया था। जिसके बाद से इस मार्ग से आवागमन शुरू हो गया था। लेकिन गत दिवस से हो रही बारिश के कारण जिस स्थान से मिट्टी डालकर मरम्मत करवाया गया था वह की मिट्टी बहने लगी है, नदी में बाढ़ आने पर वह बह जायेगी जिससे आवागमन पुरी तरह से बंद हो सकता है। श्री ब्रम्हे ने बताया कि प्रशासन की उदासीनता के चलते अब तक पुल का निर्माण नही हो पाया है जिससे सभी में आक्रोश व्याप्त है।

पक्का मरम्मत कार्य जल्द नही हुआ तो ढह जायेगा पुल - रवि

रवि गोले ने बताया कि लालबर्रा से बोरी पहुंच मार्ग सर्राटी नदी पर बने पुल के ऊपर से दर्जनों ग्रामों के ग्रामीणजन, पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राएं आवागमन करते है। लेकिन क्षतिग्रस्त पुल का अब तक पक्का मरम्मत कार्य नही करवाया गया है और पूर्व में जिला पंचायत सभापति के द्वारा मरम्मत कार्य करवाया गया था एवं प्रशासन से बरसात के पहले पक्का मरम्मत कार्य करवाने की मांग की गई थी लेकिन अब तक किसी प्रकार का कोई काम नही किया गया है। जिसके कारण गत दिवस से हो रही बारिश के कारण मिट्टी की धीरे-धीरे कटाव होने लगा है। श्री गोले ने बताया कि जल्द पक्का मरम्मत कार्य नही करवाया गया तो बना पुल ढह जायेगा, जिससे शासन को लाखों रूपये का नुकसान हो सकता है।

इनका कहना है-

लालबर्रा से बोरी पहुंच मार्ग सर्राटी नदी पर बने पुल का निर्माण मंडी निधि से करवाया गया है। जिसके मरम्मत कार्य के लिए राशि की मांग की गई है, राशि आने के बाद क्षतिग्रस्त पुल का मरम्मत कार्य जल्द करवा दिया जायेगा।

माया परते

बीएमओ डॉ. रितु धुर्वे ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मोहगांव ध. एवं खारी का किया निरीक्षण

वर्षाकाल में स्वास्थ्य कर्मचारियों को स्वास्थ्य सेवाओं में गंभीरता से काम करने के दिये निर्देश

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मोहगांव ध. एवं खारी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का सोमवार को लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की बीएमओं डॉ. रितु धर्वे के द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होने दोनों प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचकर वह की व्यवस्था का निरीक्षण कर चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए वर्षाकाल में स्वास्थ्य सेवाओं में गंभीरता से काम करने, हर समय सजक एवं तैयार रहने निर्देशित किया। साथ ही कर्मचारियों को समय पर स्वास्थ्य केन्द्र खोलकर क्षेत्रीयजनों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने की बात कही है। ताकि वर्षाकाल में ग्रामीणजनों को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए परेशान न होना पड़े और अपने कर्तव्यों का सही ढंग से पालन कर लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाये। आपकों बता दे कि क्षेत्रीयजनों को स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर उपलब्ध करवाने के लिए शासन के द्वारा नगर मुख्यालय में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक व उपास्थ्य केन्द्र बनाये गये है ताकि किसी की तबियत खराब होने पर उनका उपचार हो सके। वहीं वर्षा ऋतु प्रारंभ हो चुका है और इस दौरान बारिश होने पर लोग भींग जाते है जिससे उनकी तबियत खराब हो जाती है। साथ ही अन्य बीमारी होने की संभावना बनी रहती है इसलिए ग्रामीणजनों को गांव में ही बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सके। लेकिन समय पर प्राथमिक एवं उपस्वास्थ्य केन्द्र नही खुलने एवं चिकित्सक उपस्थित नही रहने पर उपचार करने पहुंचने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए सोमवार को बीएमओं डॉ. रितु धुर्वे के द्वारा लालबर्रा क्षेत्र के दो प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मोहगांव ध. एवं खारी का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्यकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए वर्षाकाल प्रारंभ हो चुका है, लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने, समय पर केन्द्र खोलने, नियमित रूप से केन्द्र में उपस्थित रहने और अपने कर्तव्यों का निर्वहन अच्छे से करने निर्देशित किया गया।

बालाजी नगर में पानी निकासी नही होने से जमा हुआ पानी, निवासरत लोग परेशान

पक्की नाली एवं सड़क का निर्माण करवाने की शासन-प्रशासन से की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में गत दो दिनों से रूक-रूक कर बारिश हो रही हैं। जिसके कारण निचले स्तरों में पानी जमा हो जाने एवं पानी की निकासी नही होने से निवासरत लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी तरह नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली के वार्ड नं. 20 बालाजी नगर में कालोनाईजर के द्वारा पानी निकासी की व्यवस्था नही की गई है। जिसके कारण दो दिनों से रूक-रूक हो रही बारिश के कारण जल भराव की स्थिति निर्मित हो गई है। ऐसी स्थिति में कुछ लोगों के मकान के आसपास पानी जमा होने एवं सड़क के ऊपर से पानी बहने के कारण निवासरत लोगों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। निवासरत लोगों ने प्रशासन से पानी निकासी की व्यवस्था बनाने की मांग की है। आपको बता दें कि नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली के वार्ड नंबर 20 बालाजी नगर (शर्मा कॉलोनी) में कॉलोनाइजरों के द्वारा बिना किसी मूलभूत सुविधा जैसे नाली, बिजली, पानी, सड़क सहित अन्य सुविधा करवाये जाने की बात कहकर लोगों को प्लाट बेचे गये और उनकी बातों में आकर लोगों ने प्लॉट (भूमि) खरीद कर मकान का निर्माण कर निवास कर रहे है। लेकिन नाली, सड़क नही होने के कारण निवासरत लोगों को बरसात के दिनों में खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं बालाजी नगर में जिन लोग निवास कर रहे है उन्होने अब तक अमोली पंचायत में अपना नाम नही जुड़वाये है, ना ही कालोनाईजर के द्वारा कालोनी को शासन के नाम रजिस्ट्री करवाई है। जिसके कारण पंचायत उक्त स्थान पर कोई काम नही करवा पा रही है। वहीं पंचायत के जिम्मेदारों का कहना है कि बालाजी नगर में निवास करने लोग लोग अमोली पंचायत में नाम जुड़वाये एवं कालोनी को पंचायत के नाम रजिस्ट्री करवाये ताकि पंचायत नाली, सड़क सहित अन्य विकास कार्य कर सके। वहीं जिसके द्वारा प्लाटिंग की गई है उसके द्वारा भी बालाजी नगर में सड़क एवं पानी निकासी के लिए पक्की नाली का निर्माण नही करवाया गया है जिसके कारण तेज बारिश होने पर जल भराव की स्थिति निर्मित हो रही है, जिसके कारण निवासरत लोग परेशान हैं। बालाजी नगर वार्ड नं. 20 अमोली में निवासरत लोगों ने शासन-प्रशासन से पानी निकासी के लिए पक्की नाली एवं सड़क का निर्माण करवाने की मांग की है।

महाविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार 7 जुलाई को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के गुणवत्ता अधिदेश के दिशा-निर्देशों एवं नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं दीक्षारंभ सहप्रेरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात नव प्रवेशित विद्यार्थियों का तिलकवंदन कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत ने अपने उद्बोधन ने नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय का संपूर्ण परिचय, म.प्र. उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक संस्थान के लिए विजन-मिशन, शासन द्वारा छात्र-छात्राओं की विभिन्न योजनाओं, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में महाविद्यालय के लक्ष्य एवं महाविद्यालय के परिवेश से परिचित करवाया गया। महाविद्यालय के जनभागीदारी के समिति के सदस्य सरोवर टेंभरे ने अपने उद्बोधन में महाविद्यालय के गरिमामयी इतिहास के बारे में जानकारी प्रदान की। जनभागीदारी समिति के सदस्य व महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्र प्रकाश राहंगडाले ने महाविद्यालय की शिक्षण व्यवस्था के बारे में जानकारी प्रदान की। महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक सुमन बरवा ने विद्यार्थियों को जीवन के आध्यात्मिक पक्षों से अवगत करवाया। डॉ. संगीता मेश्राम ने अपनी व्याख्यान में एनईपी 2020 के अनुसार शैक्षणिक संरचना और परीक्षा प्रणाली का परिचय दिया। डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे ने राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में जानकारी प्रदान की। डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम ने विद्यार्थियों को डिग्री विथ रिसर्च व भोज मुक्त विश्वविद्यालय के बारे में विद्यार्थियों को अवगत करवाया। डॉ. देवराज चौरे ने अपने व्याख्यान में छात्रवृत्ति की विभिन्न योजनाएं और प्रवेश संबंधी जानकारी विद्यार्थियों को प्रदान की। नरेश सौलखे ने विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा व स्वामी विवेकानंद कॅरियर गाइडेंस के बारे में अवगत करवाया। महाविद्यालय के क्रीडा अधिकारी डॉ. ऋषिकेष पटेल ने अपने व्याख्यान में उच्च शिक्षा विभाग के वार्षिक खेल गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान की। श्रीमती संध्या भलावे ग्रंथपाल ने पुस्तकालय एवं अपार आई.डी. और स्वयं पोर्टल के द्वारा संचालित कोर्स की जानकारी प्रदान की गई। मनीष शिवहरे ने महाविद्यालय की अधोसंरचना के बारे में जानकारी प्रदान की। डॉ. क्रांति जैन ने विद्यार्थियों को नवीन शिक्षा पध्दति मेजर, माइनर, वोकेशनल विषयों के बारे में बताया। डॉ. आशीष बागड़े ने महाविद्यालय में संचालित ईको क्लब के बारे में जानकारी दी। श्रीमती माधुरी पुसे ने अपने व्याख्यान में बॉटनीकल गार्डन व ग्रीन आडिट से संबंधित जानकारी प्रदान की। संदीप चौरसिया ने विद्यार्थियों को गणित विषय को रोचक बनाने हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिये। वहीं प्रथम दिवस के दीक्षारंभ कार्यक्रम का संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन के द्वारा किया गया। दीक्षारंभ कार्यक्रम को सफल बनाने में पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकट नगपुरे, श्रीमती सरिता एड़े, लकेश गेड़ाम, रामदयाल मथारे, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, कु. सोनम हरिनखेड़े, प्रषिक हुमनेकर, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

आफत की बारिश ने नगर पालिका के विकास कार्यो की खोली पोल

मुसलाधार बारिश से कई जगह जलभराव कुछ वार्डो के बिगड़े हालात

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर सहित क्षेत्र में बीते करीब ३६ घंटे से हो रही लगातार बारिश में आफत की बारिश बन गई। इस बारिश के कारण नगर के विभिन्न स्थान पर जल भराव की स्थिति निर्मित हो गई तो वहीं लोगों के मकानों में पानी घुसने से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो चुका है। इस बारिश में नगर क्षेत्र के ड्रेनेज सिस्टम की सच्चाई को उजागर किया है कि किस प्रकार नगर में पानी निकासी की व्यवस्था स्थानीय निकाय के द्वारा की गई है। इस बारिश में नगर की स्थिति देखकर लोगों में काफी आक्रोश व्याप्त है जिनके द्वारा बेहतर व्यवस्था बनाए जाने की मांग की जा रही है। हालांकि बारिश जारी होने से मौके पर नगर पालिका के माध्यम से तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था कर दी गई है। इस दौरान वार्ड नंबर ५ लालबर्रा रोड़ पर वार्ड वासियों का आक्रोश भी चक्काजाम के रूप में देखने को मिला। जहां करीब एक दर्जन से अधिक मकान में पानी घुस गया और नाली की जगह मकान के अंदर से पानी पीछे की ओर निकलने लगा। इस प्रकार यह बारिश पूरे नगर के लिए आफत की बारिश साबित हुई। जिसमें लोग अपने मकानो से बाहर तक नहीं निकाल पाए इस दौरान नगर वासियों के द्वारा नगर पालिका के माध्यम से व्यवस्था बनाए जाने की मांग की जा रही है।

रानी दुर्गावती नगर जल भराव की चपेट में

नगर के वार्ड नंबर ३ रानी दुर्गावती नगर में जल भराव की स्थिति विकराल रूप में बनी हुई हैं। जहां पर चारों तरफ नाली सड़क खाली स्थान सभी जगह केवल पानी ही अपनी नजर आता रहा कहीं भी जमीन नजर नहीं आई। जहां पर निवासरत लोगों का जीवन बुरी तरह प्रभावित रहा जल भराव की समस्या को देखते हुए लोग घरो से नहीं निकल पाए। तो वहीं यह पानी लोगों के मकान के सामने तक भरा रहा जिसमें करीब ढाई फीट से अधिक पानी पूरे क्षेत्र में भरा हुआ था। जिसने लोगों को अपने घरों से नहीं निकलने दिया तो वहीं नगर पालिका कर्मचारी सोनाली शिबू ,पुलिस विभाग के कर्मचारी रविंद्र हनवत सहित करीब एक दर्जन से अधिक के मकानों में यह पानी अंदर प्रवेश कर गया। जिससे घर में रखी अनाज सहित गृहस्थी की सामग्री बुरी तरह प्रभावित हो गई लोग बाल्टियों से पानी फेंकते नजर आयें। उक्त क्षेत्र पुरा ऊंचाई से देखने पर जल भराव की चपेट में नजर आता रहा जहां सभी रास्तों पर पानी बहता रहा।

लालबर्रा रोड़ पर वार्ड वासियों ने किया चक्का जाम

वारासिवनी लालबर्रा मार्ग उक्त क्षेत्र का निचला स्थान है जहां पर तहसील कार्यालय, कोर्ट, अस्पताल, वन विभाग के तरफ का पानी सीधे आता है। जहां पर पिछले कई वर्षों से जल भराव की स्थिति बनी रहती है । हर बार नगर पालिका के द्वारा सुधार कार्य किया जाता है किंतु स्थिति व्यवस्थावत हो जाती है। इस बार भी पूरे मार्ग में करीब ढाई फीट पानी भरा रहा जो सड़क किनारे निवासरत लोगों के मकान में घुसने लगा। इस दौरान करीब एक दर्जन मकान प्रभावित हुए जिनके घरों में पानी घुस गया। किंतु तिलकांता देशमुख के मकान में सामने के दरवाजे से घर में पानी घुसकर पीछे के दरवाजे से निकलता रहा। जहाँ नाले की तरह घर के अंदर से पानी बहता रहा जिसका कारण बेहतर निकासी नही होना बताया गया। ऐसे में आक्रोशित वार्डवासियों के द्वारा मार्ग पर चक्काजाम कर दिया गया जिससे मार्ग के दोनों छोर पर वाहनों की लंबी कतारे खड़ी हो गई। इसी बीच एसडीओपी वारासिवनी अभिषेक चौधरी और विधायक विवेक पटेल सूचना पर मौके पर पहुंचे जहां उनके द्वारा मौका स्थिति देखकर नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारियों से चर्चा की गई। वहीं समझाइस देकर यह चकाजाम खोला

गया जिसके बाद यातायात व्यवस्था बहाल हुई करीब आधे घंटे तक यह चक्काजाम चला।

इन स्थानों पर भी बना रहा जल भराव

लंबे समय से हो रही बारिश के कारण नगर के कई स्थान प्रभावित हुए। जिसमें वार्ड नंबर ९ मटन मार्केट वाले स्थान में भयंकर जल भराव की स्थिति बनी रही जहां पर आंगनबाड़ी और संजीवनी अस्पताल के आसपास पानी भरा रहा। वहीं नगर के नेहरू चौक से आंबेडकर चौक तक सड़क पर करीब २ फीट से अधिक पानी पूरे मार्ग पर भरा रहा जहां आवागमन कर रहे लोगों को भारी समस्या उठानी पड़ी। इसी के साथ गंगोत्री कॉलोनी के विभिन्न क्षेत्रों में भी जल भराव की स्थिति बनी रही। रेलवे स्टेशन क्षेत्र में जल भरा रहा, इसी प्रकार विभिन्न स्थानों पर यह समस्या सामने आती रही जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

पानी निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है जिससे परेशानी हमें हुई है-तिलकांता देशमुख

वार्डवासी तिलकांता देशमुख ने बताया कि हम वार्ड नंबर ५ के रहने वाले हैं पूरा पानी नाले जैसा हमारे घर के अंदर से बह रहा है। हमारा लोहे का पलंग तक पानी में बह गया यह पानी अंदर से ही पीछे निकल रहा है।

यहां सामने मलमा रखकर नाली को बंद कर दिया गया है ,डिवाइडर तोड़ देने से दूसरे छोर का भी पानी आ रहा है। पूरा घर अस्त.व्यस्त हो गया है सामान नीचे जो रखा था वह सब खराब हो गया है। यहां पर पानी निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है जिससे यह परेशानी हमें हुई है।

नगर पालिका बारिश में सिर्फ झाड़ू पोछा कर देती है बाकी कुछ नही-विकास दलवानी

विकास दलवानी ने बताया कि हम लालबर्रा रोड़ के रहने वाले हैं २० वर्षों से यह क्षेत्र डूबता है हर बार यह समस्या होती है। करीब १५ मकानों में पानी घुस गया है मेरे भी घर में घुसा हुआ है जितना पानी रोड़ पर दिख रहा है उतना लोगों के घरों में है। पानी निकासी के लिए यहां पर एक पुराना नाला था उस पर अटके हुए हैं हुआ कुछ नहीं है। नगर पालिका झाड़ू पोछा कर देती है जब यह नाला खुलेगा तभी समस्या खत्म होगी।

कुछ लोगो ने नाले पर अतिक्रमण कर मकान बना लिया गया जिससे परेशानी है-सोनू जायसवाल

सोनू जायसवाल ने बताया कि भारी बारिश से जल भराव की स्थिति बनी है सालों पहले यहां पर एक नाला था उस पर अतिक्रमण कर मकान बना लिया गया है। बचपन से हम उस नल को देखते आए हैं इसके बाद से यहां जल भराव होता है और अनेको बार नगर पालिका को कहा गया है। अभी तक कुछ नहीं हुआ है वास्तविकता में यहां पर यह है कि पानी बहुत तेज आ रहा है यह डाउन भाग है जिस कारण से जिस गति से पानी आता है उस गति से निकल नहीं पा रहा है जिससे यह स्थिति है।

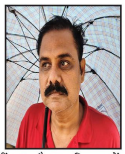

बजट के अभाव में नपा ने नही किया नाली निर्माण कार्य-समीर बिसेन

समीर बिसेन ने बताया कि रानी दुर्गावती में नाली निर्माण कार्य करने के लिए मांग की गई थी जिसमें नगर पालिका ने बजट का अभाव बताया था। इस कारण यहां जल भराव की स्थिति है लोगों के घरों में पानी घुस रहा है सड़के नालियां बन गई है जमीन दिखाई नहीं दे रही है। बहुत खराब स्थिति है यहां सड़कों पर ढाई फीट से अधिक पानी बह रहा है ,बहुत तेज गति में बह रहा है। नगर पालिका संसाधन की कमी बता रहा है बहुत भयावह स्थिति बनी हुई है।

पानी निकासी के लिये कई बार बोला गया परंतु कोई व्यवस्था नही की-द्वारका हनवत

श्रीमती द्वारका हनवत ने बताया कि हम रानी दुर्गावती के रहने वाले हैं हमारे घर में पानी घुस गया है जिससे गृहस्थी और अनाज खराब हो गया है। पूरा घर अब अस्त व्यस्त हो गया है हमारे घर के बाहर घुटने तक पानी है उससे ऊंचा मकान है फिर भी पानी अंदर आ गया। क्योंकि निकासी का कोई रास्ता नहीं है पानी निकासी के लिए जिसको लेकर अनेकों बार हमारे द्वारा कहा गया है। १३ वर्षों से हम यहां पर रह रहे हैं परंतु पहली बार ऐसी स्थिति बनी है कि हमारे घर में पानी घुसा। हम सभी परिवार के लोग सोफे के ऊपर बच्चों के साथ खड़े हैं बाल्टी से पानी बाहर फेंक रहे हैं।

घरो के अंदर पानी घुसने से वार्ड वासियो ने वारासिवनी लालबर्रा मार्ग पर किया चकाजाम

विधायक पटेल और एसडीओपी अभिषेक चौधरी के आश्वासन के बाद खुला मार्ग

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। बीती रात्रि से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से एक ओर जहां किसानों के चेहरे में खुशी की लहर है तो वहीं दूसरी ओर लोगो का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। ग्रामीण क्षेत्रो से शहर को जोड़ने वाले मार्ग पर पड़ने वाले नदी नालो के ऊपर से पानी बह

रहा है,जिससे आवाजाही बंद है । वहीं पुलिस विभाग भी मुस्तैद है और ग्रामीण क्षेत्रो में किसी भी प्रकार से कोई हादसा ना हो अपनी नजर बनाए हूए है। वारासिवनी से डोंगरमाली जाने वाले मार्ग पर पड़ने वाले महाराजपुर नाले के ऊपर से पानी बह रहा है जिससे यह मार्ग पूर्णत:बंद हो गया है। वहीं शहर के विभिन्न वार्डों से मिल रही शिकायत के बाद विधायक विवेक पटेल ने नपा के कर्मचारियों के साथ पहुंचकर वार्डो का निरिक्षण किया। लालबर्रा मार्ग पर बारिश का पानी घरो के अंदर घुसने से नाराज नगर के वार्ड वासियों ने नगर पालिका के खिलाप आक्रोश व्यक्त करते हूए वारासिवनी लालबर्रा मार्ग पर चकाजाम कर दिया। जिससे यह मार्ग लगभग आधे घंटे तक बंद रहा और नगर पालिका के खिलाफ नारे लगाते हूए जल्द निराकरण की बात करते रहे। चकाजाम की जानकारी मिलते ही विधायक विवेक पटेल और एसडीओपी अभिषेक चौधरी मौके पर पहुँचे और वार्ड वासियों से चर्चा कर जल्द निराकरण की बात कहीं जिसके बाद वार्ड वासियो ने मार्ग खोला। विधायक विवेक पटेल ने कहा की वारासिवनी नगर पालिका के वार्ड का क्या हाल है ये जनता खुद बता रही है। पहली ही बारिश के चलते शहर के व्यस्तम लालबर्रा मार्ग सहित शहर के सैकड़ो मकानों के अंदर बारिश का पानी प्रवेश कर चुका है इससे समझ आता है कि नगर के विकास का क्या हाल होगा ।वार्ड वासियों ने नगर पालिका के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करते हूए चकाजाम किया हमारे द्वारा नगर पालिका सीएमओ को मौके पर बुलवाकर तत्काल समाधान किया गया जिससे बाद चकाजाम समाप्त किया गया।

भारी बरसात का प्रकोप क्षेत्र के कई नाले उफान पर

नगर सहित विभिन्न ग्रामों से कई ग्रामों का कटा संपर्क राहगीर परेशान

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र में ६ जुलाई की सुबह से चालू हुआ बारिश का दौर बंद होने का नाम नहीं ले रहा है। जिसके चलते भारी बारिश का प्रकोप क्षेत्र में देखने को मिल रहा है सभी छोटे.बड़े नाले उफान पर चल रहे हैं। जिससे नगर सहित ग्राम मुख्यालय का विभिन्न ग्रामों से संपर्क टुट गया है तो वहीं आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित होता नजर आ रहा है। यह स्थिति क्षेत्र के समस्त मार्ग ऊपर पड़ने वाले विभिन्न नालों पर बनी हुई है। जहां पर अपने ग्राम पहुंचने के लिए लोगों को काफी संघर्ष करना पड़ रहा है। तो उनके सामने भीषण समस्या बनी हुई है जिससे वह परेशान नजर आ रहे हैं। ऐसे में लोगों को लंबी दूरी का मार्ग लेकर अपने ग्राम के लिए आना आवागमन करना पड़ रहा है। इसी कड़ी में वारासिवनी से लालबर्रा का संपर्क टुट गया है जहां मार्ग पर स्थित टोंडियानाले के ऊपर करीब ३ फीट से अधिक पानी जा रहा है। ऐसे में मार्ग को पूरी तरह बंद कर दिया गया है मौके पर पुलिस प्रशासन उपस्थित है जिनके द्वारा लोगों को वापस भेजा जा रहा है।

यह हैं नाले की स्थिति

वारासिवनी लालबर्रा मार्ग पर नगर मुख्यालय के समीप टोंडियानाल स्थित है जिस पर भारी बारिश के कारण सुबह से पानी का जलस्तर बढ़ता जा रहा था। जो धीरे.धीरे पुलिया के ऊपर से बहते हुए जाने लगा और थोड़ी ही देर में पुलिया भी दिखाना बंद हो गया। हालांकि इस दौरान कुछ लोगों के द्वारा जान को जोखिम में डालकर मार्ग पार किया गया। किंतु सूचना पर पुलिस प्रशासन के द्वारा मौके पर यातायात व्यवस्था पूरी तरह बंद कर दी गई ।ऐसे में लोगों को दूसरे रास्ते तलाश करने पड़े, विदित हो कि उक्त पुलिया निचले स्तर पर बना हुआ है जिसे ऊंचा करने के लिए अनेकों बार मांग की गई है। किंतु मार्ग निर्माण के समय भी पुलियां की ऊंचाई नहीं बढ़ाई गई। जिसका कारण है कि हर बार की बारिश में यह पुलियां डूब जाता है। जहां वारासिवनी और लालबर्रा अपने.अपने कार्यों से आना जाना करने वाले लोगों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

यह भी मार्ग हुए प्रभावित

वारासिवनी खैरलांजी में यह बारिश आफत की बारिश के रूप में बरसी है जिसने पूरे क्षेत्र में अनेकों स्थानों पर जल भराव की स्थिति तो निर्मित की है। किंतु उससे ज्यादा मार्गो को भी प्रभावित किया है जिसमें क्षेत्र के विभिन्न पुलियों के ऊपर से पानी बह रहा है। जिससे यातायात ठप्प हो गया है ,इसमें वारासिवनी से गर्रा मार्ग के मध्य में स्थित थानेगांव पुलियां के ऊपर से करीब ५ फीट पानी जा रहा है जहां पर उच्च स्तरीय पुलियां बीते कुछ वर्षों पहले बनाया गया था। परंतु वह भी अब दिख नहीं रहा है आसपास लोगों के खेत जलमग्न हो गए हैं जहां चारों तरफ पानी ही नजर आ रहा है। ऐसे ही कोस्ते ,महाराजपुर ,तुमाड़ी ,कोपे के नाले भी भर कर जा रहे हैं तो वहीं बुदबुदा से कटंगझरी के मध्य स्थित पुलियां भी पानी में डूब चुका है जहां पर आवागमन प्रभावित पड़ा हुआ है। ऐसे ही कोथुरना से नवेगांव के मध्य रामपायली मार्ग पर पड़ने वाला पुलियां के ऊपर से पानी जा रहा है तो वहीं भेंडाराटोला का भी पुलियां पानी में डूब चुका है। जिसके कारण बेनी ,सतौना ,साकड़ी होते हुए गोंदिया जाने वाला मार्ग प्रभावित है। इस प्रकार से क्षेत्र के अन्य पुलियां जैसे वारासिवनी खैरलांजी मार्ग पर पड़ने वाले विभिन्न पुल के ऊपर से पानी गुजरने लगा है । इस दौरान सभी जगह पुलिस प्रशासन के द्वारा स्थल निरीक्षण कर आवागमन बंद करवा दिया गया है ताकि कोई दुर्घटना घटित ना हो सके।

स्थिति नियंत्रण में है क्षेत्र के समस्त स्थान पर नजर बनाकर रखी गई है-अभिषेक चौधरी

एसडीओपी अभिषेक चौधरी ने दूरभाष पर चर्चा में बताया कि लालबर्रा ,निलजी, मोहगांव, छिंदलाई ,खैरलांजी, आरंभा, घोटी ,भोरगढ़ ,लीलामा ,वारासिवनी, मुरझड, साकड़ी ,सेलवटपार ,दिनी ,रेंगाटोला सहित वारासिवनी लालबर्रा खैरलांजी के समस्त मार्गो पर स्थित पुल पुलियां पर करीब २ फीट पानी बह रहा है। अगले २४ घंटे तक भारी बारिश का अलर्ट है संभवत जलस्तर बढ़ेगा जिसके लिए समस्त स्थान पर पुलिस बल स्टॉपर लाल झंडी लगा दी गई है स्थिति अनुसार व्यवस्था बनाई गई है। वर्तमान तक समस्त स्थितियां नियंत्रण में है क्षेत्र के समस्त स्थान पर नजर बनाकर रखी गई है।

नरोड़ी के शासकीय माध्यमिक शाला में एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत किया वृक्षारोपण

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। विकासखंड वारासिवनी अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला नरोड़ी में एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत शाला परिसर में वृक्षारोपण का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत शाला में कार्यक्रम आयोजित किया गया। तथा अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत नरोड़ी की सरपंच रेखा कैलाश राणा,पूर्व सरपंच शारदा प्रसाद शिव, एसएमसी अध्यक्ष साधना कुर्वे, सदस्य अनिता पटले, सुरेखा कटरे , गणेशा बिसेन, श्रीराम पटले ,शाला प्रमुख सविता रिनायत ,शिक्षक धन्नालाल बिसेन , रूपसिंह उईके सहित स्कूली छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत शाला में निरंतर वृक्षारोपण कार्य कराया जा रहा है। छात्रों को अपनी मां के साथ शाला आने और एक पेड़ मां के नाम के तहत मां के साथ पेड़ लगाने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। शाला के शिक्षक धन्नालाल बिसेन ने बताया की प्रतिवर्ष शाला प्रांगण में वृक्षारोपण का कार्य किया जाता है तथा ग्रीष्मावकाश में वे स्वयं पेड़ो को पानी देने जाते हैं और वृक्षों का संरक्षण करते हैं। पूर्व वर्षों में रोपित पौधे अब काफी बड़े हो गए। श्री बिसेन ने बताया कि वे अधिक से अधिक पेड़ लगाकर शाला प्रांगण को हरा भरा बनाना चाहते हैं। नि:संदेह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल है।

महाराष्ट्र- भरत मिलाप - राजनीतिक समीकरण बदलने के संकेत...!

कभी-कभी जो अपने नहीं कर पाते, वह दुश्मन की बदौलत हो जाता है, इसका सबसे तरोताजा उदाहरण है, महाराष्ट्र के उन दो भाइयों का मिलन, जो पिछले दो दशक से प्रतिद्वंदी रहे और अब एक मंच पर एक साथ दिखाई दिए। जी हां, यहां चर्चा महाराष्ट्र की कभी राजनीतिक धुरी रहे ठाकरे परिवार की है, महाराष्ट्र के वरिष्ठ राजनेता बालासाहेब ठाकरे की दिली इच्छा रही कि पूरा ठाकरे परिवार एकजुट रहे तथा प्रदेश पर राजनीतिक राज करें, उन्होंने इस दिशा मे काफी प्रयास भी किये, किंतु उनके जीते जी वह हो नहीं पाया और आज देखिए परिस्थितियों ने दोनों भाइयों राज और उद्धव को एक दूसरे के गले में गलबहियां डालने को मजबूर कर दिया। इसी संदर्भ में राज ठाकरे ने सार्वजनिक रूप से कहां भी कि- जो काम बालासाहेब नहीं कर पाए वह दोनों भाइयों के राजनीतिक प्रतिद्वंदी देवेंद्र फडणवीस ने कर दिखाया, अभी तक इन दोनों ठाकरे बांधुओं के बीच ही राजनीति बटी हुई थी, जिसका फायदा देवेंद्र फडणवीस जैसे नेता उठा रहे थे, वह अपने आप को खुलेआम बालासाहेब के अनुयाई बता रहे हैं और उन्हीं के बेटों के प्रतिद्वंदी बने हुए हैं और देवेंद्र जैसे नेता मुख्यमंत्री पद के शिखर पर इन्हीं दोनों भाइयों के बीच अनबन के कारण पहुंच गए थे। किन्तु अब बदली हुई राजनीतिक परिस्थिति में नए राजनीतिक समीकरण बनना तय है तथा इन दोनों ठाकरे बंधुओं का राजनीति में दबदबा कायम होना भी सुनिश्चित माना जा रहा है, बशर्ते कि यह दोनों भाई अपने कथनानुसार हर राजनीतिक स्थिति में एकजुट रहे और हर परिस्थिति का मिलकर सामना करें। पिछले दिनों अपने इसी संदेश को सार्वजनिक करने के लिए दोनों भाई एक मंच पर आए जिसे विजय उत्सव नाम दिया गया और स्पष्ट शब्दों में अपने विचार व्यक्त किये उनका कहना था कि वह हिंदू और हिंदुस्तान के समर्थक हैं, किंतु हिंदी के नहीं और महाराष्ट्र में मराठी के उद्धव और विकास के लिए उनकी लड़ाई जारी रहेगी, फिर उसे चाहे गुंडागर्दी ही क्यों ना कहा जाए? इसी मंच से राज ठाकरे ने दोनों भाइयों के मिलन का श्रेय अपने प्रतिरोधी प्रतिद्वंदी देवेंद्र फडणवीस को दिया और कहा कि- फडणवीस ने वह कर दिखाया, जो बालासाहेब भी नहीं कर पाए। जहां तक इन दोनों भाइयों की राजनीति का सवाल है, राज ठाकरे 1989 से राजनीति में सक्रिय हुए और 1995 तक शिवसेना के साथ जुड़े रहे और 2005 में उद्धव ठाकरे शिवसेना प्रमुख हो गए, तो राज को यह नागवार लगा, तब राज ने शिवसेना छोड़कर अपनी एक अलग पार्टी बना ली जिसका नाम महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना दिया गया, जिसका सार्वजनिक एलान 2006 में शिवाजी पार्क की सभा में किया गया। महाराष्ट्र की राजनीति के प्रमुख स्तंभ बालासाहेब ठाकरे के परिवार के इन दोनों युवाओं की राजनीति के वैभिन्नयता का फयदा दूसरे नेताओं ने उठाया और ठाकरे परिवार को दरकिनार कर दिया, किंतु अब करीब दो दशक बाद राजनीतिक रूप से फिर फैरबदल का दौर आया है और अब यह दोनों भाई एकजुट रहकर महाराष्ट्र की राजनीति के प्रमुख स्तंभ बनना चाहते हैं, जिसके लिए उन्होंने विजय उत्सव मनाकर सार्वजनिक घोषणा भी कर दी है। किंतु यहां सबसे अहम् सवाल महाराष्ट्र की राजनीति का नहीं, बल्कि वहां जो भाषा को लेकर जहर फैलाया जा रहा है, उसका है इस मामले में राज ठाकरे कड़ा रुख अपना रहे हैं और महाराष्ट्र से हिंदी को निष्कासित करना चाहते हैं, उनका साफ कहना है कि मराठी के लिए लड़ना यदि गुंडागर्दी है तो हम गुंडे है, अब यही भाषा विवाद पूरे देश के लिए चिंता का विषय बना हुआ है, सभी को चिंता यही है कि यह विवाद यदि पूरे देश में क्षेत्रीय भाषा का विषमंत्र बन गया तो फिर क्या होगा?

बारिश का कहरः प्रकृति का विक्षोभ या विकास की विफलता?

बीते कुछ वर्षों में पहाड़ों में बारिश एवं बादल फटना अब डर, कहर और तबाही का पर्याय बन गई है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, और पूर्वोत्तर के अन्य पहाड़ी राज्यों में हर वर्ष मानसून के साथ भयावह भूस्खलन, बादल फटना, पुल बहना और सड़कें टूटना एक आम दृश्य बन गया है। यह केवल प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि एक व्यवस्थागत विफलता, सरकारी निर्माण की लापरवाही और अनियोजित विकास की पोल खोलने वाला यथार्थ है। निश्चय ही हाल के वर्षों में बारिश के पैटर्न में बदलाव आया है और बारिश की तीव्रता बढ़ी है। हर वर्ष जब मानसून की पहली बारिश पहाड़ों को भिगोती है, तो स्थानीय जनजीवन एक नई उम्मीद के साथ खिल उठता है। खेतों में हरियाली, नदियों में जल, और प्रकृति की शीतलता-मानसून एक उत्सव जैसा लगता है। लेकिन हालिया मानसूनी बारिश और मौसमी विक्षोभ की जुगलबंदी से हिमाचल के कई इलाकों में तबाही का जो भयावह मंजर उभरा, उसे हमें कुदरत के सबक के तौर पर देखना चाहिए। बड़ी संख्या में लोगों की मौत व लापता होने के साथ ही अरबों रुपये की निजी व सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान हुआ है।

2023 और 2024 के मानसून ने हिमाचल और उत्तराखंड जैसे राज्यों में जो कहर बरपाया, वह केवल आँकड़ों में सीमित नहीं है। दर्जनों लोग मारे गए, सैकड़ों मकान जमींदोज हो गए, हजारों लोग बेघर हुए। हाइड्रो प्रोजेक्ट्स, सड़कों, सुरंगों और इमारतों के निर्माण ने जिस तरह से पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना के साथ छेड़छाड़ की, वह अब प्रकृति के प्रतिशोध का कारण बन रही है। उत्तराखंड में 'ऑल वेदर रोड', हिमाचल में सुरंगें और जल विद्युत परियोजनाएं-इन सभी ने विकास के नाम पर जिस प्रकार अंधाधुंध खुदाई और कटान किए हैं, उससे पर्वतीय क्षेत्र अपनी स्थायित्व खोते जा रहे हैं। वैज्ञानिक चेतावनियों के बावजूद कई निर्माण कार्यों में भूगर्भीय सर्वेक्षण की अनदेखी की गई। नतीजा यह हुआ कि हल्की-सी भारी बारिश में ही सड़कें धंस जाती हैं, इमारतें दरकने लगती हैं, और पूरा गाँव मलबे में दब जाता है। वास्तव, पहाड़ी इलाकों में अतिवृष्टि से आपदा का जो भयावह मंजर उभर रहा है, उसके मूल में सिर्फ जलवायु परिवर्तन ही मुख्य कारक नहीं है। दरअसल, इस तबाही के मूल में हमारी नाजुक हिमालयी पारिस्थिकीय तंत्र के प्रति बड़ी लापरवाही भी है। इस तथाकथित विकास के नाम पर हमने उन सीढ़ीनुमा रास्तों को दरकिनार कर दिया, जो पहाड़ों को मजबूती देते थे।

पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन कोई नई बात नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में इनकी तीव्रता और आवृत्ति में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है। इसकी मुख्य वजहें हैं-अनियंत्रित पहाडों की कटिंग और खुदाई, बढ़ता भारी वाहन यातायात, जल निकासी की अव्यवस्था एवं वन क्षेत्र का अत्याधिक क्षरण। सरकारी निर्माण एजेंसियां अक्सर तय मानकों की अनदेखी करती हैं। निर्माण सामग्री घटिया होती है और मुनाफाखोरी के चक्कर में दीवारें और पुल बरसात में ताश के पत्तों की तरह ढह जाते हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) और पर्यावरण वैज्ञानिक लगातार चेताते रहे हैं कि हिमालयी क्षेत्र बेहद संवेदनशील हैं। फिर भी, निर्माण कार्यों के लिए भू-सर्वेक्षण, पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए) और जनसुनवाई की प्रक्रियाओं को या तो टाल दिया जाता है या खानापूर्ति भर की जाती है। चार धाम यात्रा मार्ग पर बनने वाली सड़क परियोजनाओं को सुप्रीम कोर्ट ने भी कई बार रोका और सुझाव दिए कि पहाड़ों को काटने की बजाय टनल या वैकल्पिक मार्ग बनाए जाएं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे उलट है।

निश्चय ही पूरी दुनिया में ग्लोबल वॉर्मिंग के चलते मौसम के बिगड़े तेवर नजर आ रहे हैं, लेकिन पहाड़ों में जल-प्रलय सी आपदा का विनाश निश्चय ही भयावह है। वैज्ञानिकों को इस तथ्य पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि पहाड़ों में बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि क्यों हुई है। इस साल की मानसूनी बारिश में मंडी जिले में बादल फटने की घटनाओं ने बुनियादी ढांचे, घरों, सड़कों और बगीचों को जिस तरह से नुकसान पहुंचाया है, उसने पहाड़ों में विकास के स्वरूप को लेकर फिर नये सिरे से बहस छेड़ दी है। राज्य के तमाम महत्वपूर्ण राजमार्ग भूस्खलन और अतिवृष्टि से बाधित रहे हैं। कांगड़ा घाटी में ऐतिहासिक रेल परिवहन को स्थगित करना पड़ा है। शिमला के पास एक बहुमंजिला इमारत के भरभरा कर गिरने के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने भयभीत किया। जब बारिश आती है, तो केवल इमारतें और सड़कें नहीं ढहतीं, आम लोगों का जीवन भी उजड़ जाता है। लोग रातोंरात बेघर हो जाते हैं। स्कूल, अस्पताल, बिजली-पानी की सुविधाएं बंद हो जाती हैं। प्रशासनिक अमला अकसर घटनास्थल पर देर से पहुँचता है और राहत कार्यों में राजनीतिक रस्साकशी आड़े आ जाती है। राहत कैंपों में भोजन, शौचालय और दवाइयों की भारी कमी रहती है। जब किसी राज्य में बड़ी आपदा आती है, तभी मीडिया और नेताओं की नजर जाती है। हेलिकॉप्टर से निरीक्षण, मुआवज की घोषणाएं, और 'हम साथ हैं' जैसे बयान आते हैं। लेकिन जैसे ही मौसम सामान्य होता है, पीड़ितों की सुध लेने वाला कोई नहीं रहता। लंबे समय तक पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्य अधर में लटकते हैं।

निश्चय ही मौसम के मिजाज में तल्खी नजर आ रही है लेकिन इस संकट के मूल में कहीं न कहीं अवैज्ञानिक विकास, खराब आपदा प्रबंधन और निर्माण में पारिस्थितिकीय ज्ञान की उपेक्षा भी निहित है। जिसने इस संकट को और अधिक बढ़ाया है। दरअसल, पानी के प्रवाह के जो प्राकृतिक रास्ते थे, हमने उन पर बहुमंजिली इमारतें खड़ी कर दी हैं। हमने अपेक्षाकृत नयी हिमालयी पर्वतमालाओं पर इतना भारी-भरकम विकास व निर्माण लाद दिया कि वे इस बोझ को सहन नहीं कर पा रही हैं। निर्माण कार्य में स्थानीय पारंपरिक वास्तुकला और प्राकृतिक सामग्री का प्रयोग बढ़ाया जाए। भू-सर्वेक्षण और ईआईए को अनिवार्य किया जाए, हर निर्माण से पहले वैज्ञानिक स्तर पर जमीन की जाँच और पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन आवश्यक हो। वनों की अंधाधुंध कटाई को रोका जाए और जलग्रहण क्षेत्रों को पुनर्स्थापित किया जाए। गाँवों और कस्बों के स्थानीय लोगों को निर्णय प्रक्रिया में शामिल किया जाए ताकि निर्माण कार्य जमीनी जरूरतों और जोखिमों के अनुसार हो।

हिमालय को केवल भूगोल नहीं, अध्यात्म का स्रोत भी माना जाता है। यहाँ की नदियां, पहाड़ और घाटियां धार्मिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व रखती हैं। जब इन स्थानों पर अंधाधुंध निर्माण होता है, तो केवल भू-आकृति नहीं, सांस्कृतिक चेतना भी नष्ट होती है। पर्वतीय जीवन में तबाही के पीछे केवल प्रकृति नहीं, हमारी नीति, नियत और विकास का वह मॉडल जिम्मेदार है जो केवल तात्कालिक लाभ और मुनाफे पर केंद्रित है। हम पहाड़ों को केवल पर्यटक स्थल या परियोजना-स्थल की दृष्टि से न देखें, बल्कि वहां के पर्यावरण, संस्कृति और जीवन पद्धति को समझें और संरक्षण का दायित्व लें। नहीं तो हर बारिश के साथ पहाड़ों से जीवन खिसकता जाएगा और एक दिन यह संकट केवल स्थानीय न रहकर राष्ट्रीय बन जाएगा। दरअसल, पहाड़ों की संवेदनशीलता को देखते हुए नये सिरे से निर्माण के मानक तय करने होंगे। वहीं दैनिक जल निकासी और बरसाती पानी के प्रवाह के लिये वैज्ञानिक ढंग से व्यवस्था करनी होगी। निश्चित रूप से पहाड़ों में लगातार बढ़ती जनसंख्या और बुनियादी ढांचे में पहाड़ की प्राथमिकताओं को नजरअंदाज करने की कीमत हम चुका रहे हैं। भविष्य में ऐसी आपदाओं को टालने के लिये अतीत के सबक सीखकर हमें विकास के नये मानक तय करने होंगे। ऐसा लगता है कि किसी का इस पर ध्यान ही नहीं कि यदि बुनियादी ढांचे से जुड़े निर्माण की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा तो जैसा हादसा मंडी अथवा शिमला में हुआ, वैसे हादसें होते ही रहेंगे और उनका दोष प्रकृति पर मकर कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाएगी। बात केवल हिमाचल की ही नहीं है, उत्तराखंड में भी कुछ स्थानों पर भूस्खलन होने से तीर्थयात्री संकट में पड़े हैं। इसका कोई मतलब नहीं कि हम बार-बार विकसित भारत की बात करें, लेकिन सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की अनदेखी करें और मानक होते हुए भी उनका पालन न करें। इस तरह से तो हम विकसित देश नहीं बन सकते।

-ललित गर्ग

सुशासन में सरे आम अपराधियों का तांडव

अपने बिहार दौरे में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जिस जंगलराज के बहाने महागठबंधन को घेरने की कोशिश की, वह उलट सावित हो रहा है। अब लोग सवाल कर रहे हैं कि यदि सुशासन में सरे आम अपराधी तांडव कर रहे हैं, तो फिर जंगल राज क्या है? महागठबंधन का नेतृत्व कर रहे तेजस्वी यादव पहले से ही अपराध बुलेटिन जारी कर सुशासन की पोल खोलकर सरकार के विरुद्ध गोलबंदी की मुहिम छेड़ दी है । ऐसे में गोपाल खेमका समेत कई व्यवसाई की हत्या के बाद नाराज वैश्य समाज सुशासन की सरकार के विरुद्ध खड़ा हो जाए तो यह अतिश्योक्ति नहीं होगी। लोकसभा चुनाव में वैश्य समाज का एक वर्ग महागठबंधन के साथ जा जुड़ा था। सुशासन की सरकार पर सवालिया निशान खड़ा कर रहे हैं। पटना के राजेन्द्र नगर स्थित मगध हॉस्पिटल के मालिक और राज्य के प्रमुख व्यवसायी गोपाल खेमका की 4 जुलाई, को अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। जहां हत्या हुई है, उस स्थल से गांधी मैदान थाने महज ढाई सौ मीटर की दूरी पर है। आसपास ही पुलिस अधीक्षक और वरीय पुलिस अधीक्षक के आवास हैं। बावजूद इसके अपराधी हत्या कर चलते बने। हद तो ये है कि घटनास्थल पर स्थानीय पुलिस डेढ़ घंटे बाद पहुंची। व्यवसायी गोपाल खेमका के पहले गत जून माह में ही पुनपुन के सुहागी-कंडाप पथ पर बाइक सवार बदमाशों ने जमीन कारोबारी अंजनी सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी थी। यह घटना गौरीचक के कंडाप पैक्स गोदाम के पास की है, जहां सुनसान जगह का फायदा उठाकर अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया। मृतक हंडेर गांव के श्याम नंदन सिंह के पुत्र थे और जमीन के कारोबार से जुड़े थे। कारोबारी जयप्रकाश नारायण की भी गत वर्ष अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। आरोप यह था कि अपराधियों ने कारोबारी जयप्रकाश से 1.5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी। जब पैसा नहीं मिला तो उनकी हत्या कर दी गई। बेगूसराय में अक्टूबर 2024 को सोना व्यापारी अनिल कुमार की अपहरण कर हत्या कर दी गई। अनिल कुमार ज्योति ज्वेलर्स के मालिक थे। जून 2024 में ही बिहार के नालंदा जिले के पनहेस्सा गांव के पास दो बाइक सवार बदमाशों ने जमीन कारोबारी को गोलियों से छलनी कर दिया। उन्हें चार गोलियां मारी गयीं। इलाज के लिए ले जाने के दौरान उनकी मौत हो गयी। मृतक की पहचान पनहेस्सा गांव निवासी 42 वर्षीय रजी अहमद उर्फ नन्हे के रूप में की गयी। इस हत्या का कारण भी जमीन की खरीद-बिक्री के कारोबार बताया गया। इस घटना के बाद बिहार में कानून व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक समीक्षा बैठक की। नीतीश कुमार ने कहा कि अपराधियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। गोपाल खेमका हत्याकांड को लेकर हुई समीक्षा बैठक में मुख्य मंत्री नीतीश कुमार के साथ पुलिस के बड़े अधिकारी भी शामिल थे। नीतीश कुमार ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे अपराधियों को जल्द से जल्द पकड़ें और उन्हें कड़ी सजा दें।

1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में पुलिस महानिदेशक एवं अन्य वरीय पुलिस पदाधिकारियों के साथ विधि व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। विधि व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अपराध करने वाले कोई भी हों, उन्हें किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाए। घटित आपराधिक घटनाओं के अनुसंधान कार्यों में तेजी लाने और दोषियों पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन को पूरी मुस्तैदी एवं कड़ाई से काम करने को कहा।

एनडीए में नीतीश के सहयोगी चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (आर) के खगड़िया से सांसद राजेश वर्मा ने भी सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होने कहा कि जिस तरह गोपाल खेमका की हत्या को अंजाम दिया गया। उससे लगने लगा है कि राज्य में अपराधियों को पुलिस का कोई खौफ नहीं है। कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है। बिहार में व्यापारी सुरक्षित नहीं है। लोजपा (आर) के सांसद राजेश वर्मा ने कहा कि खेमका परिवार में ये दूसरी हत्या है, इससे पहले 2018 में गोपाल खेमका के बेटे गुंजन की हत्या भी इसी तरह की गई है। बिहार को आगे बढ़ाने की सोच रखने वाला वैश्य समाज भी सुरक्षित नहीं है। हाथ जोड़कर आग्रह करते हुए सांसद ने कहा कि सबसे पहले बिहार में व्यापारी वर्ग की सुरक्षा पुख्ता की जाए। अगर आप बिहार में उद्योग-धंधे लगाने की बात करते हैं। यही नहीं कानून व्यवस्था में सुधार के लिए पड़ोसी राज्य यूपी का हवाले देते हुए लोजपा (आर) के सांसद ने कहा कि यूपी से भी सीख सकते हैं कि कैसे लॉ एंड ऑर्डर को दुरूस्त किया जा सकता है। अपराधियों को उन्हीं की भाषा में जवाब देने का वक्त आ गया है। आज गोपाल खेमका नहीं तो कल कोई और होगा।बिहार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त; चिराग के सांसद राजेश का नीतीश सरकार पर सीधा हमला विपक्षी पार्टियां सरकार पर हमला कर रही हैं। उनका कहना है कि बिहार में कानून का राज खत्म हो गया है। नीतीश कुमार को इस्तीफा दे देना चाहिए। इस घटना के बाद बिहार की राजनीति भी गरमा गई है। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार ने सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि खेमका परिवार ने घटना के बाद वरीय पुलिस अधीक्षक, पुलिस उपाधीक्षक और स्थानीय थाने में फोन किया, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया। इसके बाद जिला मजिस्ट्रेट को फोन किया गया, जिन्होंने फोन उठाया। उन्हें बताया गया कि पुलिस जवाब नहीं दे रही है और उन्हें मदद की ज़रूरत है। राजेश कुमार ने आरोप लगाते हुए आगे कहा कि जिला मजिस्ट्रेट को फोन करने के तीन घंटे बाद पुलिस पहुंची। उन्होंने नीतीश कुमार के शासन को बीमार बताया और मांग की कि नीतीश कुमार और राजग गठबंधन को इस मुद्दे पर इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने पीड़ित परिवार को सुरक्षा देने की भी मांग की।वहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भी कानून व्यवस्था के मुद्दे पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि पटना में थाने से कुछ ही कदम दूर, बिहार के एक प्रमुख व्यापारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई! उन्होंने सवाल उठाया कि बिहार में हर महीने सैकड़ों व्यापारियों की हत्या की जा रही है, लेकिन इसे जंगल राज क्यों नहीं कहा जा सकता? उन्होंने मीडिया मैनेजमेंट और परसेप्शन मैनेजमेंट पर भी सवाल उठाए। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में हर महीने सैकड़ों व्यापारियों की हत्या की जा रही है, लेकिन हम इसे जंगल राज नहीं कह सकते? क्योंकि यही तो शास्त्रों में मीडिया मैनेजमेंट, परसेप्शन मैनेजमेंट और इमेज मैनेजमेंट कहते हैं। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने भी इस मामले पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि लालू यादव के जंगल राज और नीतीश कुमार के राज में कोई अंतर नहीं है। लालू यादव के राज में अपराधियों का तांडव था और नीतीश कुमार के राज में अधिकारियों का तांडव है। उन्होंने कहा कि पहले जिस तरह का भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था की स्थिति थी, वह आज भी वैसी ही है। प्रशांत किशोर ने कहा कि पटना में इतने बड़े व्यवसायी की गोली मारकर हत्या कर दी जाती है और कोई कार्रवाई नहीं होती।

कुमार कृष्णन

हम एक उंगली दूसरे पर उठाते हैं तो तीन उंगलियां हमारे ऊपर उठती है इस को रेखांकित करना ज़रूरी

सृष्टि में खूबसूरत मानवीय जीव की रचना कर रचनाकर्ता नें उसमें गुण और अवगुण रूपी दो गुलदस्ते भी जोड़े हैं और उनका चयन करने के लिए 84 लाख़ योनियों में सर्वश्रेष्ठ बुद्धि का सृजन मानवीय योनि में कर अपने भले बुरे सोचनें का हक उसी को दिया है,परंतु हम अपनीं जीवन यात्रा में देखते हैं कि मानवीय जीव अवगुण रूपी गुलदस्ते का चुनाव खुद कर उसमें ढल जाता है और अंत में दोष सृष्टि रचनाकर्ता को ही देता है कि मेरे जीवन को नरक बना दिया जबकि गलती मानवीय जीव की ही है कि उसने ही अपनी बुद्धि से उस अवगुण रूपी गुलदस्ते को चुना!मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि कहावत जब हम एक उंगली उठाते हैं, तो तीन उंगलियां हमारी ओर इशारा करती हैं अक्सर आत्म-चिंतन और जवाबदेही के विचार से जुड़ी होती है। यह वाक्यांश बताता है कि जब हम किसी और पर आरोप लगाते हैं या दोष देते हैं,तो हमको उस स्थिति में अपनी गलतियों या योगदानों पर भी विचार करना चाहिए।हालांकि इस कहावत की सटीक उत्पत्ति स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह विभिन्न सांस्कृतिक और दार्शनिक परंपराओं में पाए जाने वाले विषयों को समाहित करती है।यह प्रक्षेपण के बारे में मनोविज्ञान की अवधारणाओं के साथ संरेखित है, जहां व्यक्ति अपने अवांछनीय गुणों या व्यवहारों को दूसरों पर आरोपित करते हैं। उंगलियों की छवि यह दर्शाती है कि आलोचना अक्सर आलोचना के विषय की तुलना में आलोचक के बारे में अधिक दर्शाती है।इस वाक्यांश की खूबसूरती यह है कि यह किसी और को दोष देने के बजाय आत्मनिरीक्षण करने पर मजबूर करता है।यूं तो अवगुणों को सैकड़ों शब्दों, बुराइयों से पुकारा जाता है जिसमें आज हम निंदा बुराई, दूसरों पर उंगली उठाना इस अवगुण की चर्चा कर करेंगे आओ निंदा रूपी अवगुण त्यागने का संकल्प लें।हम खुद का आंकलन दूसरे से श्रेष्ठ करने की चूक से बचें स्वयं को छोटा कहलाने वाला व्यक्ति सबसे श्रेष्ठ गुणवान होता है।

साथियों बात अगर हम निंदा की करें तो किसी ने खूब ही कहा है कि, संसार में प्रत्येक जीव की रचना ईश्वर अल्लाह ने किसी उद्देश्य से की है। हमें ईश्वर अल्लाह की किसी भी रचना का मखौल उ?ाने का अधिकार नहीं है।इसलिए किसी की निंदा करना साक्षात परमात्मा की निंदा करने के समान है।किसी की आलोचना से आप खुद के अहंकार को कुछ समय के लिए तो संतुष्ट कर सकते हैं किन्तु किसी की काबिलियत, नेकी, अच्छाई और सच्चाई की संपदा को नष्ट नहीं कर सकते। जो सूर्य की तरह प्रखर है, उस पर निंदा के कितने ही काले बादल छा जाएं किन्तु उसकी प्रखरता, तेजस्विता और ऊष्णता में कमी नहीं आ सकती।

साथियों बात अगर हम खुद का आंकलन दूसरों से सर्वश्रेष्ठ करने की करें तो, अपनी प्रशंसा तथा दूसरों की निंदा असत्य के समान है। जैसे हमारी आंखें चंद्रमा के कलंक तो देख लेती हैं , किंतु अपने काजल को नहीं देख पातीं। उसी प्रकार हम दूसरों के दोषों को देखते हैं , हालांकि खुद अनेक दोषों से भरे हैं। दूसरों में जो दोष दिखाई देते हैं , सचमुच उनका कारण हमारे अपने चित्त की दूषित वृत्तियां ही है। दूसरों की निंदा किसी भी दृष्टि से हितकर नहीं होती। इस संबंध में एक कवि ने लिखा भी है कि हमें परखने का तरीका नहीं है। कोई वरना दुश्मन किसी का नहीं है। निंदक को यह याद रखना चाहिए कि दुनिया तुझे हजारों आंखों से देखेगी , जबकि तू दुनिया को दो ही आंखों से देख सकेगा।

साथियों बात अगर हम दूसरों पर एक उंगली उठाने की करें तो, जब कोई व्यक्ति किसी दूसरे के दोषों पर उंगली उठाता है , तो उसे याद रखना चाहिए कि पीछे की और मुड़ी उसकी तीन उंगलियां पहले उसी की ओर संकेत कर रही होती हैं। निंदा- चुगली

व्यर्थ ही है। इससे परस्पर वैमनस्य , कटुता और संघर्ष बढ़ते हैं। इसीलिए कहा है कि दूसरों के कृत्याकृत्यों को न देखो , केवल अपने ही कृत्यों का अवलोकन करो। यूं तो लोग चुप रहने वाले की निंदा करते हैं। बहुत बोलने वाले की निंदा करते हैं ,मातृ भाषी की निंदा करते हैं , संसार में ऐसा कोई नहीं है , जिसकी निंदा न होती हो, इसीलिए कहा है- जैसी जाकी बुद्धि है , तैसी कहै बनाय। ताको बुरा न मानिए , लेन कहां यूं जाए। केवल दूसरों द्वारा अपनी निंदा सुनकर मनुष्य अपने को निंदित न समझें , वह अपने आप को स्वयं ही जाने , क्योंकि लोक तो निरंकुश है , जो चाहता है सो कह देता है। द्वेषी गुणं न पश्यति , दोषी गुणों को नहीं देखता।

साथियों बात अगर हम पर निंदा में आनंद की करेंतो परनिंदा में प्रारंभ में काफी आनंद मिलता है लेकिन बाद में निंदा करने से मन में अशांति व्याप्त होती है और हम हमारा जीवन दु:खों से भर लेते हैं। प्रत्येक मनुष्य का अपना अलग दृष्टिकोण एवं स्वभाव होता है। दूसरों के विषय में कोई अपनी कुछ भी धारणा बना सकता है। हर मनुष्य का अपनी जीभ पर अधिकार है और निंदा करने से किसी को रोकना संभव नहीं है। न विना परवादेन रमते दुर्जनोजन¬ काक¬सर्वरसान भुक्ते विनामध्यम न तृप्यति।। अर्थ-लोगों की निंदा (बुराई) किये बिना दुष्ट (बुरे) व्यक्तियों को आनंद नहीं आता। जैसे कौवा सब रसों का भोग करता है परंतु गंदगी के बिना उसकी संतुष्टि नहीं होती, लोग अलग-अलग कारणों से निंदा रस का पान करते हैं। कुछ सिर्फ अपना समय काटने के लिए किसी की निंदा में लगे रहते हैं तो कुछ खुद को किसी से बेहतर साबित करने के लिए निंदा को अपना नित्य का नियम बना लेते हैं। निंदकों को संतुष्ट करना संभव नहीं है।

साथियों बात अगर हम निंदा पर वैश्विक विचारों की करें तो, महात्मा गांधी ने भी कहा है कि दूसरों के दोष देखने की बजाय हम उनके गुणों को ग्रहण करें। दूसरों की निंदा अश्रेयस्कारी है। निंदा करने व सुनने में व्यक्ति प्राय¬ आनंद लेता है। जबकि निंदा सुनना व निंदा करना, दोनों ही विषय है। इसीलिए हमारे महापुरुषों ने तो कहा है सपनेहां नहिं देखा परदोषा!अर्थात् स्वप्न में भी पराये दोषों को न देखना। भगवान बुद्ध ने कहा है , जो दूसरों के अवगुणों की चर्चा करता है , वह अपने अवगुण प्रकट करता है। भगवान महावीर ने भी कहा है कि किसी की निंदा करना पीठ का मांस खाने के बराबर है। विधाता प्राय¬ सभी गुणों को किसी एक व्यक्ति या एक स्थान पर नहीं देता है। ईसा मसीह ने कहा था ,लोग दूसरों की आंखों का तिनका तो देखते हैं, पर अपनी आंख के शहतीर को नहीं देखते। हेनरी फोर्ड ने कहा कि मैं हमेशा दूसरों के दृष्टिकोण को समझने की कोशिश करता हूं। हमारी सद्भावना या दुर्भावना ही किसी को मित्र या शत्रु मानने के लिए बाध्य करती है।सद्भावना अनुकूल स्थिति के कारण होती है और दुर्भावना प्रतिकूल स्थिति के कारण होती है। लोगों के छिपे हुए ऐब जाहिर मत करो। इससे उसकी इज्जत तो जरूर घट जाएगी, मगर तेरा तो ऐतबार ही उठ जाएगा।

साथियों बात अगर हम दूसरों के दोष ढूंढना, निंदा करना मानवीय स्वभाव की करें तो, दूसरों की निंदा करना। सदैव दूसरों में दोष ढूंढते रहना मानवीय स्वभाव का एक बड़ा अवगुण है। दूसरों में दोष निकालना और खुद को श्रेष्ठ बताना कुछ लोगों का स्वभाव होता है। इस तरह के लोग हमें कहीं भी आसानी से मिल जाएंगे। प्रतिवाद में व्यर्थ समय गंवाने से बेहतर है अपने मनोबल को और भी अधिक ब?ाकर जीवन में प्रगति के पथ पर आगे ब?ते रहें। ऐसा करने से एक दिन आपकी स्थिति काफी मजबूत हो जाएगी और आपके निंदकों को सिवाय निराशा के कुछ भी हाथ नहीं लगेगा। इसलिए सब तरफ गुण ही ढूंढने की आदत डालो। देखो कितना आनंद आता है। दुनिया में पूर्ण कौन है हरेक में कुछ न कुछ त्रुटियां रहती हैं।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि न विना परवादेन रमते दुर्जनोजन¬। काक¬सर्वरसान भुक्ते विनामध्यम न तृप्यति।।आओ निंदा त्यागने का संकल्प लें हम एक उंगली दूसरों पर उठाते हैं तो तीन उंगलियां हमारे तरफ उठती है इसको रेखांकित करना ज़रूरी है हम खुद का आंकलन दूसरे से सर्वश्रेष्ठ करने की चूक से बचें, स्वयं का छोटा कहलानें वाले व्यक्ति सर्वश्रेष्ठ गुणवान होतें है।

किशन सनमुखदास भावनानीं

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। आवक कमजोर रहने से सोमवार को मूंग के बाजार में सुधार देखा गया। चना बढ़त पर रहा। खाद्य तेलों का बाजार ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन में तेजी रही। किराना जिंसों में नारियल तेजी पर बना रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार अच्छी गुणवत्ता वाले मूंग की आवक कम रहने से बाजार में तेजी बनी हुई है। आज भी मूंग में 100-150 रू. प्रति क्विंटल की तेजी आई। चना बढ़त पर देखा गया। खाद्य तेलों में व्यापार सुस्त ही रहा। तिलहनों में, निचले भावों पर मांग बढ़ने से सोयाबीन के बाजार में चमक आई। उधर, किराना जिंसों में नारियल की तेजी जारी रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4080-4120, खोपरा गोला 340-385, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 150-200, सांगली 250-255, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 6900-7100, सौंफ मोटी 100-130, बेस्ट 185-285, एस्ट्रा बेस्ट 340-450, सौंफ बार?क 290-350, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 950-1200, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1850, बेस्ट 1950-2050, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 900-950, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 870-900, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3400-3500, (160) 4300-4400, (200) 4800-5000, (250) 5000-5100

तेल- सींगदाना 1410-1430, मुम्बई 1415, राजकोट तेलिया 2210, सोया साल्वेंट 1115-1120, सोया रिफाइंड 1185-1200, कपास्या 1255, धूलिया 1260, कड़ी 1260,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1375-1380, मुम्बई पाम 1170, मुम्बई सोया 1210,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6400-6600, रायडा 5800-6000, सोयाबीन 4300-4350, टोली (महुआ बीज) 4350-4500, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5950-6000, एवरेज 5200-5300, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रश?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7150-7200, पाला 7200-7300, चमकी 7250-7350, नायलोन 7350-7450, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7300-7500, बोल्ड 7700-8100, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 320, उज्जैन 260, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार

इन्दौर। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में कामकाज सामान्य ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं के बाजार सुस्त रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 107000, चॉंदी (99) 106900, टंच 106200, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 97000,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 40 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.90 पर बंद हुआ। विदेशी पूंजी की निकासी और घरेलू शेयर बाजारों की कमजोर शुरुआत के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 26 पैसे टूटकर 85.66 प्रति डॉलर पर खुला। अमेरिका के अपने व्यापारिक साझेदारों पर शुल्क बढ़ोतरी की समय-सीमा नौ जुलाई से पहले नए समझौते करने का दबाव रविवार को बढ़ा दिया और देशों को धमकी दी है कि एक अगस्त से उच्च शुल्क लागू हो सकते हैं। इससे रुपये पर और दबाव पड़ेगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.53 पर खुला।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप अपने डेली रूटीन में कोई बदलाव न करें, क्योंकि परिवार में संपत्ति को लेकर कोई वाद-विवाद की स्थिति खड़ी हो सकती है। पिताजी का कोई पुराना रोग उभरने से आपको भागदौड़ भी अधिक रहेगी। आपकी कोई प्रिय वस्तु यदि खो गई थी, तो उसके आपको मिलने की पूरी संभावना है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए धैर्य और साहस से काम लेने के लिए रहेगा। आप सबको साथ लेकर चलने की कोशिश में लगे रहेंगे। पार्टनरशिप में आप कोई काम ना करें। आप अपने कामों को तेजी से निपटाने की कोशिश में लगे रहेंगे। आपका निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर रहेगी। आप अपने घर के कामों में भी कोई बदलाव कर सकते हैं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए मेहनत और लगन से काम करने के लिए रहेगा। आपको अपनी सेहत पर भी पूरा ध्यान देना होगा। आप किसी वाद-विवाद में ना पड़ें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आर्थिक मामलों में आपको पूरी समझदारी दिखानी होगी। विद्यार्थी अपने ज्ञान को बढ़ाने का कोई मौका हाथ से जाने नहीं देंगे। वाहनों का प्रयोग आप थोड़ा सावधान रहकर करें, जो आपके लिए बेहतर रहने वाला है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए रचनात्मक कार्य से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा, लेकिन आपको अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना होगा। जल्दबाजी में लिए गए निर्णय से बाद में आपको पछतावा हो सकता है। आपकी बिजनेस में भी कोई अटकी हुई डील फाइनल होगी, जो आपको थोड़ी टेंशन दे सकती है और किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। अविवाहित जातकों के जीवन में किसी नए मेहमान की दस्तक हो सकती है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए भौतिक सुख साधनों में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको आवेश में आकर कोई निर्णय लेने से बचना होगा। आपको अपने कामों को लेकर पूरी जिम्मेदारी से काम करना होगा। वरिष्ठ सदस्यों से आप काम को लेकर कोई सलाह दे सकते हैं। यदि आपने किसी को धन उधार दिया था, तो उसके भी आपको मिलने की पूरी संभावना है। आप किसी जरूरतमंद व्यक्ति के लिए कुछ धन का इंतजाम भी कर सकते हैं।

कन्या- आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। सामाजिक कार्यक्रमों में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। कारोबार को लेकर आपको किसी यात्रा पर भी जाना पड़ सकता है। आपका कुछ नए लोगों से मेलजोल बढ़ेगा। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को अपने कामों पर पूरा ध्यान देना होगा। जीवनसाथी से उनकी किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है। आपके मन में प्रेम और सहयोग की भावना बनी रहेगी।

तुला- आज का दिन आपके लिए परोपकार के कार्यों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आपके घर किसी अतिथि का आगमन हो सकता है। आपको अपने परिजनों पर भरोसा थोड़ा सोच समझकर करना होगा। कार्यक्षेत्र में आपके कुछ नए विरोधी उत्पन्न हो सकते हैं। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को किसी अच्छी स्कीम का पता चल सकता है। आपकी कोई प्रिय वस्तु खो गई थी, तो उसके आपको मिलने की पूरी संभावना है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए व्यवसाय के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। आपको अपने खर्चों को लेकर बजट बनाकर चलना होगा। रचनात्मक कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी। आप अपने जीवन स्तर को सुधारने की कोशिश में लगे रहेंगे। विद्यार्थियों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा। आप तरक्की की राह पर आगे बढ़ेंगे। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है।

धनु- आज का दिन आपके लिए किसी वाद-विवाद से दूर रहने के लिए रहेगा और आप परिवार में किसी सदस्य पर कोई जिम्मेदारी ना डालें। आपको अपने कामों को लेकर सूझबूझ दिखाने की आवश्यकता है। छोटों की गलतियों को आपको बड़प्पन दिखाते हुए माफ करना होगा। आप अपने आवश्यक कामों को समय से निपटाने की कोशिश करें। वाहनों के प्रयोग से आपको सावधान रहना होगा। करीबियों को आपको पूरा साथ मिलेगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए सूझबूझ से काम करने के लिए रहेगा। आर्थिक दृष्टिकोण से दिन अच्छा रहने वाला है। आपकी कुछ नया करने की कोशिश रंग लाएगी। आपकी कला और कौशल में सुधार आएगा। भगवान के भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। धन को लेकर यदि आपका कोई काम रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है। आप छुटपुट लाभ के अवसरों को भी हाथ से जाने ना दें। आपके साहस व पराक्रम में वृद्धि होगी।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपकी वाणी के आकर्षण से लोग आपकी तरफ आकर्षित होंगे। राजनीति में कार्यरत लोगों को इसका अच्छा फायदा मिलेगा। रक्त संबंधी रिश्तों में मजबूती आएगी और माताजी से आप कुछ पारिवारिक मामलों को लेकर बातचीत कर सकते हैं। वरिष्ठ सदस्यों से आपकी खूब पटेगी। बिजनेस में आपकी दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी।

मीन- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपकी साख और सम्मान में वृद्धि होगी। कारोबार में आपको अच्छा उछाल देखने को मिलेगा और आपको कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी उपलब्धि मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी और आपको कोई पुरस्कार भी मिल सकता है। आप किसी धार्मिक का आयोजन में सम्मिलित हो सकते हैं। यदि आप किसी नए काम की शुरुआत करेंगे, तो वह आपके लिए अच्छी रहेगी।

शब्दजाल - 7953

शब्दजाल में दस नदियों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे भी हो सकते हैं.

गंगा, यमुना, सतलज, रावी, झेलम, चिनाब, ब्रम्हपुत्र, कावेरी, गोदावरी, व्यास,

गं	रा	जें	द्र	कु	मा	य	वा	ज	पे	यी
द	गा	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	रा
स	स	प	का	को	ह	रा	झे	ल	म	प
मि	त	स	व	वे	वा	ज	ध	रा	श	दु
श	आ	ल	ग	म	री	ना	तू	वी	झ	प
न	ल	ला	ज	दि	म	गो	ती	ना	घ	य
क	व	चि	ना	ब	प	दा	ज	ती	व	मु
श	एं	वा	ई	द	ब	व	डू	ए	श	ना
मी	ड	ल	फू	ल	औ	री	आ	ग	शी	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	व्या	स	री	द
वि	ज	अ	ब्र	म्ह	पु	त्र	त	ब	प	म

शब्दजाल - 7952 का हल

ग	क	ल	ड	व	ल	पं	धी	ऊं	ल	ज
र	धा	ल	भैं	स	ति	ड्र	इं	ट	ट	वा
त	स	या	ल	बि	ल्ली	र	रा	आ	ख	गो
ब	ज	ज	सु	पु	र	रा	प	ए	ली	य
म	क	दो	ग	ल्ला	लं	स	तू	उ	झ	म
स	क	री	प	ख	न	पू	ना	फ	घ	त
त्ते	अ	स	त	र	प	न	श	ज	ला	ट
पे	ता	दा	ई	गो	ब	कु	फ	रा	श	न
बं	बा	चे	न	श	जी	ई	ता	ल	प	रु
द	पा	ला	ल	न	क	दु	र	शा	स्त्री	ता
र	रा	जी	घो	ड़ा	धी	रा	इ	फ	ई	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 6897

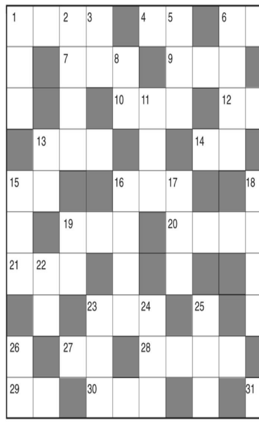

बायें से दायें:-

१. ऋषिकपूर, मनीषा की 'दिल की कही ना जाए' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली रितिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
६. कृतिका, सोनू की 'सुबह सुबह जब खिड़की' गीत वाली फिल्म-२
७. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
९. फिल्म 'चोरी चोरी' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'रणभूमि' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१२. ऋषिकपूर, डिम्पल की 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'पिया तू अब तो आजा' गीत वाली फिल्म 'कारवाँ' का नायक-३
१४. प्रशांत, ऐश्वर्या की 'कोलंबस कोलंबस' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली मनोज वाजपेयी, तब्बू की फिल्म-२
१६. जैकी, जूही, अमृता की 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दम भर जो उधर मुँह फेरे' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-३
२०. धर्मेन्द्र, हेमा की 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
२१. 'यादें' में रितिक की नायिका -३
२३. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मेरी जाँ प्यार करो' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी, रंजीता की फिल्म-२
२८. शत्रुघ्न, मिथुन, हेमा, अनिल राज की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देवआनंद, माला की फिल्म-२
३०. 'अगर जिंदगी हो तेरे संग हो' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'चंदा ने दी चाँदनी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. 'हँसदे हँसदे' गीत वाली कमल हासन, रवीना, मनीषा की फिल्म-३
२. अमिताभ, शाहरूख, उदय चोपड़ा, ऐश्वर्या, किम शर्मा, प्रीति की फिल्म-४
३. 'आजा आजा गिव मी ए' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
५. 'दिल क्यों धड़कता है' गीतवाली फिल्म-३
६. 'सुनिये तो रूकिये तो' गीत वाली शाहरूख, जूही चावला की फिल्म-२,२
८. फिल्म 'सवेरे वाली गाड़ी' में नायक-२
११. मिथुन, आदित्य, रेखा की 'मेरा नाम बिल्लू' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'अभी साँस लेने की' गीत वाली सलमान, सनी, करिश्मा की फिल्म-२
१५. सनी, मीनाक्षी, ममता की 'कोई जाए तो ले' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मेरे सपनों की रानी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१७. मिथुन, अतुल, पूजाभट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'जीवन के सफर में राही' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-४
१९. 'कभी हाँ कभी ना' में सुचित्रा कृष्णामूर्ति के चरित्र का नाम-२
२२. 'सनम तेरी कसम' में नायिका कौन-२
२३. सनी, अमृता की 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'प्यार कोई खेल नहीं' की नायिका-३
२५. 'रूके रूके से' गीत वाली फिल्म जिसमें संजीव, शर्मिला थे-३
२६. फिल्म 'संन्यासी' में नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 6896

घ	रौं	दा	■	जा	लि	म	■	आ	■
र	■	मि	ल	न	■	न	सी	ह	त
■	स	नी	■	व	■	■	मा	■	र
खे	ल	■	नू	र	ज	हाँ	■	मा	ला
■	मा	धु	री	■	मी	■	आँ	सू	■
शा	न	■	■	औ	र	त	■	म	स्त
गि	■	दि	ल	■	■	रा	खी	■	■
र्द	■	ल्ल	■	आ	र	जू	■	■	आ
■	स	गी	ना	■	वी	■	जा	गृ	ति
ह	त्या	■	ना	■	ना	गि	न	■	श

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8421

बाएँ से दाएँ

1. ईसा मसीह-3
3. जवान, तरुण-3
5. आकाश, व्योम-2
6. परत, अस्तर-2
8. गर्जना, दहाड़ना-4
11. मदद, आराम-3
13. सुगंध, खुशबू-3
14. धूल, मिट्टी-2
15. छत्तीसगढ़ की राजधानी-2
16. पिता, आविष्कारक-3
18. नस्ल, जाति, प्रजाति-3
20. ओस, रजनीजल-4
23. भीगा हुआ-2
25. बल, ताकत, दम-2
26. तेल या घी में पकाना -3
27. मसाज-3

ऊपर से नीचे

1. रसना, जिव्हा-2
2. सचेत, सावधान-3
3. जरुरत, आवश्यकता-3
4. ऋतु, मौसम-2
5. दृश्य, तमाशा-3
7. कंठ, गला-3
9. रीती, रिवाज-2
10. प्रसिद्ध, नामवर-4
12. तीर रखने का पात्र-4
16. भूमि, धरा-3
17. खदान, माईन-2
19. तरंग, हिलोर-3
21. प्रवाहित करना-3
22. भीड़, समूह-3
24. राय, वोट-2
25. उत्साह, ललक-2

शब्द पहेली -8420 का हल

■	म	ह	क	■	ता	म	झा	म
ज	न	■	म	न	न	■	■	स
हा	■	प	र	■	ना	स	■	ख
न	ज	र	बं	द	■	दा	य	रा
■	न	■	द	■	ह	■	म	■
दा	म	न	■	न	क	ब	ज	न
वा	■	ल	क	■	ब	स	■	ती
न	■	■	मा	य	का	■	ता	जा
ल	ति	या	ना	■	ना	सू	र	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

8 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

मंगलवार 2025 वर्ष का 189 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 00.39 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** ज्येष्ठा 03.15 बजे रात्र को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 22.17 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 11.58 बजे तदनन्तर तैतिल 00.39 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 12.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 22° 28' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872399 **जूलियन दिन** 2460864.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 12 **विशेष** प्रदोष व्रत, जयापार्वती व्रत प्रारंभ।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.01 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	सिंह	08.17 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.29 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.40 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.55 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.11 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.16 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.02 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.35 बजे से
राहुकाल		मेष	00.06 बजे से
3.00 से 4.30		वृष	01.46 बजे से
बजे तक		मिथुन	03.44 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः धर्मो की एकता

एक बार हकीम अजमल खां, डॉ. अंसारी तथा उनके कुछ मुस्लिम मित्र स्वामी श्रद्धानंद से मिलने गुरुकुल कांगड़ी, हरिद्वार पहुंचे। उस समय गुरुकुल की विशाल यज्ञशाला में हवन हो रहा था। स्वामी श्रद्धानंद के सभी मुस्लिम मित्र उस आयोजन को कौतूहल से देखने लगे। जब हवन समाप्त हो गया तो स्वामी जी ने स्नेहपूर्वक सभी साथियों का स्वागत किया। फिर सब बैठकर बातें करने लगे। कुछ देर बातें करने के बाद स्वामी जी ने अपने मित्रों से कहा, 'खाने का समय हो रहा है। चलिए भोजन कर लें। बाकी बातें हम खाना खाने के बाद करेंगे।' यह सुनकर उन अतिथियों में से एक बोला, 'स्वामी जी, यह समय हमारी नमाज का है, कृपया आप हमें कोई ऐसा स्थान बताइए जहां पर हम नमाज पढ़ सकें। भोजन हम नमाज पढ़ने के बाद ही करेंगे।' यह सुनकर स्वामी जी बोले, 'हवन समाप्त हो चुका है, यज्ञशाला खाली पड़ी है। आप सब यहां नमाज पढ़ सकते हैं।' यह सुनकर उनके मुस्लिम साथियों में से एक बोला, 'स्वामी जी, पर यह तो आपके हवन और पूजापाठ की जगह है। यहां पर हम कैसे....।' स्वामी जी उस व्यक्ति की बात बीच में काटते हुए बोले, ' भाई, यह यज्ञशाला वंदना के लिए है, वह चाहे पूजा के रूप में हो या नमाज के रूप में। बात तो एक ही है। सभी धर्मों का एक ही उद्देश्य है- एकता, प्रेम एवं शांति बनाए रखना। मेरे विचार में तो आप सब यहां बिना किसी संकोच के नमाज पढ़ सकते हैं। यदि आप ऐसा करेंगे तो इससे सभी धर्मों की एकता बढ़ेगी और हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी एक-दूसरे के भाई-भाई बनकर रहेंगे।' यह सुनकर सभी मुसलमान मित्रों ने उस यज्ञशाला में नमाज पढ़ी और स्वामी जी के विचारों की मन ही मन सराहना की। विभिन्न धर्मों में एकता बनाए रखने के लिए ही मुसलमान बंधुओं ने उन्हें बड़े आदर व प्रेम के साथ दिल्ली की जामा मस्जिद में बुलाकर उनका प्रवचन कराया।

सूडोकु नवताल- 7206

★☆☆☆☆ सरल

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 7205 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

शेयर बाजार सपाट बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को सपाट बंद हुए। सप्ताह के पहले ही दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों से बाजार आज तय दायरे में काम करता दिखा और इसमें दिन भर उतार-चढ़ाव रहा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 9.61 अंकों की हल्की तेजी के साथ 83,442.50 अंकों पर बंद हुआ। इसी तरह आज 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 0.30 अंकों की तेजी के साथ 25,461.30 अंकों पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स की 30 में से केवल 12 कंपनियों के शेयर ही बढ़कर बंद हुए। वहीं शेष सभी 20 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। इसी तरह, निफ्टी की 50 में से 22 कंपनियों के शेयर तेजी के साथ बंद हुए और बाकी की सभी 28 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल हिंदुस्तान यूनिलीवर का शेयर सबसे ज्यादा 3.00 फीसदी बढ़ा जबकि बीईएल (भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड) के शेयर आज सबसे ज्यादा 2.41 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों की बात करें तो आज कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर 1.07 फीसदी, ट्रेंट 0.94 फीसदी, रिलायंस इंजस्ट्रीज 0.90 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.89 फीसदी, आईटीसी 0.87 फीसदी, भारती एयरटेल 0.75 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 0.71 फीसदी, पावरग्रिड 0.65फीसदी, एनटीपीसी 0.64 फीसदी बढ़कर बंद हुए। वहीं दूसरी ओर टेक महिंद्रा के शेयरों में 1.83 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.28 फीसदी, मारुति सुजुकी 1.07 फीसदी, इंफोसिस 0.93फीसदी, एचसीएल टेक 0.86 फीसदी, एसबीआई 0.55 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.53फीसदी, टाइटन 0.50 फीसदी, टाटा स्टील 0.37 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.34 फीसदी गिरावट पर बंद हुए। इससे पहले आज सुबह बाजार मामूली गिरावट के साथ लाल निशान में खुले। सेंसेक्स करीब 50 अंक की गिरावट के साथ 83,398 अंक पर खुला। निफ्टी 53.75 अंक गिरकर 25,407.25 पर खुला। वहीं निवेशकों की नजर आज अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के टैरिफ पर अपडेट पर टिकी होगी। अमेरिकी के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने रविवार को कहा कि टैरिफ 1 अगस्त से उन देशों पर लागू होंगे जिन्होंने ट्रम्प प्रशासन के साथ समझौते को अंतिम रूप नहीं दिया है। निवेशक अप्रैल-जून तिमाही के नतीजों की तैयारी करेंगे। तिमाही सीजन इस सप्ताह शुरू होने वाला है। वहीं अमेरिकी टैरिफ लगाने की समयसीमा में बदलाव के कारण एशिया बाजारों में गिरावट देखी जा रही है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में मोदी की भागीदारी, वैश्विक मुद्दों पर जताई चिंता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि ब्रिक्स आर्थिक सहयोग और वैश्विक कल्याण के लिए एक मजबूत शक्ति बन चुका है। वे ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा ले रहे हैं, जहां दुनिया की 11 उभरती अर्थव्यवस्थाएं एक मंच पर एकत्र हुई हैं। इस वर्ष ब्रिक्स की अध्यक्षता ब्राजील कर रहा है। गौरतलब है कि चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस बार सम्मेलन में शामिल नहीं हुए। 2024 में ब्रिक्स का विस्तार करते हुए मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात को शामिल किया गया था, वहीं 2025 में इंडोनेशिया भी इस समूह का हिस्सा बन गया। मोदी पांच देशों की यात्रा के चौथे चरण में ब्राजील पहुंचे। इससे पहले वे घाना, त्रिनिदाद एवं टोबैगो और अर्जेंटीना की यात्रा कर चुके हैं। अर्जेंटीना में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति जेवियर मिलेई ने रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष और फार्मा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में गाजा संकट, ईरान-इजरायल टकराव और अमेरिकी टैरिफ जैसे अहम वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की संभावना है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा घोषित 100 प्रतिशत टैरिफ को लेकर भारत और ब्राजील दोनों ने चिंता जताई है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिक्स नेताओं ने अमेरिका की एकतरफा व्यापार नीतियों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है क्योंकि ये उपाय वैश्विक व्यापार को प्रभावित कर सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर राष्ट्रपति लूला का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ब्रिक्स आज भी वैश्विक स्थिरता और सहयोग का एक प्रमुख स्तंभ है।

साइबर क्राइम की चपेट में निष्क्रिय जनधन खाते, आरबीआई उठाएगा सख्त कदम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत खोले गए लाखों बैंक खाते, जो लंबे समय से निष्क्रिय पड़े हैं, अब साइबर अपराधियों के निशाने पर हैं। इन खातों का इस्तेमाल धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग और फर्जी लेनदेन के लिए किया जा रहा है। इसे देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ऐसे निष्क्रिय खातों को बंद या अस्थायी रूप से फ्रीज़ करने की योजना बना रहा है। खातों को पुन: सक्रिय करने के लिए केवाईसी प्रक्रिया जरूरी होगी। आरबीआई का मानना है कि निष्क्रिय खातों पर निगरानी बढ़ाकर बैंकिंग प्रणाली को सुरक्षित किया जा सकता है। इससे पहले भी कई मामलों में पाया गया कि साइबर अपराधी इन खातों का दुरुपयोग कर रहे थे। खाताधारकों को सलाह दी गई है कि वे अपने खातों में समय-समय पर लेनदेन करें और बैंकिंग जानकारी किसी के साथ साझा न करें। निष्क्रिय जनधन खातों को तब माना जाता है जब खाते में लगातार 24 महीने तक कोई लेनदेन न हो। बैंक इन खातों को नए सिरे से सक्रिय करने के लिए री-केवाईसी प्रक्रिया अपनाने में जुटे हैं। यदि खाताधारक खाता सक्रिय रखना नहीं चाहता है तो बैंक खाते को बंद कर देते हैं। एक वरिष्ठ सरकारी बैंकर ने बताया कि अधिकांश निष्क्रिय खाते ग्रामीण इलाकों से हैं, जहां बैंकिंग गतिविधि कम होती है। जनधन खातों का दुरुपयोग बढ़ने के कारण भारतीय रिजर्व बैंक ने 'म्यूल हंटर' नामक एक मॉडल विकसित किया है, जो म्यूल खातों की पहचान करता है। यह मॉडल साइबर अपराधियों द्वारा धोखाधड़ी के जरिये जमा की गई रकम को रखने वाले खातों को ट्रैक करता है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में डिजिटल भुगतान से जुड़े 13,516 धोखाधड़ी के मामले सामने आए, जिनमें से 56.5 प्रतिशत बैंकिंग से संबंधित थे। कुल धोखाधड़ी की राशि 520 करोड़ रुपये के आसपास रही। भारतीय स्टेट बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) योजना के तहत अधिक खाते खुलवाने की गलत धारणा के कारण 2014-15 में बहुत से खाते खोले गए थे।

नगर में जल निकासी की समस्या बरकरार, बारिश से घरों में घुस रहा पानी

लांजी (पद्मेश न्यूज)। जिले में मानसून की सक्रियता बढ़ने के साथ प्रतिदिन बारिश हो रही है, लेकिन लांजी नगर मुख्यालय में जल निकासी की व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। बालाघाट रोड पर वार्ड क्रमांक 20, बिसोनी में नगर परिषद द्वारा बनाई गई नाली से पूरे नगर का पानी निकाला जा रहा है, जिससे वार्ड क्रमांक 12 और ग्राम पंचायत बिसोनी के निवासियों के लिए मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। बारिश का पानी खेतों और घरों में घुस रहा है, जो हर साल की समस्या बनी हुई है। इसके बावजूद नगर परिषद और इंजीनियरों ने इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकाला। भारी बारिश के बीच जेसीबी और कुछ कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचकर समस्या का हल करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन यह प्रयास नाकाफी साबित हो रहा है। पानी का निकास एक निजी खेत में हो रहा है, जिससे खेत तालाब में तब्दील हो चुका है और आसपास के घरों में भी पानी भर रहा है।

डेढ़ दशक बाद भी अनसुलझी समस्या

जानकारों के अनुसार, लांजी में नगर परिषद के गठन को डेढ़ दशक से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन जल निकासी की समस्या का समाधान नहीं हो सका। लाखों-करोड़ों के ठेके लेने वाले ठेकेदारों और विभागीय इंजीनियरों के बावजूद इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इसका खामियाजा स्थानीय निवासियों, दुकानदारों और राहगीरों को भुगतना पड़ रहा है।

इंजीनियर की लापरवाही का परिणाम भुगत रही जनता-लीलाधर डोलस

मौका स्थल पर मौजूद वार्ड क्रमांक 5 के पार्षद पति लीलाधर डोलस ने इस मामले में अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि नगर परिषद को भूमि स्वामी द्वारा पिछले कई वर्षो से आवेदन देकर पक्की नाली निर्माण कर पानी निकासी की व्यवस्था बनाने के लिये कहा जा रहा है परंतु नगर परिषद द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जाता। उन्होने कहा कि नगर परिषद में वर्तमान में जो इंजीनियर पदस्थ है उन्हें नगर की जल निकासी की गंभीर समस्या के विषय में कोई गंभीरता नहीं है। जबकि वह यहां काफी समय से पदस्थ हैं। इस कार्य के पीछे पिछले कई वर्षों लाखों रूपये शासन का खर्च हो चुका है परंतु हल आज तक नहीं निकला परंतु कमीशन वाले बिल जरूर पास हुए हैं। उन्होने कहा नगर परिषद को चाहिए की तत्काल ही यहां किसी अनुभवशील इंजीनियर को पदस्थ किया जाए जो नगर की मूलभूत समस्याओं का सही आकलन कर उसका निराकरण कर सके।

इनका कहना है

बालाघाट रोड से पानी निकासी की समस्या के लिये नगर परिषद पूरी तरह गंभीर है। उक्त स्थान पर सीसी नाली निर्माण का टेंडर हो चुका है साथ ही वर्क आर्डर भी हो चुका है, परंतु लगातार बारिश होने के कारण कार्य शुरू नहीं हो पाये हैं जैसे ही बारिश का दौर खत्म होता है तेजी से विकास कार्य कराये जाएंगे ताकि नगर की जनता को इस समस्या से निजात मिल सके।

मयूर वाहने, सीएमओ
नगर परिषद लांजी

नलों से आ रहा गंदा पानी, नगर परिषद की लापरवाही से लोग परेशान

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर परिषद लांजी के अंतर्गत जल आपूर्ति व्यवस्था इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है, क्योंकि क्षेत्र के कई हिस्सों में नलों से मटमैला और गंदा पानी सप्लाई हो रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से नलों में आने वाला पानी इतना दूषित है कि उसमें बदबू और कीचड़ जैसी अशुद्धियां साफ नजर आ रही हैं। इससे न केवल पीने के पानी की समस्या उत्पन्न हो रही है, बल्कि घरेलू उपयोग जैसे खाना बनाने और नहाने में भी परेशानी हो रही है। लोगों को डर है कि इस गंदे पानी के कारण जलजनित बीमारियां जैसे डायरिया, पीलिया और अन्य संक्रमण फैल सकते हैं।

समस्या की जड़-टूटी पाइपलाइन और बारिश का पानी

स्थानीय लोगों का अनुमान है कि जल आपूर्ति की पाइपलाइन में कहीं रिसाव या टूट-फूट हो सकती है, जिसके कारण बारिश का गंदा पानी पाइपलाइन में मिल रहा है। मानसून के मौसम में नालियों और सड़कों पर जमा गंदा पानी, पाइपलाइन में रिसाव के जरिए नलों तक पहुंच रहा है। कई मोहल्लों में पुरानी और जर्जर पाइपलाइनों की वजह से यह समस्या और गंभीर हो गई है। नागरिकों की शिकायतें और नगर परिषद की उदासीनता के चलते लांजी के कई वार्डों में इस समस्या की शिकायत दर्ज की है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय निवासियों ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से गंदा पानी आ रहा है, पानी इतना गंदा है कि बर्तन धोने तक में बदबू आती है। हमने नगर परिषद के अधिकारियों को कई बार सूचित किया, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। एक अन्य निवासी बच्चों के लिए साफ पानी की व्यवस्था करना मुश्किल हो गया है। हम बोतलबंद पानी खरीदने को मजबूर हैं, जो हर परिवार के लिए संभव नहीं।

स्वास्थ्य पर मंडराता खतरा

चिकित्सकों ने चेतावनी दी है कि गंदे पानी की आपूर्ति से जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय डॉक्टर अजय पटेल ने बताया, 卐पाइपलाइन में नाली का पानी मिलने से बैक्टीरिया और वायरस का खतरा बढ़ जाता है, जो डायरिया, टाइफाइड, और पीलिया जैसी बीमारियों का कारण बन सकता है। लोगों को सलाह दी जाती है कि जब तक समस्या का समाधान न हो, पानी को उबालकर और फिल्टर करके उपयोग करें।

नगर परिषद का कहना है

नगर परिषद के पानी से सप्लाई करने वाले कर्मचारी ने इस मुद्दे पर सफाई देते हुए कहा कि बारिश के कारण कुछ क्षेत्रों में पाइपलाइन में रिसाव की समस्या उत्पन्न हुई है। अमृत पेयजल योजना के तहत नई पाइपलाइन बिछाने का कार्य चल रहा है, लेकिन पुरानी पाइपलाइनों की मरम्मत में देरी हो रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही प्रभावित क्षेत्रों में पाइपलाइन की जांच और मरम्मत का कार्य शुरू किया जाएगा। हालांकि, नागरिकों का कहना है कि ऐसे आश्वासनों का कोई ठोस परिणाम अब तक नहीं दिखा।

नागरिकों की मांग

संभावित गंदे पानी की समस्या से त्रस्त नागरिकों ने नगर परिषद से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। बारिश के मौसम में नालियों की सफाई और पाइपलाइनों की नियमित जांच को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी समस्याओं से बचा जा सके।नागरिकों की मांग है कि नगर परिषद न केवल तात्कालिक समाधान प्रदान करे, बल्कि दीर्घकालिक योजनाओं के तहत जल आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करे। जब तक ठोस कदम नहीं उठाए जाते, लांजी के निवासियों को इस गंभीर समस्या से जूझना पड़ सकता है।

लगातार बारिश से प्रशासन अलर्ट पर

पुलिस बल एवं बाढ आपदा प्रबंधन के साथ किया निरीक्षण, कोटेश्वर महादेव का प्रकृति ने किया जलाभिषेक

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र मे विगत 3 दिनो से लगातार बारिश के चलते क्षेत्र के सभी नदी नाले उफान पर है, जिसके चलते बाढ जैसी स्थिती निर्मित हो गई है। क्षेत्र में मानसूनी दस्तक के बाद से ही लगातार वर्षा हो रही है। विगत तीन दिनों से जारी वर्षा में लगभग सभी नदी नाले उफान पर है। छोटे बडे नाले पुल की स्थिती बंद और शुरू होते दिखाई दे रही है। लांजी क्षेत्र के चिखलामाली, सावरीकला, पौनी, खोलमारा आदि मार्गो के बंद होने की जानकारी प्राप्त हुई है। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों एवं बाढ आपदा प्रबंधन, लांजी पुलिस के द्वारा भी ऐसे स्थानों का निरीक्षण किया गया जहां बाढ के हालात बनते है। वहीं कलेक्टर बालाघाट मृणाल मीणा के द्वारा बारिश के बढते हालात को देखते हुये शासकीय एवं अशासकीय शालाओं में 7 और 8 जुलाई को विद्यार्थियों के लिये अवकाश घोषित किया है।

एसडीएम सिंहसार ने पुलिस बल एवं बाढ आपदा प्रबंधन के साथ निरीक्षण

क्षेत्र मे हो रही लगातार बारिश के साथ प्रशासन भी अलर्ट मे आ चुका है तथा मुस्तैदी के साथ पुलिस एवं राजस्व के अधिकारी जिनमे एसडीएम कमलचंद सिंहसार, एसडीओपी ओमप्रकाश भापुसे, थाना प्रभारी व्यंकट टांडिया, तहसीलदार भवेदी नायब तहसीलदार संजय बारस्कर, पुलिस बल, बाढ आपदा प्रबंधन होमगार्ड, राजस्व अमला आदि के द्वारा क्षेत्र मे जिन जिन स्थानो पर जल भराव एवं नदी नाले उफान की स्थिती दिखाई दी है उन स्थानो पर प्राथमिकता के साथ निरीक्षण कर स्थिती को सुचारू किया गया है। उक्त दल के द्वारा क्षेत्र के ग्राम रिसेवाड़ा, ओटेकसा, जामुनटोला, अंधियाटोला बहेला, लाड़सा, चिखलामाली, सर्रा, नेवरवाही, घोटी, नंदोरा, लोढ़ामा, बापड़ी परसोड़ी, देवलगांव आदि ग्रामो को अलग अलग टीम के द्वारा निरीक्षण किया गया। साथ ही स्थानीय कोटवार, सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, स्वास्थ्य अमला आदि को निर्देशित किया गया है कि बारिश लगातार हो रही है बाढ जैसे हालत उत्पन्न हो सकते है अलर्ट पर रहे। तथा वस्तु स्थिती से अवगत कराते रहे। बाढ आपदा प्रबंधन को भी उक्त स्थिती का जायेजा लेने के लिये निर्देशित किया गया है। वहीं एसडीएम लांजी के द्वारा ग्राम वासियों से अपील की गई है कि कोई भी अनायास नदी नाले, तालाबों के किनारे ना जाये, अपने मवेशी भी उक्त स्थानों पर लेकर ना जाये कोई भी अप्रिय घटना घटित हो सकती है सतर्क रहे सुरक्षित रहे।

कोटेश्वर महादेव का प्रकृति ने किया जलाभिषेक

प्रतिवर्ष प्रकृति कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक करती है लेकिन यह पहली बार हुआ है कि पहली ही बारिश में कोटेश्वर महादेव का प्रकृति के द्वारा जलाभिषेक किया गया। हमेशा से देखने मे आया है वर्षा काल के मध्य या सावन मास के बाद भारी बारिश होने पर यह स्थिती निर्मित हुआ करती थी लेकिन इस वर्ष दो दिन से लगातार हो रही बारिश यह स्थिती निर्मित हुई और कोटेश्वर महादेव मंदिर गर्भगृह मे जल भराव हो गया अध्यात्मिक दृष्टि कोण से देखा जाये तो जिसे प्रकृति के द्वारा कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया जाना कहा जा रहा है।

लगातार बारिश से क्षेत्र के नदी नाले उफान पर

पौनी खोलमारा कोसमारा मार्ग हुआ बंद, कटंगनाले पर चढ़ा पानी, सालेटेकरी मार्ग पर अनेक ग्रामों का सम्पर्क टूटा

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र भारी वर्षा के चलते जहां सभी नदी नाले, तालाब आदि उफान पर है तो वहीं क्षेत्र के अनेको ऐसे ग्राम है जो कि मुय मार्गो से इनका संपर्क टूट चुका है। विगत कई वर्षो से देखा जा रहा है कि लांजी जनपद पंचायत अन्तर्गत ग्राम पंचायत पौनी खोलमारा- कोसमारा मार्ग हमेशा से ही पहली बारिश में ही बंद हो जाता है। यहां स्थित छोटा नाला उफान पर होने के चलते जल भराव की स्थित उत्पन्न हो जाती है तथा दोनो ही ग्रामो के मध्य संपर्क टूट जाता है। कई बार देखा गया है कि जान जोखिम में डालकर ग्रामीण एवं स्कूली बच्चे, कर्मचारी तथा अन्य जन यह रास्ता पार करते है। लेकिन इस मार्ग की सुध अब तक शासन प्रशासन नही ले पा रहा है उक्त मार्ग पर उच्चस्तरीय पुल की मांग ग्रामीण जनों के द्वारा की गई है। इसी कड़ी में लांजी वनांचल क्षेत्र अन्तर्गत खुर्शीटोला से नसकट्टा मार्ग भी अवरूद्ध हो चुका है। लगातार बारिश के चलते उक्त मार्ग पर पडने वाला नाला उफान पर है दोनो ही ग्रामो के मध्य संपर्क टूट चूका है वहीं भारी बारिश जारी है जो कि आज भी बताया जा रहा है कि उक्त मार्ग पर आवागमन बंद रह सकता है।

कटंगनाले पर पुल निर्माण की मांग

लांजी मुख्यालय से महज 4 किमी की दुरी पर स्थित काष्ठागार बांस डिपो के पास लांजी सालेटेकरी मुय मार्ग को जोडने वाला कटंगनाला यदि यह नाला बंद हो जाये तो लांजी से सालेटेकरी सहित वनांचल क्षेत्र के सैकड़ो ग्रामो का संपर्क टूट जाता है। जैसे ही लगातार वर्षा होती है यह नाला बंद हो जाता है जिसके चलते

अनेको कार्य अवरूद्ध हो जाते है। शासकीय अशासकीय शालाओ में आने वाले विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी, व्यापारी, किसान साथी सहित अनेको ऐसे हजारो लोग जो कि रोजाना किसी ना किसी कार्य के लिये लांजी मुयालय आते है लेकिन यदि कटंगनाला उफान पर है तो उक्त जनो में से कोई भी ना तो लांजी मुयालय आ सकता है ना ही कोई भी कटंगनाले के बाद पडने वाले ग्रामो में जा सकता है। बतादे कि उक्त मार्ग जहां सालेटेकरी, बैहर, मलाजखण्ड को जोड़ता तो वही छत्तीसगढ़ राज्य को भी जोडने वाला यह प्रमुख मार्ग है। साथ ही पुलिस विभाग के द्वारा भी उक्त मार्ग पर पुलिस चौकियॉ निर्मित है कटंगनाले के बंद होने से उन्हे परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसलिये आवश्यक है कि कटंगनाले पर उच्चस्तरीय पुल का निर्माण कार्य किया जाना अतिआवश्यक है। यदि इस नाले पर उच्च स्तरीय पूल का निर्माण हो जाता है तो यह हजारो लोगो के लिये एक मील का पत्थर साबित होगा।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

बच्चों की उम्र तय करने में 4 माह का अंतर

माशिमं और राज्य शिक्षा केंद्र में तालमेल की गड़बड़ी से बिगड़ा खेल

भोपाल। मप्र के सरकारी विभागों के बीच आपसी तालमेल नहीं होने के कई उदाहरण सामने आते हैं, जिससे हितग्राहियों को सरकारी कार्यालयों के बेवजह चक्कर काटने पड़ते हैं। लेकिन अब एक ही विभाग की विभिन्न शाखाओं में तालमेल नहीं होने का मामला सामने आया है। इसका असर स्कूली बच्चों के भविष्य पर पड़ रहा है, लेकिन इसमें सुधार के लिए विभाग तैयार नहीं है। जिससे अभिभावक परेशान हो रहे हैं। बता दें कि स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले माध्यमिक शिक्षा मंडल और राज्य शिक्षा केंद्र के बीच तालमेल की कमी है। इसका खामियाजा छात्र और उनके परिजनों को भुगतना पड़ रहा है। दरअसल, स्कूलों में प्रवेश के लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल और राज्य शिक्षा केंद्र के अलग-अलग मापदंड है। जिससे दोनों शाखाओं की प्रवेश नीति में बच्चों की उम्र तय करने की तिथियों में 4 महीने का अंतर है। ऐसे में बच्चों को एडमिशन लेने में परेशानी हो रही है।

बच्चों के एडमिशन में होती है परेशानी

दरअसल, प्रदेश में पहली से आठवीं तक शैक्षणिक कार्यक्रम जारी करने और नियम बनाने की जिम्मेदारी राज्य शिक्षा केंद्र की है। राज्य शिक्षा केंद्र ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए जारी नई प्रवेश नीति में उम्र की गणना 31 जुलाई 2025 से होती है। वहीं, एमपी बोर्ड के नियमानुसार 9वीं कक्षा में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों की उम्र न्यूनतम 13 वर्ष होनी चाहिए। जबकि 9वीं कक्षा में प्रवेश के लिए उम्र की गणना 1 अप्रैल 2025 से तय करने के निर्देश दिए हैं।

नियमों के कारण नहीं हुआ दाखिला

भोपाल के अशोका गार्डन क्षेत्र में रहने वाले पवन लोधी ने बताया कि मेरे बेटे की उम्र 31 जुलाई 2025 तक 6 साल 6 महीने हो रही है, जिससे उसका एडमिशन नहीं हो पाया। यदि उम्र की गणना 1 अप्रैल 2025 से की जाती तो वह 6 साल 2 महीने का रहता और उसका आसानी से एडमिशन हो जाता। अब एक साल बर्बाद होगा। वहीं, अवधपुरी निवासी राकेश पाठक ने बताया कि राज्य शिक्षा केंद्र के नियमानुसार उनके बेटी का एडमिशन केजी टू में हो गया है। लेकिन जब बेटी 9वीं कक्षा में पहुंचेगी तो उसके एडमिशन में परेशानी हो सकती है। उसकी उम्र में 3 महीने का अंतर आ सकता है।

उम्र का बंधन बना परेशान का कारण

राज्य शिक्षा केंद्र के अनुसार कक्षा पहली में दाखिले के लिए न्यूनतम आयु 6 वर्ष और अधिकम आयु 7.5 वर्ष निर्धारित की गई है। लेकिन इसके पहले तक बच्चों को 3 से 5 साल के बीच आंगनबाड़ी में प्रवेश दिया जाता था। इसके बाद 5 साल की उम्र में उन्हें पहली कक्षा में प्रवेश मिल जाता था। दरअसल, राज्य शिक्षा केंद्र उम्र की गणना 31 जुलाई से करता है। ऐसे में 5 साल में पहली कक्षा में प्रवेश लेने वाला छात्र 8 साल बाद 31 जुलाई को 13 वर्ष की आयु पूरी कर सकेगा। जबकि माध्यमिक शिक्षा मंडल के अनुसार 9वीं में प्रवेश के लिए बच्चों की उम्र 13 वर्ष होनी चाहिए, इसकी गणना 1 अप्रैल से होती है। जिसके कारण कई छात्र इस अवधि में 13 वर्ष की आयु पूरी नहीं कर पाते और बाद में उनके एडमिशन में परेशानी होती है।

एडमिशन में कोई खास फर्क नहीं पड़ता

इस मामले में माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव डॉ. संजय गोयल ने कहा कि राज्य शिक्षा केंद्र और माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जो गाइडलाइन जारी की जाती है, उनमें उम्र तय करने की तारीख में दो से तीन महीने का मार्जिन रहता है। कोई तारीख निर्धारित कर देने से दोनों स्कूलों के एडमिशन में कोई खास फर्क नहीं पड़ता है। हालांकि, कुछ अपवाद हो सकता है। लेकिन सामान्यतः ऐसा नहीं होता है।

राजा भोज एयरपोर्ट से शुरू हो सकती हैं इंटरनेशनल फ्लाइट

- भोपाल सहित देश के 13 अन्य हवाई अड्डों पर लागू होगी प्रोत्साहन योजना

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट से जल्द ही इंटरनेशनल फ्लाइट्स शुरू होने की संभावना है। खबर है कि अक्टूबर 2025 से भोपाल से दुबई, यूएई और सिंगापुर के लिए सीधी उड़ानें शुरू हो सकती हैं। इस पहल को बढ़ावा देने के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया) ने पार्किंग और लैंडिंग चार्ज में विशेष छूट देने की घोषणा की है। यह प्रोत्साहन योजना भोपाल सहित देश के 13 अन्य हवाई अड्डों पर लागू होगी, जिसका उद्देश्य इंटरनेशनल उड़ानों को बढ़ावा देना और यात्रियों को किफायती किराए में यात्रा का अवसर प्रदान करना है। इस योजना से एयरलाइन कंपनियों को हर महीने 18 से 20 लाख रुपये की बचत होने का अनुमान है।

यात्रियों के लिए सुनहरा अवसर

एयरपोर्ट अथॉरिटी ने एयरलाइंस को स्लॉट बुकिंग के लिए सूचित कर दिया है, और जल्द ही कस्टम और इमिग्रेशन सुविधाओं को और मजबूत किया जाएगा। इस कदम से न केवल भोपाल की कनेक्टिविटी बढ़ेगी, बल्कि आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी। यात्रियों के लिए यह एक सुनहरा अवसर होगा, क्योंकि कम किराए में वे अब दुबई और सिंगापुर जैसे अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों की यात्रा कर सकेंगे।

योजना बेहद अहम

भोपाल जैसे शहरों के लिए यह योजना बेहद अहम साबित हो सकती है। यहां से फिलहाल विदेश यात्रा के लिए यात्रियों को दिल्ली, मुंबई या हैदराबाद जाना पड़ता है, जिससे समय और पैसा दोनों ज्यादा लगते हैं। लेकिन अगर सीधी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू होती हैं तो स्थानीय लोगों को काफी राहत मिलेगी और साथ ही कारोबार, टूरिज्म और निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा।

वाह रे एमपी पुलिस...बीते 12 सालों से घर बैठ सैलरी ले रहा था कॉन्स्टेबल

भोपाल। मध्य प्रदेश में पुलिस विभाग में हुई एक चौंकाने वाली लापरवाही सामने आई है, जहाँ एक कॉन्स्टेबल, अभिषेक उपाध्याय, 12 साल तक बिना काम किए घर बैठे वेतन लेता रहा।

दरअसल उपाध्याय की भर्ती साल 2011 में मध्य प्रदेश पुलिस में हुई थी। अभिषेक को भोपाल पुलिस लाइन में तैनात किया और फिर पुलिस ट्रेनिंग के लिए सागर भेजा गया। इसके बाद अभिषेक न सागर ट्रेनिंग सेंटर पहुँचे और न ही किसी को इसकी सूचना दी। वे सीधा अपने घर विदिशा लौट गए। उन्होंने न छुट्टी के लिए आवेदन दिया और न ही कोई मेडिकल पेपर संबंधित विभाग के पास जमा किया। उन्होंने अपनी सर्विस फाइल स्पीड पोस्ट से भोपाल भेज दी, जिसमें उन्होंने लिखा कि उनकी तबीयत खराब थी।

हैरानी की बात यह रही कि सिस्टम में कहीं कोई गड़बड़ी नहीं दिखी। भोपाल ऑफिस ने मान लिया कि उनकी ट्रेनिंग शुरू हो चुकी है, जबकि सागर सेंटर को जानकारी ही नहीं थी कि अभिषेक नहीं पहुँचे। इस तरह, 12 साल तक उन्हें हर महीने वेतन मिलता रहा।

10 साल बाद, जब समयमान वेतनमान लागू होना था और सर्विस रिकॉर्ड की जाँच की गई, तब अभिषेक के नाम के आगे न कोई पुरस्कार का जिक्र था, न ही कोई सजा के बारे में लिखा था। इससे अधिकारियों को शक हुआ। जब अभिषेक से संपर्क किया गया, तब पता चला कि वह कभी नौकरी पर था ही नहीं और घर पर ही बैठा था।

इस बारे में एसीपी अंकिता खतेड़कर के अनुसार, अभिषेक उपाध्याय ने 12 साल में विभाग से करीब 35 से 40 लाख रुपये की सैलरी ली होगी। वहीं अभिषेक ने अपनी गलती स्वीकार कर कहा है कि वह नया-नया भर्ती हुआ था और पुलिस विभाग की प्रक्रियाओं की जानकारी नहीं थी। उसका स्वास्थ्य खराब था और वह मानसिक रूप से भी ठीक नहीं था, जिसका वह इलाज करवा रहा था। वहां ली गई सैलरी में से 1 लाख रुपये जमा कर चुका है और बाकी भी धीरे-धीरे चुका देगा। यह घटना मध्य प्रदेश पुलिस विभाग में आंतरिक नियंत्रण और जवाबदेही की गंभीर कमी को उजागर करती है।

सांदीपनि विद्यालयों में चलेगा कॅरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम

भोपाल। प्रदेश के सांदीपनि विद्यालयों में पढने् वाले कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों का करियर मार्गदर्शन यूनिसेफ के सहयोग से दिया जायेगा। कॅरियर रिफ्रेशर प्रशिक्षण के द्वारा प्रत्येक विद्यालय के एक नोडल शिक्षक को संसाधनों को उपयोग करने के लिये सक्षम बनाया जा रहा है। नोडल शिक्षक के माध्यम से ही विद्यालय में कॅरियर मार्गदर्शन प्रदान करने वाली गतिविधियां संचालित की जायेंगी। कॅरियर मार्गदर्शन के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग के आयुक्त लोक शिक्षण कार्यालय ने प्रदेश के समस्त सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्यों को पत्र लिखकर दिशा-निर्देश जारी किये हैं।

नोडल शिक्षक एवं कक्षा शिक्षक की सहायता से सभी विद्यार्थियों से कॅरियर इनफॉर्मेशन डायरी और कॅरियर फोल्डर तैयार कराया जायेगा, जिसमें हर माह की कॅरियर संबंधी जानकारी संधारित कराई जायेगी। कॅरियर गतिविधियों का संचालन राज्य स्तर से जारी कॅरियर कैलेंडर के अनुसार विद्यालयों में नियमित रूप से संचालित कराया जायेगा। निर्देश में यह भी कहा गया है कि विद्यालय समय सारणी में विद्यार्थियों के कॅरियर मार्गदर्शन के लिये कम से कम 2 पीरियड प्रति माह आवंटित किये जायें। विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों की संख्या के अनुसार कॅरियर नोडल शिक्षक एवं सहयोगी शिक्षकों के माध्यम से कॅरियर मार्गदर्शन सत्रों की योजना बनाकर सुव्यवस्थित संचालन करवाया जाये। कॅरियर गाइडेंस में प्रशिक्षित नोडल शिक्षक के माध्यम से विद्यालय के कक्षा 9 से 12 तक अध्यापन कराने वाले अन्य 2 शिक्षकों को भी शाला स्तर पर प्रशिक्षित करके उनका सहयोग लिया जाये।

प्रार्थना सभा में मिलेगी विस्तृत जानकारी

विद्यालय में प्रार्थना सभा में कॅरियर गाइडेंस के तहत किसी एक डोमेन से संबंधित एक या दो कॅरियर कार्ड की संक्षिप्त जानकारी सप्ताह में किन्हीं 3 दिनों में साझा की जा सकती है। इस प्रक्रिया से विद्यार्थी कॅरियर के प्रति रूचि लेकर स्वयं कार्ड पढक़र विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेगा। निर्देश में कहा गया है कि प्रत्येक सांदीपनि विद्यालय में एक कॅरियर कार्नर बनाया जाये जिसमें कॅरियर संबंधी सामग्री, कॅरियर कार्ड, पोस्टर, ब्रोशर और विद्यार्थी द्वारा बनाई गई सामग्री प्रदर्शित की जाये।

कॅरियर मेला का आयोजन

सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्यों से इस शैक्षणिक सत्र में जनवरी माह में कॅरियर मेला आयोजन की विस्तृत रूपरेखा तैयार करने के लिये कहा गया है। विद्यालय स्तर पर मॉनिटरिंग के लिये प्राचार्यों से कहा गया है कि कॅरियर मार्गदर्शन से संबंधित विमर्श पोर्टल की मॉनिटरिंग फार्म को नोडल शिक्षक की सहायता से भरवाया जाये। प्राचार्य द्वारा कम से कम 2 कॅरियर मार्गदर्शन कक्षाओं का अवलोकन करके संबंधित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को उचित मार्गदर्शन दिया जाये।

राज्य स्तर की गतिविधियां

राज्य स्तर कॅरियर मार्गदर्शन के लिये आवश्यक संसाधन जिनमें 501 करियर कार्डस् हिन्दी एवं अंग्रेजी में, पोस्टर, ब्रोशर और 7 एजुकेशनल वीडियो को विमर्श पोर्टल पर अपलोड कराया जा रहा है। प्रत्येक माह में नोडल शिक्षकों के साथ एक घंटे की ऑनलाइन समीक्षा की जायेगी। इस वर्ष अक्टूबर एवं दिसंबर में कॅरियर संबंधित विषयों पर वेबिनार के आयोजन का भी किया जाना प्रस्तावित है।

डेढ़ महीने तक चलेंगे एमपीपीएससी इंटरव्यू

- 229 पद के लिए 800 अभ्यर्थी शामिल होंगे

भोपाल। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा-2023 की अंतिम चरण की प्रक्रिया, यानी साक्षात्कार, सोमवार से शुरू हुआ है। इस बार आयोग ने साक्षात्कार प्रक्रिया में अहम बदलाव किए हैं। अब उम्मीदवारों को आवेदन पत्र में अपना उपनाम, मोबाइल नंबर और ई-मेल सहित अन्य व्यक्तिगत जानकारी भरने की आवश्यकता नहीं होगी। रोजाना 60 से 65 उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा। चयन प्रक्रिया के तहत उम्मीदवारों को फार्म में विभागों की प्राथमिकता देनी होगी। पहले यह इंटरव्यू 18 से 20 दिन में खत्म होते थे जो इस बार एक से डेढ़ माह तक चलेंगे। 229 पदों के लिए 800 अभ्यर्थी इंटरव्यू देंगे।

एमपीपीएससी ने इस परीक्षा की अधिसूचना अक्टूबर 2023 में जारी की थी। इसके बाद जनवरी 2024 में प्रारंभिक परीक्षा और मार्च 2024 में मुख्य परीक्षा आयोजित की गई थी। करीब नौ महीने की लंबी प्रक्रिया के बाद, 30 दिसंबर 2024 को मुख्य परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया। इस परीक्षा में कुल 800 उम्मीदवार चयनित हुए, जिनमें 659 मुख्य सूची और 141 प्रावधिक सूची में हैं। सात जुलाई से साक्षात्कार शुरू हो चुके हैं और इसके लिए चयनित उम्मीदवारों को एडमिट कार्ड जारी किए जा रहे हैं।

रिक्त पदों की संख्या और विभाग

राज्य सेवा परीक्षा-2023 के अंतर्गत कुल आठ विभागों के लिए 229 रिक्त पदों पर भर्ती की जा रही है। इन पदों में 27 डिप्टी कलेक्टर, 22 पुलिस उप अधीक्षक, 17 जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, 16 विकासखंड अधिकारी, 122 सहकारी निरीक्षक, 17 मुख्य नगर पालिका अधिकारी, तीन नायब तहसीलदार और तीन आबकारी उप निरीक्षक शामिल हैं। आयोग द्वारा सभी विभागों में नियुक्ति के लिए प्रक्रिया को पारदर्शी और प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया है।

उम्मीदवारों को प्राथमिकता देने का अवसर

इस बार उम्मीदवारों को विभागों के चयन में प्राथमिकता देने का अवसर मिलेगा, जिससे वे अपनी रुचि और योग्यता के अनुसार सेवा में स्थान प्राप्त कर सकें। अधिकारियों का कहना है कि यह प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष चयन सुनिश्चित करेगी। साक्षात्कार के लिए बुलाए जा रहे उम्मीदवारों की संख्या को देखते हुए आयोग ने पूरी तैयारी कर ली है और साक्षात्कार प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं।

10वीं व 12वीं की दूसरी परीक्षा में विद्यार्थियों को मिलेंगे आठ बोनस अंक

गणित और भौतिकी के प्रश्नपत्रों में त्रुटियों के कारण विद्यार्थियों को मिलेंगे आठ बोनस अंक

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिम) की 10वीं व 12वीं की द्वितीय परीक्षा समाप्त हो गई है। दो जून से मूल्यांकन भी शुरू कर दिया गया है। 10वीं व 12वीं के गणित और भौतिकी के जिन प्रश्नों में गलती थी, उनमें विद्यार्थियों को आठ अंक बोनस दिए जाएंगे। वहीं जीरो और 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों की कॉपी दोबारा चेक की जाएगी। एक और दो नंबर से किसी विषय में विशेष योग्यता या प्रथम श्रेणी की पात्रता से वंचित होने वाले परीक्षार्थियों पर भी फोकस किया जाएगा। उनकी कॉपी के हर पेज पर मिले अंकों को जोडने् में भी विशेष सावधानी बरती जाएगी। इसके अलावा कॉपियों की चेकिंग आदर्श उत्तर के अनुसार होगी। विद्यार्थी को हर स्टेप के नंबर देने होंगे। अगर शिक्षक ने गलत कॉपी जांची तो बाद में विद्यार्थी के कॉपी में नंबर बढने् पर शिक्षक पर एक नंबर बढने् पर 100 रुपये जुर्माना लगाया जाएगा।

राजधानी के एक परीक्षा केंद्र पर 19 जून को 12वीं के विद्यार्थियों से 10वीं का प्रश्नपत्र हल करा लिया गया था। इस संबंध में अभी तक स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से केंद्राध्यक्ष व पर्यवेक्षक पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। बता दें कि 10वीं व 12वीं की द्वितीय परीक्षा में करीब साढ़े तीन लाख विद्यार्थियों की नौ लाख उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन होना है।

इन प्रश्नों में हुई है गड़बड़ी

10वीं उर्दू के प्रश्नपत्र में जिन विद्यार्थियों को उर्दू का सेट बी, सी व डी मिला था, उसके एक प्रश्न में गलती थी। सेट बी के प्रश्न क्रमांक 17 के बाद जो नोट दिया गया है, उसमें प्रश्न क्रमांक 13 एवं प्रश्न क्रमांक 14 का जबाव लिखें अंकित है। इसी प्रकार की गलती सी व डी सेट में है। इन प्रश्न को हल करने के प्रयास में विद्यार्थियों को बोनस के दो-दो अंक दिए जाएंगे। वहीं दसवीं की गणित में चारों सेट में एक प्रश्न गलत है। सेट ए के प्रश्न क्रमांक दो(छह) में गलती है। इसी प्रकार बी, सी व डी सेट है। इस प्रश्न को हल करने के प्रयास में विद्यार्थियों को बोनस के एक-एक अंक दिए जाएंगे। वहीं 12वीं के उर्दू के पेपर में बी, सी व डी सेट में गलती है। बी सेट के प्रश्न क्रमांक छह के बाद जो नोट दिया गया है, उसमें प्रश्न क्रमांक 14 अंकित है। इसी प्रकार सी व डी सेट है। इस प्रश्न को हल करने के प्रयास में बोनस के दो-दो अंक दिए जाएंगे।वहीं 12वीं भौतिकी के चारों सेट में गलती है। सेट ए के क्रमांक सात का अथवा है। इस प्रश्न को हल करने के प्रयास में छात्र को बोनस के दो-दो अंक दिए जाएंगे।

अशोकनगर की सडक़ों पर रुकेगी कांग्रेस

भोपाल। अशोकनगर जिले में मंगलवार को कांग्रेस का जेल भरो आंदोलन है। आंदोलन के एक दिन पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बड़ा बयान दिया है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा अशोकनगर की सडक़ों पर कांग्रेस रुकेगी। एसटी-एससी और ओबीसी पर अत्याचार होगा वहां कांग्रेस होगी, जहां प्रशासनिक अराजकता होगा, वहां वहां कांग्रेस भी पहुंचेगी। जहां सरकार का ध्यान आकर्षित करना होगा, कांग्रेस अपना धर्म निभाएगी। अशोकनगर में पीड़ित को न्याय दिलाने की बजाय मेरे खिलाफ एफआईआर कर दी।

पटवारी ने कहा कि एफआईआर एक नहीं, 100 कर दें, इससे पहले भी कई की हैं। मामले में पुलिस अपना धर्म नहीं निभा रही है, पुलिस की इस हरकत के खिलाफ हम अशोकनगर जा रहे हैं। सडक़ पर, कार्यकर्ताओं के घर पर रुकेंगे, जहां वो रोकेंगे हम रहेंगे। ये गिरफ्तारी नहीं, संदेश है, एक कदम पीछे नहीं हटेंगे। जब जब आप अत्याचार करोगे, हम लोकतांत्रिक लड़ाई लड़ेंगे।

कांग्रेस पैसा नहीं देते इसलिए होटल नहीं मिलते

जीतू पटवारी के अशोकनगर दौरे को लेकर बीजेपी ने पलटवार किया है। बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा- जीतू पटवारी को जहां जाना चाहते हैं चले जाए लेकिन षड्यंत्र ना करें, कांग्रेसी ऑनलाइन बुकिंग नहीं करते हैं। पैसा नहीं देते हैं तो उनके कहां से होटल बुक होंगे।

प्रदेश के विद्यालयों में गुरू पूर्णिमा पर होगा दो दिवसीय उत्सव

भोपाल। प्रदेश के सभी विद्यालयों में 10 जुलाई को गुरू पूर्णिमा के मौके पर 2 दिवसीय उत्सव का आयोजन किया जायेगा। यह आयोजन 9 और 10 जुलाई को होगा। इस संबंध में आयुक्त लोक शिक्षण शिल्पा गुप्ता ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश जारी किये हैं। निर्देश में कहा गया है कि पहले दिन 9 जुलाई को विद्यालय में प्रार्थना सभा के बाद शिक्षकों द्वारा गुरू पूर्णिमा के महत्व और पारंपरिक गुरू-शिष्य संस्कृति के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी जायेगी। विद्यालय में प्राचीन काल में प्रचलित गुरूकुल व्यवस्था एवं उसका भारतीय संस्कृति में प्रभाव विषय पर बच्चों के बीच में निबंध लेखन प्रतियोगिता की जायेगी।

भोपाल सेंट्रल जेल में 16 वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम बनेंगे

भोपाल। भोपाल सेंट्रल जेल जल्द ही पहले से अधिक हाईटेक होने जा रहा है। अब तक यहां केवल 11 वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम होते थे। जिसके माध्यम से आतंकियों और हाईप्रोफाइल कैदियों की ही पेशी करा पाना जेल प्रशासन के लिए संभव होता था। जल्द यहां 16 नए वीसी रूम का निर्माण कार्य शुरू होने जा रहा है। इसके लिए मुख्यालय से बजट पास कर दिया गया है। इसका उद्देश्य कैदियों को अदालत में पेशी के लिए जेल से बाहर ले जाने की आवश्यकता को कम करना है, और सुरक्षा, दक्षता में सुधार करना है।

जेल अधीक्षक राकेश भांगरे ने बताया कि यह कदम कैदियों को उनके परिवार से जोड़े रखने और उन्हें सामाजिक रूप से जुड़े रहने में मदद करेगा। साथ ही, इससे जेलों में मुलाकातों की प्रक्रिया भी आसान हो जाएगी, जिससे कैदियों और उनके परिजनों दोनों को सुविधा होगी। वीसी रूम के माध्यम से, कैदियों को अदालत में शारीरिक रूप से पेश होने की आवश्यकता कम होती है।

सुरक्षा जोखिम कम होता है

वीसी से पेशी कराने पर सुरक्षा जोखिम कम होता है। वीसी के माध्यम से, कैदी अपने परिवार और दोस्तों से आसानी से मिल सकते हैं, जिससे उनके मानसिक सेहत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। वीसी अदालती कार्यवाही और अन्य जेल गतिविधियों को अधिक कुशल बना सकता है। वीसी के उपयोग से यात्रा और सुरक्षा लागतों को कम किया जाने में भी फायदा मिलेगा। हाल ही में जेल में 12 नई हाई सिक्योरिटी सेल का निर्माण कराया गया है। जिसके लिए 1.20 करोड़ का बजट पारित हुआ था। करीब दो साल में यह हाई सिक्योरिटी सेल बनकर तैयार हुई हैं। जल्द ही इनमें कुख्यात आतंकियों को शिफ्ट किया जाएगा।

जेल में हाई सिक्योरिटी सेल की क्षमता 58 हैं।

दमोह छतरपुर की धरती से नेचुरल गैस का उत्पादन

ध्य प्रदेश में बनेगा पैट्रोलियम कॉरपोरेशन

भोपाल। मध्य प्रदेश की धरती जल्द ही प्राकृतिक गैस का सबसे बड़ा स्रोत होगी। मध्य प्रदेश के सिंगरौली शहडोल के बाद अब दमोह-छतरपुर, दमोह-पन्ना-छतरपुर, पन्ना-सतना- छतरपुर, नरसिंहपुर, सागर, रायसेन,और जबलपुर मैं प्राकृतिक गैस का बड़े पैमाने पर उत्पादन संभव होगा। बुंदेलखंड और महाकौशल के 13000 वर्ग किलोमीटर में बड़े पैमाने पर मीथेन गैस के उत्पादन की संभावना बताई जा रही है।

ओएनजीसी ने मध्य प्रदेश के दमोह और छतरपुर ब्लॉक में कॉल बेड मीथेन गैस का बडे भंडार का पता लगाया है। ओएनजीसी जल्द ही यहां से मेथेन गैस का उत्पादन शुरू करने जा रही है। केंद्र सरकार के डायरेक्टर जनरल हाइड्रोकार्बन ने इसकी अनुमति ओएनजीसी को दे दी है। मध्य प्रदेश सरकार ने भी ओएनजीसी को खनन के लिए प्रोविजनल लीज आवंटित कर दी है। जल्द ही मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से कॉल बेड मीथेन गैस का उत्पादन शुरू होने की आशा व्यक्त की जा रही है।

सर्वप्रथम 462 वर्ग किलोमीटर में फैले दमोह छतरपुर ब्लॉक में गैस निकालने का इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जा रहा है। मध्य प्रदेश शासन के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मध्य प्रदेश पैट्रोलियम कॉरपोरेशन बनाने की भी प्रक्रिया शुरू कर दी है। 6 सितंबर की बैठक में मुख्यमंत्री ने यह निर्देश खनिज विभाग को दिए थे । इसकी प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। मध्य प्रदेश में नया कॉरपोरेशन बन जाने के बाद प्राकृतिक गैस की खोज उत्पादन और वितरण को लेकर सरकार गंभीरता के साथ निर्णय करेगी। मीथेन गैस में अभी मध्य प्रदेश की हिश्शेदारी 40 फ़ीसदी है। सरकार तेजी के साथ इसे बढ़ाने जा रही है। मध्य प्रदेश में अभी जिन ब्लॉक की पहचान करके स्वीकृति दी गई है। उसमें ब्लॉक नंबर एक दमोह छतरपुर का 462 किलोमीटर, ब्लॉक 2 में दमोह पन्ना छतरपुर का 2730 वर्ग किलोमीटर, ब्लॉक नंबर 3 पन्ना सतना छतरपुर इसमें 3077 किलोमीटर, ब्लॉक नंबर 4 इसमें सागर दमोह छतरपुर का 3097 वर्ग किलोमीटर, ब्लॉक नंबर पांच के अंतर्गत नरसिंहपुर सागर और रायसेन का 2932 वर्ग किलोमीटर तथा ब्लॉक नंबर 5 इसमें दमोह और जबलपुर का 1421 वर्ग किलोमीटर हिस्सा आता है। वर्तमान में मध्य प्रदेश के सोहागपुर के ईस्ट और वेस्ट मे दो ब्लॉक मैं उत्पादन हो रहा है। जहां पर रिलायंस इंडस्ट्रीज द्वारा 300 कुओं से गैस निकली जा रही है। मध्य प्रदेश में वर्ष 2023-24 में 234.27 मिलियन मैट्रिक स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर सीबीएम गैस का उत्पादन हुआ है। जो 2028-29 तक यह बढ़कर 421 मिलियन मैट्रिक स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर हो जाएगा। मध्य प्रदेश सरकार को वर्ष 2023-24 में इससे 88 करोड रुपए की आय हुई थी।

गावस्कर का 54 साल पुराना रिकार्ड तोड़ सकते हैं शुभमन

मुम्बई। भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ इस सीरीज में अब तक 585 रन बना लिए हैं। ऐसे में उनके पास इस सीरीज में पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के साल 1971 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीरीज में बनाये 774 रनों का रिकॉर्ड तोड़ने का अच्छा अवसर है। गावस्कर ने साल 1971 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीरीज में चार मैचों में 774 रन बनाये थे और उनका ये रिकॉर्ड आज तक बना हुआ है। ऐसे में अब शुभमन के पास गावस्कर का 54 साल पुराना ये रिकॉर्ड तोड़ने का इस सीरीज में अच्छा मौका है।

शुभमन ने इस दौरे में अब तक पहले दो टेस्ट मैचों में ही 585 रन बना लिए हैं। ऐसे में वह इस सीरीज में गावस्कर का से रिकार्ड तोड़ने के काफी करीब हैं। शुभमन इस सीरीज में अब तक कप्तान के तौर पर भी पहले दो टेस्ट में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं, उन्होंने कोहली के 449 रनों को पछाड़ा। शुभमन दूसरे बल्लेबाज हैं जिन्होंने दो बार टेस्ट में 150 से अधिक रन बनाए हैं, उनसे पहले साल 1980 में एलेन बॉर्डर ने पाकिस्तान के खिलाफ लाहौर में नाबाद 150 और 153 रन बनाये थे।

गिल उन 9 बल्लेबाजों में से एक बन गए हैं, जिन्होंने एक टेस्ट में शतक और दोहरा शतक लगाया है। भारतीय बल्लेबाजों की बात करें तो इससे पहले ये रिकार्ड गावस्कर के नाम था। गावस्कर ने 1978 में ईडन गार्ड्सं में वेस्टइंडीज के खिलाफ 107 और नाबाद 182, जबकि विराट कोहली ने 2014 में एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 115 और 141 रन बनाए थे।

रनों की बात करें तो गावस्कर ने साल 1978-79 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में ही छह मैचों में 732 रन बनाए थे जिसे भी कोई बल्लेबाज नहीं तोड़ पाया है। वहीं तीसरे नंबर पर युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल हैं। यशस्वी ने साल 2023-24 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में पांच मैचों में 712 रन बनाए थे। वहीं विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2014-15 की सीरीज में चार मैचों में 692 रन बनाए थे। शुभमन ने एजबस्टन टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ कुल 430 रन बनाए हैं, जो टेस्ट क्रिकेट में दूसरे सबसे अधिक रन हैं।

खेल नीति में बदलाव से भारतीय फुटबॉल को मिलेंगी नई प्रतिभाएं - एआईएफएफ प्रमुख

कोलकाता। भारतीय फुटबॉल संध (एआईएफएफ) अध्यक्ष कल्याण चौबे ने विदेशों मे रहने वाले भारतीय मूल के खिलाड़ियों को देश की ओर से खेलने की अनुमति दिये जाने को एक सही कदम बताया है। चौबे ने कहा कि इससे भारतीय फुटबॉल टीम को लाभ होगा और उसे अच्छी प्रतिभाएं मिलेंगी। उन्होंने इसकी राह में आने वाली बाधाओं को भी दूर किये जाने की जरुरत बतायी है।

गौरतलब है कि नई राष्ट्रीय खेल नीति को एक जुलाई को कैबिनेट की मंजूरी मिल गयी थी। इसके अब विदेशों में रहने वाले भारतीय मूल के खिलाड़ियों के पास देश से खेलने का अवसर हैं। वहीं अब तक केवल भारतीय पासपोर्ट रखने वाले खिलाड़ी ही देश का प्रतिनिधित्व कर सकते थे। चौबे ने कहा, "जब राष्ट्रीय टीम के प्रदर्शन की बात आती है तो खेल नीति में प्रवासी प्रतिभाओं तक अब हमारी पहुंच बनेगी। मुझे खुशी है कि नीति में इसका संदर्भ शामिल है।" उन्होंने कहा, "यह सकारात्मक बयान है।

एआईएफएफ फीफा और सरकार के साथ मिलकर राष्ट्रीय टीम को मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास करना जारी रखेगा।" उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से विदेशों में रह रहे भारतीय मूल के लोगों को टीम से जोड़ने की मांग उठी है। साथ ही कहा कि मलेशिया, हांगकांग, सहित कई देशों ने अपनी टीमों में दोहरी नागरिकता वाले खिलाड़ियों को शामिल किया है। " वहीं साल 2008 में प्रवासियों को देश का प्रतिनिधित्व करने से रोक दिया गया था जिससे देश का मिलने वाली कई प्रतिभाएं उससे जुड़ नहीं पायीं। खेलो भारत नीति में कहा गया है कि खेल भारतीय प्रवासियों और देश के बीच संबंध बेहतर बनाने का जरिया बन सकता है।

शुभमन ने बल्लेबाजी पिचों पर नाराजगी जतायी, गेंदबाजों के लिए कुछ होना चाहिये

बर्मिंघम। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में मिली रिकार्ड जीत के बाद सपाट पिच बनाये जाने को लेकर नाराजगी जतायी है। शुभमन ने कहा कि पिच ऐसी होनी चाहिये जिससे कि गेंदबाजों को भी थोड़ी सहायता तो मिल सकते। उन्होंने ड्यूक गेंद के जल्दी खराब होने को लेकर भी सवाल उठाए। शुभमन ने अब तक खेली गई चार पारियों में दो शतक और एक दोहरे शतक के साथ ही करीब 600 रन बनाए हैं पर उनका मानना है कि पिच बल्लेबाजी के अनुरुप थी। इसलिए बड़े स्कोर बने। साथ ही कहा कि पिचों को गेंदबाजों के भी अनुकूल बनाना चाहिये क्योंकि ड्यूक्स की गेंद कुछ समय बाद ही नरम हो जाती है जिससे गेंदबाज आक्रामक होने लगते हैं।

उन्होंने कहा, 'ऐसी पिचें गेंदबाजों के लिए बेहद कठिन हैं क्योंकि गेंद शायद बहुत जल्दी खराब हो जाती हैं, इसलिए गेंदबाजों के लिए विकेट लेना कठिन हो जात

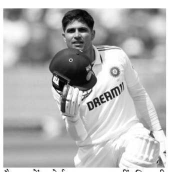

है। उन्हें कोई सहायता नहीं मिलती है। '

उन्होंने कहा, 'ऐसे में एक टीम के रूप में जब आप जानते हैं कि इन हालातों में विकेट लेना मुश्किल है तो बहुत सी चीजें आपके हाथ में नहीं रहती हैं। इसलिए गेंदबाजों को भी थोड़ी सहायता तो होनी चाहिए। अगर गेंद कुछ मूवमेंट कर रही है तो आप किसी तरह से कुछ योजना बना सकते हैं और तभी खेलना मज़ेदार होता है। अगर आपको पता है कि केवल पहले 20 ओवर में ही कुछ ही होगा तो उसके बाद गेंदबाज पूरे दिन रक्षात्मक रहते हैं और रन रोकने में लगे रहते हैं। इससे खेल रोमांच कम होता है।'

कप्तान के तौर पर अपना पहला टेस्ट जीतने के बाद शुभकन ने उत्साहित होते हुए कहा, 'हां, जैसे हम भारत में खेलते हैं, उनमें से अधिकांश पिच बल्लेबाजी के अनुकूल हैं। उनका मानना है कि 10 जुलाई से लॉर्ड्स में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट की पिच लीड्स या एजबेस्टन की तरह सपाट रहेगी। इसलिए वह तीसरे टेस्ट की रणनीति पिच देखने के बाद ही बनाएंगे।

बकौल गिल,'हम देखेंगे कि वे लॉर्ड्स को किस तरह का विकेट दे रहे हैं. मुझे नहीं लगता कि वे इतना सपाट विकेट देंगे. हम वहां जाएंगे और देखेंगे कि यह किस तरह का विकेट है और तय करेंगे कि सबसे अच्छा संभव संयोजन क्या है.' गिल ने यह भी पुष्टि की कि जसप्रीत बुमराह कार्यभार प्रबंधन के अंतर्गत एजबेस्टन में आराम दिए जाने के बाद लॉर्ड्स में खेलेंगे.

विकेट से भारतीय टीम को अधिक लाभ हुआ-स्टोक्स

बर्मिंघम। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने दूसरे टेस्ट में मिली करारी हार के बाद कहा कि मैच आगे बढ़ने के साथ ही पिच भारतीय टीम के अधिक अनुकूल हो गयी। वहीं टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी के फैसले का बचाव करते हुए स्टोक्स ने कहा, यह एक कठिन मुकाबला था। 200 रनों पर आधी टीम के आउट होने की स्थिति में आपको लगता है कि आप मजबूत हैं पर जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, यह एक ऐसा विकेट बन गया जो हमारी जगह भारतीय टीम के लिए ज्यादा अनुकूल होता चला गया। स्टोक्स ने पहली पारी में भारतीय टीम से 180 रन से पिछड़ने और और गिल के अलावा अन्य भारतीय बल्लेबाजों की पारियों को हार की वजह माना। उन्होंने माना कि अगर पहली पारी में 200 पर 5 विकेट गिराने के बाद हम भारतीय टीम को जल्दी आउट कर देते तो फिर तस्वीर अलग हो सकती थी।

वहीं इंग्लैंड के गेंदबाजों के अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने को लेकर स्टोक्स ने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि यह चिंता का विषय है। हमने रन बनाए, हमने सब कुछ करने की कोशिश की, हमने योजनाएं बदलीं पर जब कोई टीम अपने शीर्ष पर होती है तो स्थित अलग होती है। शुभमन गिल ने अविश्वसनीय प्रदर्शन किया।

वहीं अपने शीर्ष क्रम की असफलता पर स्टोक्स ने कहा, यह हमेशा कठिन होता है। जब आप मैदान में समय बिताते हैं, तो आपका शरीर और दिमाग थक जाता है। दिन के अंत में बल्लेबाजी करते हुए खुद को पाना एक कठिन स्थिति है। हम फिर से उस स्थिति में होंगे और यह हम पर निर्भर है कि हम उस स्थिति से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। स्टोक्स ने कहा कि विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ ने दोनों पारियों में 184 और 88 रन बनाए। वह बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने अपना स्वाभाविक खेल खेला और अपने लक्ष्य पर अड़े रहे। जो हमारे लिए सकारात्मक पक्ष रहा।

इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने माना उनकी रणनीति विफल रही

बर्मिंघम। भारतीय क्रिकेट टीम के हाथों मिली करारी हार से निराश इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने माना है कि इस मैच में उनकी टीम की रणनीति पूरी तरह से विफल रही है। भारतीय टीम ने दूसरा मैच जीतकर सीरीज में बराबरी की है। मैकुलम ने माना कि टॉस जीतकर उनकी टीम ने गेंदबाजी कर गलती की थी। तब उसे अंदाजा नहीं था कि पिच ऐसा खेल दिखाएगी और इतने सारे रन बन जाएंगे।

इसी कारण भारतीय टीम को पहली पारी में 200 रन पर 5 विकेट गिरने के बाद भी वापसी का अवसर मिला। शुभमन गिल के शानदार दोहरे शतक से भारतीय टीम ने इस मैच में 587 रन बनाये। इस दौर उनकी टीम का गेंदबाजी आक्रमण प्रभावी नहीं रहा। वहीं मेहमान टीम के गेंदबाजों मोहम्मद सिराज और आकाश दीप ने एजबेस्टन की पिच का लाभ उठाते हुए हमारी बल्लेबाजी क्रम को दबाव में ला दियाद्य।

अंतिम दिन भारत ने आकाशदीप के दूसरी पारी में 6 विकेट के दम पर 336 रन की बड़ी जीत दर्ज की। एजबेस्टन में पहली बार उनकी टीम हारी है। इंग्लैंड के सामने भारत ने जीत के लिए 608 रन का विशाल लक्ष्य रख दिया और यहां से उनके लिए जीतना असंभव हो गया था। मैकुलम ने कहा, मुझे लगता है, जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, हमने शायद उस टॉस को देखा और कहा कि क्या हमने वहां एक मौका गंवाया और यह शायद सही है.卐

इंग्लैंड ने हेडिंग्ले में भी पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया और पहली पारी में 470 से अधिक रन बनाये। वहीं दूसरी पारी में वापसी करते हुए चौथी पारी में 371 रन बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत दर्ज की थी। . कोच ने आगे कहा, 卐हमने उम्मीद नहीं की थी कि विकेट ऐसा खेलेगा और इसलिए हमने शायद इसे थोड़ा गलत समझा। हम उस स्थिति का फायदा उठाने में विफल रहे। साथ ही कहा कि जब आप टॉस जीतकर गेंदबाजी करते हैं तो आप उम्मीद करते हैं कि विपक्षी टीम 580 रन नहीं बनाएगी। इसी जगह वह धोखा खा गये।

जेमी स्मिथ और हैरी ब्रूक के बीच 303 रन की साझेदारी से ही उनकी टीम फॉलो-ऑन से बचने में सफल रही। कोच ने कहा इंग्लैंड की रणनीति में बदलाव नहीं आया है और वह आक्रामक खेलती रहेगी।

अब केरल क्रिकेट लीग में खेलते नजर आयेंगे सैमसन

तिरुवनंतपुरम। भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अब केरल क्रिकेट लीग (केसीएल) के दूसरे सत्र में खेलते हुए नजर आयेंगे। सैमसन को कोच्चि ब्लू टाइगर्स ने उन्हें 26.60 लाख रुपये में शामिल किया है। इससे सैमसन अब इस लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं। तीन लाख आधार मूल्य वाले सैमसन को कोच्चि ने सबसे अधिक रकम देकर जोड़ा है। कोच्चि ब्लू टाइगर्स के पास कुल 50 लाख की राशि थी जिसमें उसे उसने आधी सैमसन पर ही लगा दी। पिछले साल सैमसन को केरल क्रिकेट लीग का ब्रांड एंबेसडर घोषित किया गया था पर अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में व्यस्त रहने के कारण ही वह इस सत्र में कोई मैच नहीं खेल पाये थे। वहीं विष्णु विनोद को एरीज कोल्लम ने विष्णु विनोद को 13.8 लाख रुपये में खरीदा था।

शास्त्री ने सिराज को गेंदबाजी नहीं मिलने पर उठाये सवाल

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने तेज गेंदबाज मो सिराज को दूसरे टेस्ट मैच के अंतिम दिन गेंदबाजी का अवसर नहीं मिलने पर सवाल उठाये हैं। इस मैच में बारिश की बाधा के बाद जब खेल शुरु हुआ तो कप्तान शुभमन ने सिराज को गेंदाबाजी नहीं दी। शास्त्री ने कहा कि वो मैच शुरू होने के बाद चाहते थे कि भारतीय टीम जल्दी विकेट लिए और इसी कारण से वो पहली पारी में 6 विकेट लेने वाले सिराज को गेंदबाजी करते दिखना चाहते थे।

इस मैच में कमेंट्री कर रहे शास्त्री ने कहा कि अनुभवी सिराज के गेंदबाजी नहीं मिलने से वह हैरान हुए। शास्त्री बोले, 卐मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि सबसे सीनियर गेंदबाज को गेंदबाजी नहीं दी गयी।,卐 卐 सिराज ने पहली पारी में छह विकेट वहीं दूसरी में एक विकेट लिया था। वहीं नये गेंदबाज आकाशदीप को

काफी गेंदबाजी मिली। शास्त्री ने जैसे ही इस बात को कहा वैसे ही आकाश दीप ने ओली पोप का विकेट लेकर मैच रोमांचक बना दिया। इंग्लैंड की टीम को इस प्रकार पांचवें दिन खेल शुरू होते ही पहला झटका ओली के रुप में लगा। वह बोल्ड हो गये। इसके बाद आकाश ने अनुभवी जो रुट को भी बोल्ड कर दिया।

सचिन ने नये कप्तान शुभमन को पहली जीत पर बधाई दी

आकाशदीप की विशेष रुप से सराहना की

मुम्बई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भारतीय टेस्ट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल को उनकी पहली जीत के लिए बधाई दी है। शुभमन की कप्तानी में भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ 336 रनों की रिकार्ड जीत दर्ज की है। सचिन ने इस मैच में 10 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले युवा तेज गेंदबाज आकाशदीप सिंह की भी जमकर प्रशंसा की है। वहीं शुभमन ने पहली पारी में दोहरा शतक और दूसरी पारी में शतक लगाया था। सचिन ने इस मैच में अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभमन के अलावा अक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत, केएल राहुल और ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा को भी सराहा। इसके अलावा मोहम्मद सिराज को शानदार कैच के लिए विशेष बधाई दी। सिराज ने मेजबान बल्लेबाज जोश टंग का बेहद कठिन कैच लिया था। उन्होंने लिखा,卐 शुभमन भारतीय टीम को शानदार टेस्ट जीत दिलाने के लिए बधाई हो। उन्होंने इसके साथ ही ऋषभ पंत, राहुल, और जडेजा की भी तारीफ की। 卐तेंदुलकर ने साथ ही कहा,卐 गेंदबाजों ने जिस तरीके से सटीक गेंदबाजी की, वह मुझे सबसे अच्छी लगी। आकाश दीप ने अपने प्रदर्शन से जीत जीत लिया। मेरे अनुसार उन्होंने जो रूट को सीरीज की अब तक की सबसे अच्छी गेंद की थी। इस मैच में सिराज ने वह कमाल सिराज ने पहली पारी में छह विकेट लिए जबकि आकाश दीप ने पहली पारी में चार जबकि दूसरी पारी में छह विकेट लिए। इस प्रकार आकाश ने कुल दस विकेट लेकर मेजबान टीम की कमर ही तोड़ दी।

इंग्लैंड ने तीसरे टेस्ट के लिए तेज गेंदबाज एटकिंसन को शामिल किया

बर्मिंघम। भारतीय टीम के खिलाफ एजबेस्ट के मैदान पर 336 रनों से मिली करारी हार से इंग्लैंड क्रिकेट में खलबली मच गयी है। ऐसे में हार के सदमे से उबरने का प्रयास कर रहे टीम प्रबंधन ने लॉर्ड्स में होने वाले तीसरे टेस्ट मैच के लिए तेज गेंदबाज गस एटकिंसन को शामिल कर लिया है। तीसरा टेस्ट मैच 10 जुलाई से लॉडर्स में खेला जाएगा। एटकिंसन को शामिल करने से टीम की गेंदबाजी बेहतर होने की संभावना है। उनकी वापसी इसलिए भी जरुरी है क्योंकि तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स और जोफ्रा आर्चर फिट नहीं हैं। इसके अलावा तेज गेंदबाज जोश टंग भी लय में नहीं है।

एटकिंसन की हैमस्ट्रिंग इंजरी से उबरने के बाद वापसी हो रही है। एटकिंसन को यह चोट मई में जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट मैच खेलते हुए लगी थी। एटकिंसन ने अब तक 12 टेस्ट मैचों में 55 विकेट लिए हैं। गेंदबाजी के साथ ही वह बल्लेबाजी भी करते हैं और उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में शतक भी दर्ज है। भारतीय टीम की दूसरे टेस्ट में जीत के साथ ही सीरीज 1-1 से बराबरी पर पहुंच गयी है। .

लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने 5 विकेट से जीत हासिल कर बढ़त ली थी पर भारतीय टीम ने एजबेस्टन में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में 336 रनों की जीत के साथ ही भारतीय टीम की विदेश में सबसे बड़ी जीत है।

तीसरे टेस्ट के लिए संभावित अंतिम ग्यारह -

बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, शोएब बशीर , जैकब बेथेल , हैरी ब्रूक , ब्रायडन कार्से , सैम कुक , जैक क्रॉली , बेन डकेट, जेमी ओवरटन , ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टंग, क्रिस वोक्स।

शुभमन ने आकाशदीप की जमकर प्रशंसा की

बर्मिंघम । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में मिली 336 रनों की रिकार्ड जीत पर खुशी जतायी है। शुभमन ने इस जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज आकाशदीप की जमकर प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि आकाश गेंद को हर तरफ घुमा रहे थे। शुभमन ने कहा, 卐पहले मैच के बाद हमने अपनी गेंदबाजी और फील्डिंग दोनो को ही बेहतर बनाया। हमें पता था कि अगर हम इस तरह के पिच पर 400 से 500 रन बना लेते हैं, तो हम खेल में बने रहेंगे। इसके अलावा हमारा प्रयास सभी कैच पकड़ना था।卐 साथ ही कहा कि आकाशदीप ने बहुत दिल से गेंदबाजी की। वह अच्छी लाइन व गेंद के साथ ही गेंद को दोनों ओर घुमा रहा था।卐

गिल ने साथ ही कहा, 卐इस तरह के विकेट पर इस प्रकार का प्रदर्शन कठिन होता है। मैं अपनी बल्लेबाजी को लेकर सहज महसूस कर रहा हूं। अगर हम मेरे योगदान से सीरीज जीतते हैं, तो मुझे खुशी होगी। मैंने पहले भी कहा है कि मैं एक बल्लेबाज के रूप में खेलना चाहता हूं, एक बल्लेबाज के रूप में सोचना चाहता हूं। साथ ही कहा कि लॉर्ड्स मैदान में होने वाले तीसरे टेस्ट में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की वापसी होगी। इसको लेकर मैं बहुत उत्साहित हूं। यह दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित स्टेडियम है और सभी यहां खेलने और जीतने का सपना देखते हैं।

दिल्ली प्रीमियर लीग में सहवाग के बेटे आर्यवीर को मिली मोटी रकम, सबसे महंगे बिके सिमरजीत

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग क्रिकेट (डीपीएल) के लिए यहां हुई नीलामी में पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग के बड़े बेटे आर्यवीर सहवाग को मोटी रकम मिली है। आर्यवीर को सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 8 लाख रुपये में खरीदा पर सहवाग के छोटे बेटे वेदांत पर किसी भी टीम ने बोली नहीं लगायी। सहवाग दूसरे सत्र के लिए हुई नीलामी में अपने दोनों बेटों को लेकर पहुंचे थे। ये दोनों ही दिल्ली की ओर से जूनियर क्रिकेट खेलते हैं। नीलामी टेबल पर वेदांत का नाम पहले आया पर किसी ने भी उनपर बोली नहीं लगाई। इसके कुछ समय बाद ही आर्यवीर का नाम नीलामी में आया। आर्यवीर कई बार अपनी अच्छी बल्लेबाजी के लिए चर्चाओं में आये हैं। साल 2024 में

आर्यवीर ने कूच बेहार ट्रॉफी में मेघालय के खिलाफ शानदार 297 रन बनाए थे।

वहीं सिमरजीत सिंह को नीलामी में सबसे अधिक रकम मिली है उन्हें सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 39 लाख रुपये में खरीदा। सिमरजीत आईपीएल नीलामी में सनराइजर्स हैदराबाद में शामिल रहे हैं। वह चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस में भी शामिल रहे हैं। इसके अलावा अनुभवी नितीश राणा वेस्ट दिल्ली लायंस से खेलेंगे। राणा को लायंस ने 34 लाख रुपये में खरीदा है। अनुभवी तेज गेंदबाज इशांत शर्मा को भी लायंस ने 13 लाख रुपये में खरीदा।

आर्यवीर सहवाग के लिए वीरू ने कही थे ये बात

सहवाग ने पिछले साल कहा था कि आर्यवीर आईपीएल में खेलने के लिए अवसर की तलाश कर रहा है। सहवाग ने कहा था कि आईपीएल से युवा खिलाड़ियों को बड़ा मंच मिला है। सहवाग ने कहा कि पहले रणजी ट्रॉफी में अच्छे प्रदर्शन के बाद भी किसी का ध्यान आपकी तरफ नहीं जाता था पर अब आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर ही अवसर मिल जाता है। वहीं स्पिनर वेदांत

ने इस साल की शुरुआत में विजय मर्चेंट ट्रॉफी में अच्छी गेंदबाजी करते हुए 5 मैचों में 24 विकेट लिए थे पर इसके बाद भी उन्हें डीपीएल में अवसर नहीं मिला।

भारत के संजोग गुप्ता बने आईसीसी के नये सीईओ

बर्मिंघम। भारत के संजोग गुप्ता अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नये मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बने हैं। संजोग ने साल 2021 से ही सीईओ रहे ऑस्ट्रेलिया के ज्योफ एलार्डिस की जगह ली है। संजोग आईसीसी के सातवें सीईओ हैं। उनसे पहले भारतीय मूल के केवल मनु साहनी ही सीईओ रहे हैं। संजोग के पास लंबा अनुभव है। उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अलावा आईसीसीटूर्नामेंट्स, प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) और इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) जैसे बड़े खेल आयोजनों का भी अनुभव है। आईसीसी चेयरमेन जय शाह नेकहा, संजोग को स्पोर्ट्स प्लानिंग और व्यवसायीकरण का लंबा अनुभव है। उनका क्रिकेट के प्रति जुनून और तकनीक की समझ इस खेल के वैश्विक विस्तार में अहम भूमिका निभाएगा। हमारा भी प्रयास है कि क्रिकेट को ओलंपिक जैसे मंचों पर नियमित रूप से स्थान मिले।

जय शाह कहते हैं, हमने इस पद के लिए कई उम्मीदवारों पर विचार किया पर नामांकन समिति ने सर्वसम्मति से संजोग की सिफारिश की। आईसीसी बोर्ड के निदेशक भी उनके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्साहित हैं और मैं आईसीसी में सभी की ओर से उनका स्वागत करना चाहता हूं।

मप्र भाजपा की नई कार्यकारिणी में होंगे नए चेहरे

- माननीयों को कुछ प्रमुख पदों पर ही दी जाएगी नियुक्ति

भोपाल। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के बाद नई प्रदेश कार्यकारिणी के गठन पर मंथन शुरू हो गया है। जिसको लेकर नेताओं ने लॉबिंग शुरू कर दी है। जानकारों का कहना है कि भाजपा की नई कार्यकारिणी में अधिकांश नए चेहरों को जगह दी जाएगी। कार्यकारिणी में सांसदों और विधायकों की संख्या सीमित रखी जाएगी। दरअसल, पार्टी नया नेतृत्व तैयार करना चाहती है। इसके लिए प्रदेश कार्यकारिणी में नए नेताओं को जगह दी जाएगी। कहा जा रहा है कि जल्द ही नई कार्यकारिणी का खाका तैयार किया जाएगा और पार्टी हाईकमान की मंजूरी के बाद अगले माह कार्यकारिणी की घोषणा कर दी जाएगी।

गौरतलब है कि मप्र भाजपा को लंबे इंतजार के बाद नया अध्यक्ष मिल गया है। अब जल्द ही प्रदेश भाजपा कार्यकारिणी में भी बदलाव होगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल अगले दो-तीन दिन में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से मिलने दिल्ली जा

सकते हैं। इसके बाद प्रदेश भाजपा की नई कार्यकारिणी का गठन होगा। मोर्चा अध्यक्षों को भी बदला जाएगा। प्रदेश भाजपा की नई कार्यकारिणी में इस बार सांसद और विधायकों की संख्या घट सकती है। भाजपा सूत्रों की मानें तो इस बार भाजपा के सदस्यता अभियान में अहम जिम्मेदारी निभाने वाले भाजपा नेता और पुराने कार्यकर्ताओं को कार्यकारिणी में स्थान दिया जाएगा। भाजपा ने सदस्यता अभियान का पूरा डेटा तैयार किया है। इस डेटा के हिसाब से सदस्यता अभियान में जुटे नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

पार्टी का फोकस संगठन को मजबूत करने पर

पार्टी का पूरा फोकस संगठन की मजबूती पर है। इसके लिए कार्यकारिणी में पार्टी के सीनियर और अनुभवी नेताओं को शामिल करके फेरबदल किया जाएगा। इस बार युवा और नए चेहरों को भी कार्यकारिणी में जगह मिलने की संभावना है जिनकी कार्यप्रणाली से पार्टी खुश है। जबकि पहले रहे कुछ पदाधिकारियों की छुट्टी होना भी तय माना जा रहा है। गौरतलब है कि प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति से पहले जिला अध्यक्षों का चुनाव हो चुका है। इस बार पार्टी ने सभी जिला अध्यक्ष के लिए नए चेहरों को मौका दिया है। इसलिए ही कयास लगाए जा रहे है कि प्रदेश कार्यकारिणी में भी ऐसा देखा जा सकता है। जबकि पूर्व जिला अध्यक्षों को भी पार्टी ने अभी नई जिम्मेवारी नहीं दी है। इसके अलावा कई और नेता भी है जो कि नए रोल का इंतजार कर रहे हैं। भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी में वर्तमान में प्रदेश उपाध्यक्ष 15, प्रदेश महामंत्री 05, प्रदेश मंत्री 14, प्रदेश प्रवक्ता 19, पैनलिस्ट 05, मोर्चा अध्यक्ष 07, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य 203, स्थाई आमंत्रित सदस्य 22 और विशेष आमंत्रित सदस्य 237 हैं। इस तरह नई कार्यकारिणी का स्वरूप भी ऐसा ही होगा।

60 फीसदी पदाधिकारियों को बदला जाएगा

इस बार कार्यकारिणी में सांसदों और विधायकों की संख्या सीमित रखने की बात हो रही है। अभी भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी में 15 प्रदेश उपाध्यक्ष हैं। इनमें सांसद संध्या राय, राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मिक, आलोक शर्मा शामिल हैं। इसके अलावा पूर्व विधायक चौधरी मुकेश सिंह चतुर्वेदी, जीतू जिराती, बहादुर सिंह चौहान, बृजराज सिंह चौहान और वर्तमान विधायक चिंतामणि मालवीय, ललिता यादव शामिल हैं। वहीं कार्यकारिणी में अभी पांच महामंत्री हैं, जिनमें रणवीर सिंह रावत, खरगापुर से विधायक और पूर्व मंत्री हरिशंकर खटीक, पूर्व विधायक सरदेंदु तिवारी, वर्तमान विधायक भगवान दास सबनानी और राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार शामिल हैं। इसके अलावा कार्यकारिणी में 14 प्रदेश मंत्री हैं।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिये ऑनलाइन आवेदन एवं नामांकन की प्रक्रिया शुरू

13 जुलाई तक किये जा सकेंगे नामांकन एवं आवेदन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रदेश में केन्द्र सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग मंत्रालय नई दिल्ली के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिये आवेदन और नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने समस्त जिला कलेक्टर्स एवं जिला शिक्षा अधिकारी को दिशा-निर्देश जारी किये हैं। आवेदन एवं नामांकन वेब पोर्टल http://nationalawardstoteachers.education.gov.in पर 13 जुलाई तक स्वीकार किये जायेंगे। प्रदेश में जिन शिक्षकों द्वारा 13 जुलाई तक नामांकन कर दिया जायेगा उनके अभिलेख, ऑडियो, वीडियो 15 जुलाई तक पोर्टल पर अपलोड किये जा सकेंगे।

जिला स्तरीय चयन समिति

शिक्षक द्वारा किये गये नामांकन की प्रथम स्तर पर स्कूटनी के लिये जिला शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में समिति गठित होगी। समिति में राज्य शासन का प्रतिनिधित्व जिले के डाइट प्राचार्य और कलेक्टर द्वारा नामांकित प्रतिष्ठित शिक्षाविद् सदस्य के रूप में करेंगे।

राज्य स्तरीय चयन समिति

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार एवं सम्मान के लिये राज्य स्तर पर भी समिति होगी। सचिव स्कूल शिक्षा विभाग अध्यक्ष होंगे। समिति के अन्य सदस्यों में केन्द्र सरकार के नामांकित प्रतिनिधि, संचालक राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के साथ आयुक्त लोक शिक्षण सदस्य सचिव के रूप में शामिल होंगे। राज्य चयन समिति द्वारा विशेष श्रेणी सहित अधिकतम 6 अनुशंसाएं केन्द्र सरकार के ऑनलाइन पोर्टल पर अग्रेषित की जा सकेंगी।

समय सारणी

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार की ऑनलाइन प्रक्रिया के निष्पादन की समय सारणी निर्धारित की गई है। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के ऑनलाइन आवेदन एवं नामांकन 13 जुलाई 2025 तक स्वीकार किये जायेंगे। शिक्षक द्वारा अंतिम रूप से नामांकन पूर्ण करने की अंतिम तिथि 15 जुलाई तय की गई है। जिला स्तरीय चयन समिति द्वारा राज्य चयन समिति के लिये ऑनलाइन पोर्टल पर 3 अनुशंसाओं को 16 जुलाई से 25 जुलाई तक भेजा जा सकेगा। राज्य चयन समिति द्वारा नेशनल ज्यूरी को शॉर्ट-लिस्टेड 6 अनुशंसाएं केन्द्र सरकार को ऑनलाइन 26 जुलाई से 4 अगस्त तक भेजी जा सकेंगी। पुरस्कार के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के बेव पोर्टल से प्राप्त किये जा सकते हैं।

महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए तिथि में की गई वृद्धि

विद्यार्थी 7 से 10 जुलाई तक कर सकेंगे ऑनलाइन पंजीयन, 21 जुलाई को होगा सीट आवंटन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। उच्च शिक्षा विभाग ने सत्र 2025-26 में महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए तिथि में वृद्धि की है। उच्च न्यायालय के आदेश के परिपालन में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्नातकोत्तर स्तर (पीजी) सत्र 2025-26 में ऑनलाइन प्रवेश अंतर्गत सीएलसी चरण के लिए अद्यतन समय सारणी जारी की गई है। जारी समय सारणी के अनुसार, सत्र 2025-26 में स्नातकोत्तर कक्षाओं में मेजर माइनर विषयों में एवं मेजर एवं माइनर विषय के अतिरिक्त अन्य विषय में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थी 07 से 10 जुलाई तक ऑनलाइन पंजीयन, आवेदन कर सकेंगे। पंजीकृत आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन 7 से 11 जुलाई तक होगा। मेजर माइनर के अलावा अन्य विषयों में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को साक्षात्कार के दिनांक, स्थान एवं समय की सूचना 14 जुलाई को दी जाएगी। मेजर माइनर के अलावा अन्य विषयों में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के साक्षात्कार एवं पोर्टल पर अंकों की प्रविष्टि 16 से 17 जुलाई तक होगी। विद्यार्थियों को महाविद्यालयों में सीट का आवंटन 21 जुलाई को होगा। आवंटित महाविद्यालय में प्रवेश शुल्क का भुगतान 21 से 25 जुलाई तक किया जा सकेगा। आवंटित महाविद्यालय में शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि तक प्रवेश शुल्क का भुगतान किए गए आवेदकों का ही प्रवेश मान्य होगा और प्रवेश शुल्क का भुगतान न होने की दशा में प्रवेश नहीं माना जाएगा।

कुम्हारी एवं समनापुर में एफटीके किट का किया गया वितरण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जल जनित बीमारियों से बचाव के लिये लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग बालाघाट द्वारा डायरिया रोको अभियान के अंतर्गत निरंतर जल स्त्रोतों के क्लोरिनेशन के कार्य किये जा रहे है। इसी कड़ी में 07 जुलाई को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सहायक यंत्री एवं उपयंत्री द्वारा बालाघाट के ग्राम कुम्हारी एवं

समनापुर मे डायरिया रोको अभियान के तहत जल स्त्रोत का एफटीके किट के माध्यम परीक्षण कर ग्रामवासियों को जल जनित बीमारियों के संक्रमण से बचाव के संबंध मे जागरूक किया गया एवं ग्राम तदर्थ समिति को एफटीके किट वितरित किया गया।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की टीम द्वारा ग्रामवासियों को जल जनित बीमारियों के संक्रमण से बचने के लिए निरंतर समझाईश दी जा रही है। जिसमें विभाग द्वारा बताया जा रहा है कि हमेशा साफ व स्वच्छ जल का ही सेवन करे। अपने आस-पास आवश्यक रूप से स्वच्छता बनाए रखे। साथ ही जल स्त्रोत कुए, तालाब व हैण्डपम्प के आस-पास भी किसी तरह की गंदगी न होने दे। मक्खी एवं मच्छर न पनपने दे।

कन्या शिक्षा परिसर बिरसा में हुआ कम्प्यूटर लेब का उद्धघाटन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियो द्वारा कन्या शिक्षा परिसर बिरसा में 07 जुलाई को कम्प्युटर लैब के उद्घाटन के साथ ही विद्यालय को 10 कम्प्यूटर प्रदाय किये गए। विद्यायल प्राचार्य युगेश वराड़े ने बताया कि सन् 1998 में कक्षा 12वीं की कक्षा उत्तीर्ण किये विद्यार्थियों के साथ प्रतिभा सोनी मेमोरियल कम्प्यूटर लेब का उद्धघाटन नागेश शेणॉय इकाई प्रमुख हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड मलाँजखण्ड एवं राजीव चौरड़िया महा प्रबंधक (सिविल) द्वारा किया गया।

प्राचार्य युगेश वराड़े ने बताया कि कुछ दिनों पूर्व ही 1998 बेच के केन्द्रीय विद्यालय में अध्ययनरत छात्र मलाँजखण्ड घुमने के लिए आए थे, जहाँ वर्तमान में कन्या शिक्षा परिसर बिरसा संचालित हैं। पूर्व विद्यार्थियों द्वारा संस्था कन्या शिक्षा परिसर बिरसा

को मदद करने की इच्छा व्यक्त की गई। संस्था में आईटी विषय होने व कम्प्यूटर लेब न होने संबंधी जानकारी 1998 बेच के विद्यार्थियों को दी गई जिस पर उन्होंने संस्था को 10 कम्प्युटर देने का वादा करते हुए बखूबी उस वादे को अंजाम तक पहुँचाया।

कम्प्युटर स्व. प्रतिभा सोनी जो कि स्वयं 1998 बेच की केन्द्रीय विद्यालय की छात्रा थी, कि याद में कम्प्यूटर लेब को विकसित किया गया हैं। जिस पर प्राचार्य श्री वराड़े ने कहा कि लेब का उपयोग छात्रहित में निरंतर किया जायेगा। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें लोकनृत्य, नाटक, लोकगीत इत्यादि की प्रस्तुति दी गई।

निर्वाचन आयोग को नागरिकता देने का अधिकार नहीं- लवासा

नई दिल्ली। केंद्रीय चुनाव आयोग के पूर्व निर्वाचन आयुक्त अशोक लवासा ने कहा है। कानून के अनुसार नागरिकता का प्रमाण पत्र देना सरकार की जिम्मेदारी है। यह काम निर्वाचन आयोग का नहीं है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग का काम केवल चुनाव की निगरानी करना है। निष्पक्ष चुनाव कराना है, चुनाव के पश्चात उसके परिणाम घोषित करने हैं। उन्होंने कहा पिछले 70 वर्षों से चुनाव आयोग यह काम सफलतापूर्वक कर रहा है। चुनाव आयोग की मतदाता सूची बनाने की एक प्रणाली है। आयोग कभी मतदाताओं से दस्तावेज की मांग नहीं करता है। दस्तावेज मांगना पूर्णत: गैर कानूनी और गलत है। यह तब और भी गलत हो जाता है, जब मतदाता के रूप में जिस व्यक्ति का नाम पहले से ही जुड़ा है।

तेलंगाना फैक्ट्री विस्फोट- मरने वालों की संख्या 42 हुई, 8 अभी भी लापता

हैदराबाद। तेलंगाना की केमिकल फैक्ट्री धमाके में मरने वालों की संख्या 42 हो गई है। एक व्यक्ति की अस्पताल में मौत हो गई, जबकि एक शव की पहचान डीएनए जांच से हुई। 8 लोगों अभी भी लापता हैं। हादसे से 6 दिन बाद भी सर्च ऑपरेशन जारी है।

मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया कि रविवार को घटनास्थल से कुछ हड्डियां और शरीर के जले अंग मिले हैं। इनका डीएनए कराया जा रहा है। यदि इनका मिलान होता है तो लापता लोगों की संख्या घट सकती है। हादसा 30 जून को पाशमिलारम इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज में सुबह 8.15 बजे से 9.30 बजे के बीच हुआ था। घटना के समय फैक्ट्री में 150 लोग मौजूद थे, जहां ब्लास्ट हुआ वहां 90 लोग थे। उस दिन रेस्क्यू और मेडिकल टीम ने 31 शव बरामद किए थे। मृतकों के परिजन को 1 करोड़ 2 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा।

पीएम मोदी ने पीएम नेशनल रिलीफ फंड से मृतकों के परिजन को 2-2 लाख और घायलों को 50-50 हजार की मदद की घोषणा की थी। वहीं, कंपनी ने मृतकों के परिजन को 1 करोड़ रुपए, गंभीर रूप से घायलों को 10 लाख और अन्य घायलों को 5 लाख रुपए मुआवजे की घोषणा की थी।

महिला एवं बाल अधिकारों तथा भिक्षावृत्ति उन्मूलन के लिए जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 07 जुलाई को तहसील वारासिवनी के जन शिक्षा केंद्र वारासिवनी एवं जन शिक्षा केंद्र लालबर्रा में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला सोलंकी के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यशाला का नेतृत्व जिला मिशन समन्वयक श्रीमती रचना चौधरी द्वारा किया गया, जिसमें क्षेत्र के शिक्षकों एवं प्रमुख नागरिकों को महिला एवं बाल कल्याण से संबंधित विभिन्न कानूनों और योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई।

इस अवसर पर उपस्थित प्रतिभागियों को लिंग आधारित हिंसा की रोकथाम, लैंगिक समानता तथा महिला एवं बाल सुरक्षा से संबंधित कानूनों जैसे- वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन 181,चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम 2013, यौन अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (क्ष्ह्रस्ष्ट) और किशोर न्याय अधिनियम 2015 की धारा 76 के अंतर्गत भिक्षावृत्ति उन्मूलन संबंधी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यशाला में विशेष रूप से बाल भिक्षावृत्ति के विषय में बताया गया कि यदि कोई व्यक्ति 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे को भीख मांगने के लिए नियोजित करता है या करवाता है, तो उसे 5 वर्ष तक के कारावास तथा 01 लाख रुपये तक के जुर्माने का दंड भुगतना पड़ सकता है। कार्यशाला का उद्देश्य महिलाओं एवं बच्चों को सशक्त बनाना, उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और समाज में लिंग-समता को बढ़ावा देना रहा। उपस्थित शिक्षकों ने इस जानकारी को विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

गौरक्षक ने विधायक निर्मला सप्रे पर लगाए धमकाने और गाली देने के आरोप

-उमर सिंघार ने विधायक की अयोग्यता बताया

भोपाल। मध्य प्रदेश के सागर जिले के बीना में एक गौरक्षक हरकिशन सेन ने कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे के खिलाफ शिकायत दर्ज करा दी है। सेन ने आरोप लगाया है कि चारगाह भूमि पर अतिक्रमण के खिलाफ बोलने पर विधायक ने उन्हें धमकाया और गाली-गलौज की।

बात दें कि सेन, जो बजरंग दल के पदाधिकारी भी रह चुके हैं और फिलहाल इंदौर में रहते हैं। उन्होंने दावा किया कि वे अपने पैतृक गांव मगरधा में चारगाह भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए सक्रिय थे, जो सप्रे की बीना विधानसभा सीट का हिस्सा है। सेन के मुताबिक, सोशल मीडिया पर मुद्दे के बारे में पोस्ट करने के बाद विधायक निर्मला ने उन्हें फोन कर धमकाया और गाली दी। विवाद का एक कथित ऑडियो क्लिप बुंदेलखंडी बोली में वायरल हो रहा है। इस मामले में पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्हें सेन से शिकायत मिली है और मामले की जांच की जा रही है। अभी तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। विधायक निर्मला सप्रे से संपर्क करने की कोशिशें नाकाम रहीं और उन्होंने संदेश का भी जवाब नहीं दिया। बात दें कि निर्मला ने 2023 में कांग्रेस के टिकट पर बीना से चुनाव जीता था, लेकिन पिछले साल मई में विधानसभा से इस्तीफा दिए बिना सत्तारूढ़ बीजेपी में शामिल हुई थीं। इस घटनाक्रम पर विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने विधायक के रूप में निर्मला सप्रे की अयोग्यता की मांग कर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची विपक्ष की 9 राजनीतिक पार्टियां

नई दिल्ली। बिहार में एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) को लेकर सुप्रीम कोर्ट में विपक्ष की 9 राजनीतिक पार्टियों ने याचिका दाखिल की है। कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल, एनसीपी की सुप्रिया सुले, सीपीआई के डी राजा, डीएमके, हरिंदर मलिक (समाजवादी पार्टी), शिवसेना यूबीटी के अरविंद सावंत, जेएमएम के सरफराज अहमद और सीपीआई (एमएल) के दीपांकर भट्टाचार्य याचिकाकर्ता हैं। बता दें कि विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर का विपक्ष लगातार विरोध कर रहा है। राजद नेता तेजस्वी ने कहा कि लेकिन विपक्ष के सवाल पर अभी तक आयोग द्वारा स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। आयोग ने वोटर्स से जो 11 दस्तावेज मांगे हैं, वे उनके पास नहीं है। उनके पास आधार कार्ड है, राशन कार्ड है, मनरेगा कार्ड है। यानी साफ हैं कि जिनके पास ये 11 दस्तावेज नहीं, उनका वोटर लिस्ट से नाम काट जाएगा। तेजस्वी ने कहा कि देश में आधार मान्य है लेकिन बिहार में ऐसा क्यों नहीं है? वोटर लिस्ट पर हर घंटे निर्देश बदल रहे हैं। बिहार में आधार कार्ड लिंक नहीं है। चुनाव आयोग की प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है। वहीं इस पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने कहा था कि प्रक्रिया से यह सुनिश्चित होगा कि सभी पात्र लोगों के नाम मतदाता सूची में शामिल हो सके। सीईसी ने कहा था कि कुछ लोगों की आशंकाओं के बावजूद एसआईआर यह सुनिश्चित करेगा कि सभी पात्र लोगों के नाम सूची में शामिल हों।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़ी जानकारी देने के लिए आकाशवाणी से विशेष वार्ता का हुआ प्रसारण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सम्पूर्ण देश में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी देने के लिए 01 जुलाई 2025 से विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है, जो कि 03 सितंबर 2025 तक चलाया जाना निर्धारित है। कलेक्टर मृणाल मीणा के मार्गदर्शन में जिले में भी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत जागरूकता कार्यक्रम के ग्राम पंचायत स्तर तथा विकासखंड स्तर पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

07 जुलाई 2025 को आकाशवाणी बालाघाट से सामाजिक सुरक्षा योजना पर विशेष परिचर्चा का आयोजन किया गया। आयोजित भेंटवार्ता में अग्रणी जिला प्रबंधक संजीव कुमार ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के साथ अटल पेंशन योजना के बारे में विस्तार से चर्चा की। वार्ता का संचालन अजय बैस द्वारा किया गया।

अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक श्री संजीव कुमार ने

बताया कि अटल पेंशन योजना में बालाघाट जिला देश में शीर्ष स्थान पर है। अटल पेंशन योजना, असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोग जो 18 से 40 आयु वर्ग के हैं एक निश्चित राशि जमा करने पर इस योजना में शामिल हो सकते है और इस योजना में पंजीकृत व्यक्ति को 60 साल के बाद एक निश्चित राशि की पेंशन मिलने लगती है।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में मात्र 436 रुपए में एक वर्ष के लिए 02 लाख रूपये का बीमा किया जाता है। इस योजना में 18 से 50 वर्ष के व्यक्ति शामिल हो सकते हैं। इसी तरह प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के मात्र 20 रूपये में 01 वर्ष के लिए 02 लाख रुपए का बीमा किया जा रहा है इस योजना में 18 से 70 वर्ष की आयु के व्यक्ति इस योजना के पात्र हैं। एक या अलग-अलग बैंक, डाकघर में से व्यक्ति केवल एक बैंक, डाकघर खाते के माध्यम से योजना में शामिल होने के लिए पात्र होगा। योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए बैंक, बीसी, डाकघर से संपर्क कर इस योजना का लाभ लिया जा सकता है। सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं के माध्यम से सभी इसका लाभ ले।

जिले को संयुक्त प्रयासों से मिली उपलब्धि के बारे में चर्चा करते हुए अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक श्री कुमार ने बताया कि जिले को यह उपलब्धि कलेक्टर मृणाल मीणा एवं जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ के मार्गदर्शन में विभागीय और बैंक स्तरीय टीम गठित कर बैंक मित्र, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, समूह की महिलाओं के साथ विभागीय अमले, समस्त बैंक के स्टाफ के साथ सभी ने मिलकर इस उपलब्धि को हासिल किया है। वित्तीय साक्षरता टीम के द्वारा जागरूकता कार्यक्रम, पंचायती राज संस्थाओं ने मिलकर इसे पूरा किया है।

पुलिस व्यवहार पर जनता दे सकेगी ऑनलाइन फीडबैक

भोपाल। प्रदेशभर के थानों में आम जनता अब पुलिसकर्मियों के व्यवहार और थाने के अनुभव पर सीधे ऑनलाइन फीडबैक दे सकेगी। इसके लिए थानों में क्यूआर कोड लगाए जाएंगे, जिन्हें स्कैन कर नागरिक अपने अनुभव साझा कर सकेंगे। पुलिस मुख्यालय से जारी आदेश के मुताबिक, थानों में किसी खुले स्थान पर क्यूआर कोड लगाया जाएगा। शिकायतकर्ता या कोई भी आम नागरिक इसे स्कैन कर यह बता सकेगा कि थाने में उसके साथ कैसा व्यवहार हुआ। पुलिस अधिकारी या कर्मियों ने समस्या ठीक से सुनी या नहीं, इसका भी जिक्र फीडबैक में किया जा सकेगा। नर्मदापुरम एसपी डॉ. गुरकरण सिंह ने बताया कि जिले के सभी 19 थानों और पुलिस चौकियों में यह व्यवस्था लागू की जाएगी। प्रत्येक स्थान पर फीडबैक स्कैन बारकोड लगाया जाएगा। क्यूआर कोड स्कैन करने के बाद फीडबैक फॉर्म खुल जाएगा, जिसे गूगल या एनआईसी पोर्टल के माध्यम से तैयार किया जाएगा। यह फॉर्म वरिष्ठ अधिकारियों की ई-मेल आईडी से लिंक रहेगा ताकि तत्काल निगरानी हो सके। इस पहल से पुलिस की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी और आम जनता की प्रतिक्रिया सीधे अधिकारियों तक पहुंचेगी।

जिसको पिलाया रात्रि में चाय उसी ने कर दिया दुकान से 50 हजार पार

मन्दिर का नही टूटा ताला तो दूकान को बनाया निशाना ,घटना जय भोले मंदिर गुजरी की, एक व्यक्ति गिरफ्तार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर में चोरी की वारदात दिन प्रतिदिन बढ़ते ही जा रही है। अभी एक दिन पहले ही ग्रामीण थाना क्षेत्र अंतर्गत कोसमी के एक वार्ड में चोरी की घटना हुई थी तो वहीं 6 और 7 जुलाई की रात्रि चोरों ने भगवान के घर को अपना निशाना बनाने की कोशिश कि पर जब मंदिर का ताला नहीं टूटा तो उन्होंने मंदिर से लगी एक दुकान का ताला तोड़ते हुए 50000 रूपये की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। जिस दुकान व्यवसायी ने रात्रि में जिस व्यक्ति को चाय पिलाने के बाद घर छोड़ा । उसी ने दुकान में चोरी की वारदात को अंजाम दिया है पूरी घटना शहर के गुजरी बाजार स्थित जय भोले मंदिर के पास की है।

मिली जानकारी अनुसार बीती रात शहर के स्थानीय गुजरी बाजार में अज्ञात चोरों ने पहले गुजरी बाजार में स्थापित जय भोले मंदिर में चोरी करने का प्रयास किया। जब मन्दिर का ताला नहीं टूटा तो अज्ञात चोरों ने मंदिर से लगी साइकिल स्टोर्स की दुकान को अपना निशाना बनाते हुए 50000 रुपयों की चोरी की घटना को अंजाम दे दिया। जबकि बताया यह भी जा रहा है कि यहां एक व्यक्ति रात्रि के समय सो रहा था , जिसे अज्ञात चोरों ने पत्थर मारकर रात्रि ढाई बजे भगा दिया। उसके बाद उन्होंने मंदिर का ताला तोड़ने की कोशिश की । जब मंदिर का ताला नहीं टूटा तो उन्होंने दुकान का ताला तोड़कर 50,000 रूपये चोरी कर लिए वही दुकान संचालक हरीश कुमार बताते हैं वह बीते कुछ महीनो से एक मोनू नामक लड़के को अपने साथ रखते थे। उनका कोई नहीं होने के कारण उसे वह कभी-कभी खाना खिलाते थे। कुछ छोटा काम करवाने पर पैसे भी देते थे। जिसके द्वारा बीती रात को उनकी दुकान में चोरी की गई है जिसे उन्होंने सुबह पकड़ा भी है जिसके घर से 6.50 हजार रुपए भी मिले हैं उन्होंने बताया कि बीती रात उन्होंने मोनू को चाय पिलाने के बाद काली पुतली चौक के आगे घर जाने के लिए छोड़ दिया था । वह घर चले गए थे बताएं अनुसार मोनू रात्रि में अपने एक अज्ञात साथी के साथ चौकीदार को पत्थर मार कर भाग रहा था । उसके बाद उन्होंने चोरी की घटना को अंजाम दिया है । युवक को दुकान संचालक द्वारा पुलिस को सौंप दिया गया है । इस मामले में अब पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है।

मोनू मंदिर के ऊपर से पत्थर मार रहा था - हेमचंद पटले

गोंगलाई निवासी हेमचंद पटले द्वारा बताया गया कि वह बीती रात जय भोले साइकिल स्टोर्स में सो रहे थे। तभी उन्हें ताला तोड़ने की आवाज सुनाई दी और वह बाहर आए, तो उन्होंने देखा कि एक सफेद शर्ट में व्यक्ति खड़ा था और दूसरा मोनू मंदिर के ऊपर से पत्थर मार रहा था। उन्होंने उसे चिल्लाया तो मोनू उन्हें भी पत्थर मारने लगा एक पत्थर उनको आकर लगा, उसके बाद वह दुकान परिसर से चले गए। मोनू से मंदिर का ताला नहीं टूटा था और उनके जाने के बाद मोनू द्वारा लगभग ढाई बजे के बाद दुकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया होगा। क्योंकि जब उन्होंने 7 जुलाई की सुबह आकर 6:00 बजे देखा तो दुकान का शटर का ताला खुला हुआ था । जिसकी सूचना उन्होंने दुकान संचालक को दी। इसके पहले भी मोनू ने मंदिर में चोरी करने का प्रयास किया है।

दुकान में रखें 50,000 रूपये नहीं है - हरीश कुमार

दुकान संचालक हरीश कुमार चावलानी बताते हैं कि रात्रि में उन्हें जानकारी मिली कि रात्रि 2:00 बजे कोई मंदिर की पेटी तोड़ रहे हैं ,उसके बाद उन्होंने मंदिर में डबल ताला लगाकर चले गए । उन्होंने दुकान को भी चेक किया ताले सभी सही से लगे हुए थे । सुबह उन्हें जानकारी लगी कि उनके दुकान का ताला टूटा हुआ है । उन्होंने दुकान में आकर देखा तो दुकान में रखें 50000 रूपये नहीं है और सभी समान यथावत रखा हुआ हैं । वह जय भोले साइकिल स्टोर्स का संचालन करते हैं। यहां वह हाथ ठेले आदि बनाते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि मंदिर में चोरी का प्रयास किया जा रहा था, किंतु उनके द्वारा डबल ताले लगाने की वजह से मंदिर में तो चोरी नहीं हुई पर उनकी दुकान में चोरी हो गई।

जिसको पिलाई चाय उसी ने की चोरी

चर्चा के दौरान हरीश कुमार चावलानी ने यह भी बताया कि बीते कुछ महीनो से वह मोनू नामक युवक को जानते हैं । उसका कोई नहीं होने के कारण वह उसे कभी-कभी छोटे काम दे कर उसकी मजदूरी भी देते हैं । जब वह भूखा रहता है , तो उसे भोजन करवाते हैं । साथ ही कई बार उसका स्वास्थ्य बिगड़ने पर उसका उसका उपचार भी करवाते हैं । बीती रात भी उन्होंने मोनू को 11:00 बजे चाय पिलाया और अपनी ही गाड़ी से घर जाने के लिए काली पुतली चौक के आगे तक छोड़ भी दिया था । उसी के द्वारा ही चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। क्योंकि रात्रि में सो रहे उनके हेमचंद ने बताया कि रात्रि में मोनू ही उनकी दुकान में आकर पत्थर मार रहा था और मंदिर में चोरी का प्रयास कर रहा था । जब मोनू का घर चेक किया गया तो मोनू के पास से 6.50 हजार रुपए मिले हैं किंतु बाकी पैसा नहीं मिला । उन्होंने मोनू को पुलिस के हवाले भी कर दिया है। इस मामले में पुलिस मोनू से पूछताछ कर रही है ।

पंचायत उपचुनाव की अधिसूचना जारी

11 को नाम वापसी, 22 को होगा मतदान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । राज्य निर्वाचन आयोग की जारी अधिसूचना अनुसार त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के तहत विभिन्न खाली पदों पर उपचुनाव कराने को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गयी है। जिसमें बालाघाट जनपद पंचायत क्रमांक 11 और धापेवाडा के साथ-साथ बटुआ में पंच के चुनाव होने हैं । जिसके लिए नामांकन फॉर्म भरे जाने की प्रक्रिया इन दिनों चल रही है। यह प्रक्रिया 8 जुलाई को खत्म हो जाएगी। 9 जुलाई से नामांकन फार्म की जांच की जाएगी। 11 जुलाई को अभ्यर्थी अपना नाम वापस ले सकते हैं। 22 जुलाई को जनपद पंचायत क्रमांक 11 और दो पंचायत में पंच के चुनाव के लिए मतदान की प्रक्रिया करवाई जाएगी। इसके लिए अभी तक चार लोगों ने नामांकन फार्म ले लिया है। आपको बता दे की जिले में राज्य निर्वाचन आयोग की जारी अधिसूचना अनुसार त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के तहत जनपद पंचायत क्रमांक 11 और धापेवाडा के वार्ड क्रमांक 9 के साथ ही बटुआ के वार्ड क्रमांक 17 के खाली पदों पर निर्वाचन की प्रक्रिया होनी है । इसके लिए 1 जुलाई से ही नामांकन फार्म लिए जाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। 8 जुलाई को 3ः00 बजे तक नामांकन फार्म लिए जाने का समय रखा गया है। इसके बाद 9 जुलाई को नामांकन फार्म की जांच की जाएगी । 11 जुलाई को अभ्यर्थी अपने नाम वापस ले सकते हैं। 22 जुलाई को इन पूरे पदों के लिए मतदान की प्रक्रिया होनी है। साथ ही अभी तक जनपद पंचायत 11 के सदस्य के लिए दो लोगों ने नामांकन फार्म लिया है। जिसमे लक्ष्मीबाई प्रेमलाल दशहरे और गणनराज दशहरे हैं। धापेवाडा वार्ड क्रमांक 9 के लिए

चित्ररेखा मोहारे ने पंच के लिए नामांकन फार्म लिया है, तो वहीं बटुआ वार्ड क्रमांक 17 के लिए अभी तक किसी ने नामांकन फॉर्म नहीं लिया है। अब 8 जुलाई को अंतिम दिन देखना होगा कि कितने लोग नामांकन फॉर्म लेते हैं, अभी तक किसी भी अभ्यर्थी द्वारा नामांकन फार्म जमा नहीं किया गया हैं।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

खेत में भर पानी में डूबने से एक व्यक्ति की मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । ग्रामीण थाना अंतर्गत ग्राम कोसमी बंदर झिरिया समीप खेत में भरे पानी में डूबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक यादोनाथ पिता रघुनाथ चकोरे 62 वर्ष ग्राम बंदरझिरिया कोसमी निवासी है। 7 जून को दोपहर में यह घटना उसे समय हुई जब यह व्यक्ति अपने घर के मवेशी भैंस चराने के लिए खेत तरफ गया था जिला अस्पताल पुलिस ने इस व्यक्ति का अस्पताल की फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यादोनाथ अपने घर की भैंस चराने का काम करता था। जिसके परिवार में तीन बेटे हैं जिनमें एक बेटी की मौत हो चुकी है। बारिश के चलते 7 जुलाई को रोज की तरह दोपहर 3:00 बजे करीब यादोनाथ अपनी भैंस को चराने के लिए खेत तरफ ले गया था। शाम 6:00 बजे करीब भैंस घर आ गई किंतु यादोनाथ घर नहीं लौटा इसी दौरान किसी व्यक्ति ने खेत में यादोनाथ को गिरे हुए देखा और उसके घर आकर बताया। घर के लोग तुरंत खेत पहुंचे। यादोनाथ खेत में भरे पानी में औंधा डूबा हुआ था। जिसे तुरंत घर लाकर ऑटो से जिला अस्पताल लाये। किंतु डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिए। यादोनाथ की जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक महेंद्र मर्सकोले ने रात हो जाने की वजह से मृतक यादोनाथ का शव जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिये है। जिसका पोस्टमार्टम 8 जुलाई को किया जायेगा।

जिला प्रशासन की आमजन से अपील : वर्षा के दिनों में बाढ़ की स्थिति में सावधानी बरतें

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मानसून के दौरान भारी वर्षा के कारण जिले में बहने वाली नदियों और नालों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ऐसी परिस्थितियों में अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए सतर्कता बरतना अत्यंत आवश्यक है। बाढ़ के दौरान पुलों को पार करना और नदियों या नालों में प्रवेश करना अत्यंत खतरनाक हो सकता है। तेज बहाव और बढ़ता जलस्तर जानलेवा साबित हो सकता है। इसलिए बालाघाट जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि बाढ़ की स्थिति में सावधानियां बरतें। यदि नदी या नाले का जलस्तर पुल के ऊपर या उसके आसपास हो, तो उसे पार करने का प्रयास न करें।नदियों और नालों से दूरी बनाए रखें। बाढ़ का पानी अप्रत्याशित रूप से तेज हो सकता है, अतः इसमें प्रवेश न करें। स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। बाढ़ चेतावनी और सुरक्षा निर्देशों का सख्ती से पालन करें। बाढ़ एवं अतिवृष्टि की स्थिति में सुरक्षित स्थानों पर रहें, ऊंचे और सुरक्षित स्थानों पर शरण लें।आपकी सुरक्षा आपके हाथ में है। छोटी सी लापरवाही बड़ा खतरा बन सकती है। कृपया सावधानी बरतें और दूसरों को भी जागरूक करें।

बाढ़ आपदा राहत के लिए कंट्रोल रूम के दूरभाष नम्बर 07632-240102 पर से किया जा सकता है सम्पर्क

वर्षा ऋतु के दौरान बाढ़ एवं प्राकृतिक आपदा की स्थिति निर्मित होने पर बचाव एवं राहत के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम बनाया गया है। कंट्रोल रूम से दूरभाष नम्बर 07632-240102 पर सम्पर्क किया जा सकता है। यह कंट्रोल रूम 24 घंटे क्रियाशील रहता है। जिले में कहीं पर भी बाढ़ या अन्य किसी प्राकृतिक आपदा की स्थिति निर्मित होती है तो बचाव एवं राहत के लिए कंट्रोल रूम के दूरभाष नम्बर पर सूचना दी जा सकती है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.१, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट